



Your Personal Exams Guide



NDA



CDS



SSC CGL



CBSE UGC NET



IAS



SSC CHSL



CTET



MPSC



AFCAT



CSIR UDC NET



IBPS PO



UP POLICE



SSC MTS



SBI PO



BPSC



UP TET



IBPS RRB



IBPS CLERK



IES



UPSC CAPF



SSC Stenogr..



RRB NTPC



SSC GD



RBI GRADE B



RBI Assistant



DSSSB

Rajasthan Police Constable 2025 Question Paper (14-Sep-2025) (Shift 2)

Total Time: 2 Hour

Total Marks: 150

Instructions

1. Test will auto submit when the Time is up.
2. The Test comprises of multiple choice questions (MCQ) with one correct answers.
3. The clock in the top right corner will display the remaining time available for you to complete the examination.

Navigating & Answering a Question

1. The answer will be saved automatically upon clicking on an option amongst the given choices of answer.
2. To deselect your chosen answer, click on the clear response button.
3. The marking scheme will be displayed for each question on the top right corner of the test window.

Your Personal Exams Guide

Test

1. वर्तमान में राजस्थान विधान सभा का स्पीकर कौन हैं? (+1, -0.25)
- a. वासुदेव देवनानी
 - b. जोगाराम पटेल
 - c. संदीप शर्मा
 - d. कालीचरण सराफ
-
2. एक आदमी की ओर संकेत करते हुए सारा ने कहा, "वह मेरी माँ के पति का एकमात्र पुत्र है"। (+1, -0.25)
उस आदमी का सारा से क्या संबंध है ?
- a. चचेरा भाई
 - b. चाचा
 - c. साला/देवर
 - d. भाई
-
3. जिस प्रकार से दूसरा पद प्रथम पद से संबंधित है उसी प्रकार से तीसरे पद से संबंध रखनेवाले विकल्प का चुनाव कीजिए। (+1, -0.25)
MUSCLE : SUMLEC :: OUTPUT : _____
- a. UTOPUT
 - b. PUTOUT
 - c. TOUTUP
 - d. TUOUTP

4. साइमन उम्र में पॉल से बड़ा है। (+1, -0.25)
पीटर उम्र में साइमन से बड़ा है।
पॉल उम्र में पीटर से बड़ा है।
यदि प्रथम दो कथन सत्य हैं, तो तीसरा कथन है :
- a. सत्य
 - b. असत्य
 - c. अनिश्चित
 - d. आंशिक सत्य
-
5. राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम का कार्य है : (+1, -0.25)
- a. स्कूली शिक्षा को बढ़ावा देना
 - b. ग्रामीण बैंकिंग का विकास
 - c. युवाओं को स्वरोज़गार के लिये प्रशिक्षण देना
 - d. ग्रामीण आधारभूत साधनों का विकास
-
6. निम्नलिखित में कौनसा उत्कृष्ट गैस है? (+1, -0.25)
- a. नाइट्रोजन
 - b. हीलियम
 - c. ऑक्सीजन
 - d. हाइड्रोजन
-
7. प्रसिद्ध 'गणगौर' त्योहार किस देवी को समर्पित है ? (+1, -0.25)

- a. पार्वती
- b. सरस्वती
- c. लक्ष्मी
- d. काली

8. स्वतंत्र भारत के अंतिम गवर्नर जनरल कौन थे ? (+1, -0.25)

- a. सी. राजगोपालाचारी
- b. लॉर्ड माउंटबैटन
- c. डॉ. एस. राधाकृष्णन्
- d. मोरारजी देसाई

9. बाल-विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के अनुसार, बाल विवाह माना जायेगा : (+1, -0.25)

- a. सभी मामलों में प्रभावहीन।
- b. विवर्जनीय अर्थात् अवयस्क, वयस्क होने पर इसे रद्द कर सकता है।
- c. यदि पंजीकृत है तो विधिवत माना जायेगा।
- d. मान्य परन्तु दंडनीय।

10. एक हॉकी टीम ने खेल में 6 जीते और 8 हार गए। जीते गये खेलों की संख्या का अनुपात क्या है ? (+1, -0.25)

- a. $\frac{6}{8}$
- b. $\frac{8}{6}$
- c. $\frac{8}{14}$

d. $\frac{3}{7}$

11. बीकानेर शहर की स्थापना किसने की है? (+1, -0.25)

- a. राव जोधा
- b. राव मालदेव
- c. राव गंगा
- d. राव बीका

12. ऑनलाइन सुरक्षित रहने का सही तरीका क्या है ? (+1, -0.25)

- a. पासवर्ड शेयर करना
- b. अज्ञात लिंक पर क्लिक करना
- c. स्ट्रॉन्ग पासवर्ड का उपयोग और निजी सूचना को शेयर नहीं करना
- d. सभी इमेल संलग्नकों को खोलना

13. राजस्थान में किस संधि ने ब्रिटिश सर्वोच्चता की शुरुआत की ? (+1, -0.25)

- a. अमृतसर की संधि
- b. सूरजी-आंजनगांव की संधि
- c. 1818 की संधि
- d. सालबाई संधि

14. राजस्थान के किस शहर में सबसे कम जनसंख्या घनत्व है? (+1, -0.25)

- a. बीकानेर

- b. जैसलमेर
- c. बाड़मेर
- d. डूंगरपुर

15. राजस्थान का वह कौन सा किला है जिसे मुगल या अंग्रेज़ कभी नहीं जीत पाये ? (+1, -0.25)

- a. रणथम्बोर
- b. कुम्भलगढ़
- c. जैसलमेर
- d. चित्तौड़गढ़

16. रणजीत के पास 1 रुपये, 5 रुपये और 10 रुपये के सिक्के हैं, जिनका कुल मूल्य 480 रुपये है। यह देखते हुये कि सभी मूल्य के सिक्कों की संख्या समान है, उसके पास कुल कितने सिक्के हैं ? (+1, -0.25)

- a. 30
- b. 75
- c. 90
- d. 120

17. भारत सरकार का कौन सा मंत्रालय ICDS योजना का संचालन करता है? (+1, -0.25)

- a. शिक्षा मंत्रालय
- b. वित्त मंत्रालय
- c. ग्रामीण विकास मंत्रालय

d. महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

18. सर्च इंजन का क्या उपयोग है ?

(+1, -0.25)

- a. मेल भेजना
- b. इंटरनेट पर सूचना खोजना
- c. तस्वीर खींचना
- d. संगीत सुनना

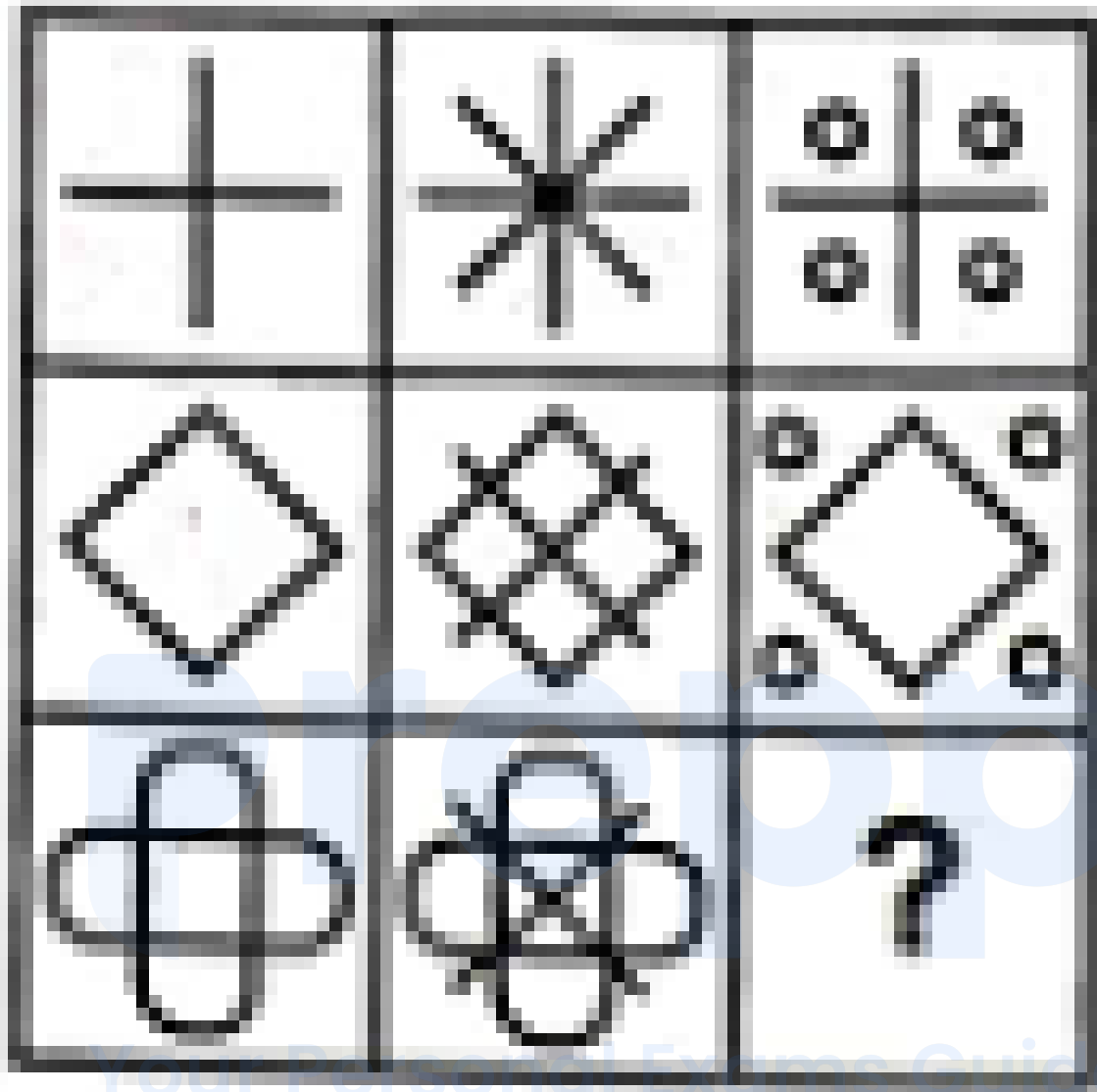
19. 1 बाईट = _____ बिट्स।

(+1, -0.25)

- a. 2
- b. 4
- c. 24
- d. 8

20. निम्न चार विकल्पों में से उस उपयुक्त चित्र को चुनिए जो चित्र आव्यूह (Matrix) को पूरा करेगा :

(+1, -0.25)



- a.
- b.
- c.
- d.

21. राजस्थान में पंचायत राज व्यवस्था में 'जिला परिषद' का प्रमुख कौन होता है ?

(+1, -0.25)

- a. प्रधान
- b. जिला कलेक्टर
- c. जिला प्रमुख
- d. जिला विकास अधिकारी

22. निम्नलिखित में से कौन सा कारक इन्फ्लूएन्जा रोग उत्पन्न करता है? (+1, -0.25)

- a. जीवाणु (Bacteria)
- b. कवक (Fungi)
- c. प्रोटोजोअन (Protozoan)
- d. विषाणु (Virus)

23. राजस्थान में सोयाबीन की खेती प्रमुख रूप से कहाँ की जाती है ? (+1, -0.25)

- a. हाड़ौती
- b. मेवाड़
- c. मारवाड़
- d. शेखावाटी

24. निम्नलिखित में कौन सी संख्या 11 से विभाज्य है? (+1, -0.25)

- a. 675983
- b. 85692
- c. 6661224

d. 9696

25. उपयुक्त विकल्प चुनें : (+1, -0.25)

अंगुली : हाथ :: _____ : फूल

- a. पृष्ठ
- b. पंखुड़ी
- c. शाखा
- d. पहिया

26. श्रेणी पूरा कीजिए : (+1, -0.25)

C1D, E3F, G5H, I7J, _____ ?

- a. K1L
- b. K9L
- c. L9K
- d. LIK

27. चित्तौड़गढ़ स्थित प्रसिद्ध "कीर्ति स्तम्भ" का निर्माण किसके द्वारा किया गया था ? (+1, -0.25)

- a. रावल कुमार सिंह
- b. राणा प्रताप
- c. जीजा भागेरवाला
- d. ईश्वरी सिंह

28. यदि प्रथम दो कथन सत्य हैं, तो तीसरा कथन _____ है। (+1, -0.25)

- (a) ब्ल्यूबेरी, स्ट्राबेरी की अपेक्षा अधिक महँगा है।
- (b) ब्ल्यूबेरी, रास्पबेरी की अपेक्षा सस्ता है।
- (c) रास्पबेरी, स्ट्राबेरी एवं ब्ल्यूबेरी की अपेक्षा अधिक महँगा है।

- a. सत्य
- b. असत्य
- c. अनिश्चित
- d. आंशिक सत्य

29. राजस्थान राज्य की आधिकारिक स्थापना कब हुई थी ? (+1, -0.25)

- a. 1949
- b. 1950
- c. 1956
- d. 1948

30. यदि a, b का समानुपातिक है और जब $b = 8$, तब $a = 15$ है, तो जब $b = 16$ है तब a का क्या मान है? (+1, -0.25)

- a. 30
- b. 8
- c. $\frac{15}{16}$
- d. $\frac{1}{2}$

31. गुलाबी मृदभांड किस शहर से संबंधित है ? (+1, -0.25)

- a. जोधपुर
- b. उदयपुर
- c. जयपुर
- d. अजमेर

32. आई सी सी (ICC) महिला T20 वर्ल्ड कप 2024 किस देश ने जीता ? (+1, -0.25)

- a. इंग्लैंड
- b. भारत
- c. ऑस्ट्रेलिया
- d. न्यूजीलैंड

33. प्रसिद्ध पिछवाई और फड़ चित्रकारी किस पर की जाती है ? (+1, -0.25)

- a. काँच
- b. चमड़ा
- c. कपड़ा
- d. लकड़ी

34. किस ग्रह को लाल ग्रह कहा जाता है ? (+1, -0.25)

- a. शुक्र
- b. मंगल
- c. बृहस्पति

d. शनि

35. राजस्थान राज्य वित्त आयोग का वर्तमान अध्यक्ष कौन है ?

(+1, -0.25)

a. गजेंद्र सिंह खीमसर

b. सुरेश सिंह रावत

c. अरुण चतुर्वेदी

d. संजय शर्मा

36. श्रेणी पूरा कीजिए :

2, 6, 12, 20, 30, ___ ?

(+1, -0.25)

a. 36

b. 40

c. 42

d. 48

37. बीसलपुर बाँध किस नदी पर स्थित है?

(+1, -0.25)

a. बनास

b. चम्बल

c. माही

d. घग्घर

38. राजस्थान में कौन सी मरुभूमि स्थित है ?

(+1, -0.25)

- a. थार मरुभूमि
- b. सहारा मरुभूमि
- c. गोबी मरुभूमि
- d. कालाहरी मरुभूमि

39. टेबल स्ट्रक्चर को हटाने में कौन सा SQL कमांड उपयोगी है ? (+1, -0.25)

- a. डिलिट टेबल
- b. ड्रॉप टेबल
- c. कट टेबल
- d. एंड टेबल

40. राजस्थान सरकार द्वारा राज्य के अनाथ बच्चों के लालन-पोषण, शिक्षा आदि की व्यवस्था के लिए चलाई जाने वाली योजना का क्या नाम है ? (+1, -0.25)

- a. मुख्यमंत्री राजश्री योजना
- b. इंदिरा रसोई योजना
- c. पालनहार योजना
- d. मुख्यमंत्री लाड़ली योजना

41. यदि कल के बाद का दिन, बृहस्पतिवार के दो दिन पूर्व का दिन है, तो आज कौन सा दिन है? (+1, -0.25)

- a. सोमवार
- b. मंगलवार
- c. बुधवार

d. बृहस्पतिवार

42. निम्नलिखित में कौन सा युग्म विषम है ?

(+1, -0.25)

- a. इराक : एशिया
- b. केन्या : अफ्रीका
- c. काठमांडू : नेपाल
- d. स्पेन : यूरोप

43. एक थैले में 5 लाल, 7 नीला और 3 हरे गेंदें हैं। यदि यादृच्छिक रूप से एक गेंद निकाली जाय तो इसके लाल या हरा गेंद होने की प्रायिकता कितनी है ?

(+1, -0.25)

- a. 1
- b. $\frac{8}{15}$
- c. $\frac{5}{15}$
- d. $\frac{1}{3}$

44. मेवाड़ राजवंश के संस्थापक कौन थे ?

(+1, -0.25)

- a. राणा सांगा
- b. बप्पा रावल
- c. राणा हामीर
- d. राणा प्रताप

45. विंडोज पर ओपन प्रोग्रामों के बीच स्विच करने के लिए किस शॉर्टकट का उपयोग किया जाता है?

(+1, -0.25)

- a. Alt+F4
- b. Ctrl + Tab
- c. Alt+Tab
- d. Ctrl+Shift + Del

46. चाय का सबसे बड़ा उत्पादक भारतीय राज्य कौन सा है ? (+1, -0.25)

- a. पश्चिम बंगाल
- b. केरल
- c. असम
- d. सिक्किम

47. संयुक्त राज्य अमेरीका का उपराष्ट्रपति कौन है, जिसने हाल ही में राजस्थान का दौरा किया था ? (+1, -0.25)

- a. डोनाल्ड ट्रम्प
- b. कमला हैरिस
- c. जे.डी. वेंस
- d. ऋषि सुनक

48. व्यक्तिगत स्पर्धा में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रथम भारतीय कौन थे? (+1, -0.25)

- a. लियांडर पेस
- b. मिल्खा सिंह
- c. अभिनव बिंद्रा

d. पी.टी. उषा

49. सांभर झील किसके लिए प्रसिद्ध है?

(+1, -0.25)

- a. नमक उत्पादन
- b. मछली पालन
- c. पर्यटन
- d. जल क्रीड़ा

50. राजस्थान के सकल घरेलू उत्पाद में सबसे कम अंशदान किस क्षेत्र से आता है ?

(+1, -0.25)

- a. कृषि
- b. विनिर्माण
- c. सेवा
- d. खदान

51. Ctrl + V को दबाने पर यह क्या करता है?

(+1, -0.25)

- a. पेस्ट (Paste)
- b. अन्डू (Undo)
- c. सेव (Save)
- d. कट (Cut)

52. इनमें से कौन सी दर्रा अरावली पहाड़ियों में है?

(+1, -0.25)

- a. हल्दीघाटी

- b. क्षिप्कीला
- c. नाथूला
- d. रोहतांग

53. सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) में खाता खोलने के लिए बालिका की आयु कितनी होनी चाहिए? (+1, -0.25)

- a. 18 वर्ष से कम
- b. 25 वर्ष से कम
- c. 10 वर्ष से कम
- d. 20 वर्ष से कम

54. "सिलिकॉन वैली ऑफ इंडिया" किस भारतीय शहर को कहा जाता है? (+1, -0.25)

- a. पुणे
- b. चेन्नई
- c. बेंगलूरु
- d. हैदराबाद

55. राजस्थान में ज़िला परिषद के चुनाव में भाग लेने के लिए न्यूनतम आयु कितनी है ? (+1, -0.25)

- a. 18 वर्ष
- b. 21 वर्ष
- c. 25 वर्ष
- d. 10 वर्ष

56. ग्रामीण राजस्थान में लघु जल संरचना के माध्यम से जल संरक्षण की कौन सी योजना कार्यरत है? (+1, -0.25)

- a. जल जीवन मिशन
- b. मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान
- c. नीर विधि योजना
- d. पानी बचाओ योजना

57. राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (RIICO), राजस्थान राज्य औद्योगिक एवं खनिज विकास निगम (RSIMDC) से किस वर्ष अलग होकर वर्तमान स्वरूप में अस्तित्व में आया ? (+1, -0.25)

- a. 1969
- b. 1980
- c. 1984
- d. 1991

58. 3 : 5 : 4 के अनुपात में तीन संख्याओं को इस प्रकार ज्ञात कीजिए कि उन संख्याओं के वर्गों का योगफल 200 हो। (+1, -0.25)

- a. 3, 15, 12
- b. 10, 6, 2008
- c. 6, 10, 2008
- d. 3, 5, 2007

59. राजस्थान में राज्य वित्त आयोग का गठन प्रत्येक _____ वर्ष में किया जाता है। (+1, -0.25)

- a. 3
- b. 4
- c. 5
- d. 10

60. आई.एस.पी. (ISP) किसका प्रतीक है? (+1, -0.25)

- a. इंडियन सर्विस प्रोवाइडर
- b. इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर
- c. इंटरनेट सर्विस पोर्ट
- d. इंटरलिंक्ड सिस्टम प्रोवाइडर

61. संतरे की खेती के लिए राजस्थान का कौन सा जिला प्रसिद्ध है ? (+1, -0.25)

- a. गंगानगर
- b. झालावाड़
- c. अजमेर
- d. सवाई माधोपुर

62. आमाशय में कौन सा अम्ल पाया जाता है ? (+1, -0.25)

- a. नाइट्रिक अम्ल
- b. हाइड्रोक्लोरिक अम्ल
- c. सिट्रिक अम्ल

d. ऐसीटिक अम्ल

63. दो संख्याओं का गुणनफल 0.03 और उनमें से एक संख्या दूसरी संख्या का $1/12$ है। संख्याओं को ज्ञात कीजिए। (+1, -0.25)

a. 0.01, 0.12

b. 0.6, 0.05

c. 0.06, 0.5

d. 0.012, 0.1

64. जॉन उत्तर की ओर 10 मी. चलता है, फिर दायें मुड़ता है और 5 मी. चलता है। वह फिर से दायें मुड़ता है और 10 मी. चलता है, तो अब वह किस दिशा की ओर मुँह करके खड़ा है? (+1, -0.25)

a. उत्तर

b. उत्तर-पूर्व

c. दक्षिण

d. पूर्व

65. भारत में कानून बनाने की जिम्मेवारी किस संस्था की है? (+1, -0.25)

a. न्यायपालिका

b. कार्यपालिका

c. चुनाव आयोग

d. संसद

66. यू.आर.एल. (URL) का पूर्ण विस्तार क्या है? (+1, -0.25)

- a. यूनिवर्सल रिसोर्स लिंक
- b. यूनिवर्सल रिसोर्स लोकेटर
- c. यूनिफॉर्म रिसोर्स लोकेटर
- d. यूनिफॉर्म रिसोर्स लिंक

67. श्रेणी पूरा कीजिए : (+1, -0.25)
JAK, KBL, LCM, MDN, ?

- a. PFQ
- b. MEN
- c. NEO
- d. NEP

68. एक त्रिभुज में दो कोणों का योग 120° है। तीसरे कोण का परिमाण क्या है? (+1, -0.25)

- a. 60°
- b. 80°
- c. 90°
- d. 120°

69. 50 का कितना प्रतिशत 12 है? (+1, -0.25)

- a. 416%
- b. 12%
- c. 24%

d. 20%

70. केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान किसके लिए प्रसिद्ध है? (+1, -0.25)

- a. बाघ
- b. मगरमच्छ
- c. प्रवासी पक्षी
- d. तेंदुआ

71. राजस्थान के किस क्षेत्र में काली मिट्टी बहुतायत में पायी जाती है ? (+1, -0.25)

- a. मारवाड़
- b. शेखावाटी
- c. मेवाड़
- d. हाड़ौती

72. मानव-श्वसन के लिए कौन सा गैस अनिवार्य है ? (+1, -0.25)

- a. कार्बन डायऑक्साइड
- b. ऑक्सीजन
- c. नाइट्रोजन
- d. हाइड्रोजन

73. राजस्थान में हरित ऊर्जा गलियारा (The Green Energy Corridor) संबंधित है : (+1, -0.25)

- a. सौर एवं पवन ऊर्जा ट्रान्समिशन

- b. पनबिजली उत्पादन
- c. परमाणु ऊर्जा उत्पादन
- d. मेट्रो रेल

74. कम्प्यूटर के उन भौतिक भागों को जिसे आप देख और छू सकते हैं, कहलाता है : (+1, -0.25)

- a. हार्डवेयर
- b. सॉफ्टवेयर
- c. हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर
- d. ऑपरेटिंग सिस्टम

75. राजस्थान राज्य महिला आयोग अधिनियम किस वर्ष पारित किया गया था ? (+1, -0.25)

- a. 1990
- b. 1999
- c. 2001
- d. 2003

76. निम्नलिखित में से कौन सा स्थायी मेमोरी है ? (+1, -0.25)

- a. रैम (RAM)
- b. रोम (ROM)
- c. कैशे (Cache)
- d. डेटा (Data)

77. पानी का क्वथनांक क्या है ?

(+1, -0.25)

- a. $50^{\circ}C$
- b. $75^{\circ}C$
- c. $150^{\circ}C$
- d. $100^{\circ}C$

78. निम्न में कौन सा भिन्न आरोही क्रम में है?

(+1, -0.25)

- a. $\frac{3}{5}, \frac{2}{3}, \frac{9}{11}, \frac{7}{9}$
- b. $\frac{2}{3}, \frac{3}{5}, \frac{7}{9}, \frac{9}{11}$
- c. $\frac{3}{5}, \frac{2}{3}, \frac{7}{9}, \frac{9}{11}$
- d. $\frac{9}{11}, \frac{7}{9}, \frac{2}{3}, \frac{3}{5}$

79. तथ्य 1 : अमन के चार बच्चे हैं।

(+1, -0.25)

तथ्य 2 : दो बच्चों के बाल भूरे हैं और दो बच्चों के काले बाल हैं।

तथ्य 3 : बच्चों में आधे लड़कियाँ हैं।

यदि कथन तथ्य हैं, तो निम्न में से कौन सा अवश्य ही तथ्य होगा ?

- (a) कम से कम एक लड़की के बाल भूरे हैं।
- (b) बच्चों में दो लड़के हैं।
- (c) दो लड़कों के बाल काले हैं।

- a. कथन (a)
- b. कथन (a) और (b)
- c. कथन (b)
- d. कथन (a) और (c)

80. वाशिंग सोडा (Washing Soda) का रासायनिक नाम क्या है? (+1, -0.25)

- a. सोडियम क्लोराइड
- b. सोडियम हाइड्रोजन कार्बोनेट
- c. सोडियम हाइड्रोक्साइड
- d. सोडियम कार्बोनेट

81. यदि $3x + 5x = -8$ है, तो $x + 1 = ?$ (+1, -0.25)

- a. -2
- b. -1
- c. 0
- d. 1

82. भगवान गौतम बुद्ध का जन्म स्थल _____ है। (+1, -0.25)

- a. लुम्बिनी
- b. सारनाथ
- c. बोधगया
- d. वैशाली

83. 'सार्वभौम वयस्क मताधिकार' का क्या तात्पर्य है? (+1, -0.25)

- a. सभी वयस्कों को मतदान का अधिकार
- b. केवल शिक्षित वयस्कों का मतदान का अधिकार

- c. केवल पुरुषों को मतदान का अधिकार
- d. केवल सम्पत्ति धारकों को मतदान का अधिकार

84. किसी संख्या का 65% और उसी संख्या का 35% का अंतर 336 है। उस संख्या का 8% कितना है? (+1, -0.25)

- a. 80
- b. 189.6
- c. 89.6
- d. 86

85. प्राचीन राजस्थान में मत्स्य साम्राज्य की राजधानी क्या थी? (+1, -0.25)

- a. राजसमंद
- b. विराटनगर
- c. अलवर
- d. अजमेर

86. कौन सी प्रजातंत्र की एक विशेषता नहीं है? (+1, -0.25)

- a. स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव
- b. तानाशाही
- c. विधि द्वारा शासन
- d. मौलिक अधिकार

87. जोखिम भरे व्यवसायों में बच्चों को रोजगार देना किस विधान के अंतर्गत निषेध है? (+1, -0.25)

- a. किशोर न्याय अधिनियम, 2015
- b. बाल श्रम (निषेध व नियंत्रण) अधिनियम, 1986
- c. बाल-विवाह निषेध अधिनियम, 2006
- d. यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012

88. निम्नलिखित में कौन सा एक लोकप्रिय वेब ब्राउजर है ? (+1, -0.25)

- a. गूगल क्रोम
- b. विंडोज
- c. एम एस वर्ड
- d. अडोब रीडर

89. स्केटिंग, रिक से इसी प्रकार संबंधित है जिस प्रकार टेनिस _____ से संबंधित है। (+1, -0.25)

- a. कोर्ट
- b. अरेना
- c. पिच
- d. रैकेट

90. राजस्थान में आरंभिक मानव बस्ती _____ में पाया गया है। (+1, -0.25)

- a. बागोर
- b. कालीबंगन
- c. आहड

d. बैरात

91. निम्न में से कौन सा ऑपरेटिंग सिस्टम है ? (+1, -0.25)

- a. गूगल क्रोम
- b. अडोब फोटोशॉप
- c. माइक्रोसॉफ्ट विंडोज
- d. MySQL

92. राजस्थान में घग्घर नदी किस पड़ोसी राज्य से प्रवेश करती है? (+1, -0.25)

- a. पंजाब
- b. मध्य प्रदेश
- c. उत्तर प्रदेश
- d. हरियाणा

93. श्रेणी पूरा कीजिए : (+1, -0.25)
Z, X, V, T, ?

- a. Q
- b. R
- c. S
- d. T

94. यदि आप अन्य ऋणात्मक संख्या से एक धनात्मक संख्या को घटाएँ तो इसका परिणाम क्या है? (+1, -0.25)

- a. परिणाम हमेशा धनात्मक होगा
- b. परिणाम हमेशा ऋणात्मक होगा
- c. ऋणात्मक संख्या से धनात्मक संख्या घटा नहीं सकते
- d. उपरोक्त कोई नहीं

95. इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना का मुख्य उद्देश्य क्या है? (+1, -0.25)

- a. मुफ्त खाद्य वितरण
- b. शहरी आवास विकास
- c. शहरी क्षेत्र में रोजगार गारंटी
- d. शहरी गरीबों के लिए मुफ्त शिक्षा

96. पैसिफिक यू (Pacific Yew) पैसिफिक उत्तर-पूर्व में पाया जाने वाला एक सदाबहार वृक्ष (+1, -0.25)
है। इसका फल गुद्देदार एवं विषाक्त होता है। हाल ही में इस वृक्ष के छाल से टैक्सॉल नामक पदार्थ की खोज की गई है जिसे कैंसर के विरुद्ध उपयोग में आने वाला एक नया एवं उत्साही औषध माना गया है।
उपरोक्त परिच्छेद निम्न में से किस कथन का समर्थन सर्वोत्तम रूप से करता है?

- a. स्वस्थ व्यक्ति के द्वारा टैक्सॉल का उपयोग जहरीला होता है
- b. टैक्सॉल से लोगों को अनेक बीमारियों से बचाया गया है।
- c. पैसिफिक यू का फल लोगों को नहीं खाना चाहिए।
- d. टैक्सॉल के खोज के पूर्व इस वृक्ष को बेकार माना जाता था।

97. ब्रिटिश शासन के दौरान दक्षिणी राजस्थान में भील आंदोलन का नेतृत्व किसने किया ? (+1, -0.25)

- a. गोविंद गुरु

- b. विजय सिंह पाठक
- c. केसरी सिंह बारहथ
- d. अर्जुन लाल सेठी

98. अकबर के शासन के दौरान मारवाड़ का शासक कौन था ?

(+1, -0.25)

- a. राव जोधा
- b. राव माल्देव
- c. उदय सिंह
- d. चंद्रसेन राठौड़

99. राजस्थान में पंचायत संस्थाओं और नगरीय निकायों का चुनाव कौन करवाता है ?

(+1, -0.25)

- a. राज्य निर्वाचन आयोग
- b. मुख्य चुनाव अधिकारी
- c. भारत चुनाव आयोग
- d. पंचायती राज मंत्रालय

100. भारत सरकार में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री कौन है?

(+1, -0.25)

- a. गजेन्द्र सिंह
- b. अर्जुनराव मेघवाल
- c. दिया कुमारी
- d. भूपेन्द्र यादव

101. 2025 का पुरुषों का विंबल्डन ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता जीतने वाला पुरुष खिलाड़ी का नाम क्या है ? (+1, -0.25)

- a. जे. सिनर
- b. सी. एकलराज
- c. रोजर फेडरर
- d. नडाल

102. 'भारत के मिसाइल मैन' के नाम से किनको जाना जाता है? (+1, -0.25)

- a. होमी भाभा
- b. विक्रम साराभाई
- c. सतीश धवन
- d. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

103. किशोर न्याय अधिनियम का मुख्य लक्ष्य है : (+1, -0.25)

- a. अपराध करने वाले बच्चों को दंड देना
- b. बाल-श्रम को प्रोत्साहित करना
- c. बच्चों के द्वारा साइबर अपराध की घटना को रोकनी
- d. 18 वर्ष से कम आयु वाले अपराधी बच्चों की देखभाल, सुरक्षा एवं पुनर्वासि उपलब्ध कराना

104. अनन्या ने भारतीय रुपये 6,00,000/- में एक कार खरीदा और उसे भारतीय रुपये 6,12,500/- में बेच दिया। लाभ प्रतिशत ज्ञात कीजिए। (+1, -0.25)

- a. 2%

- b. 2.08%
- c. 2.01%
- d. 20.80%

105. भारतीय राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री कौन थी ? (+1, -0.25)

- a. इंदिरा गांधी
- b. सुचेता कृपलानी
- c. सरोजिनी नायडु
- d. विजयलक्ष्मी पंडित

106. महिला संचालित स्टार्टअप्स को सशक्त बनाने के लिए शी कोहोर्ट (SHE COHORT) 3.0 पहल का सूत्रपात किस राज्य सरकार ने किया है? (+1, -0.25)

- a. ओड़िशा
- b. हरियाणा
- c. पंजाब
- d. गुजरात

107. यदि $AN=14$ एवं $CAT=60$ तब $BEG=?$ (+1, -0.25)

- a. 68
- b. 72
- c. 74
- d. 70

108. भारत और किस देश के बीच सिंधु जल-समझौते पर हस्ताक्षर किया गया है ? (+1, -0.25)

- a. पाकिस्तान
- b. चीन
- c. बांग्लादेश
- d. नेपाल

109. एक कम्पनी में कर्मचारियों की औसत आयु 48 वर्ष है। अगले वर्ष 8 कर्मचारी सेवा से मुक्त हो जाएँगे। अगले वर्ष औसत आयु कितनी होगी ? (+1, -0.25)

[सूचना : कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष है, कम्पनी में कर्मचारियों की संख्या 30 है।]

- a. 41
- b. 44
- c. 35
- d. 45

110. यदि A, B से लम्बा है और B, C से लम्बा है, तो सबसे छोटा कौन है ? (+1, -0.25)

- a. A
- b. B
- c. C
- d. निर्धारित नहीं किया जा सकता

111. कमला अपने छोटे भाई से दो गुना बड़ी है। यदि उनके बीच के आयु में अंतर 15 वर्ष है, तो उसके छोटे भाई की आयु क्या होगी ? (+1, -0.25)

- a. 10
- b. 15
- c. 20
- d. 25

112. निर्णय कीजिये कि दिए गए निष्कर्षों में से कौन सा निष्कर्ष सामान्यतः ज्ञात तथ्यों को नज़रअंदाज़ करते हुए दिए गए दो कथनों का तार्किक रूप से अनुसरण करता है ? (+1, -0.25)

कथन :

सभी पेंसिलें कलम हैं।

सभी कलम स्याही हैं।

निष्कर्ष :

(i) सभी पेंसिलें स्याही हैं।

(ii) कुछ स्याही पेंसिलें हैं।

- a. केवल निष्कर्ष (i) निकलता है।
- b. केवल निष्कर्ष (ii) निकलता है।
- c. न तो निष्कर्ष (i) न ही निष्कर्ष (ii) निकलता है।
- d. निष्कर्ष (i) एवं (ii) दोनों निकलते हैं।

113. हिमालय में पीर पंजाल पर्वतमाला _____ का एक भाग है। (+1, -0.25)

- a. शिवालिक
- b. ट्रांस (पार) हिमालय
- c. सेंट्रल (मध्य) हिमालय
- d. लेसर (लघु) हिमालय

114. 'कालबेलिया' लोक नृत्य किस भारतीय राज्य से संबंधित है? (+1, -0.25)

- a. राजस्थान
- b. मध्य प्रदेश
- c. पश्चिम बंगाल
- d. पंजाब

115. 2025 में अपराध निवारण के लिए "त्रिनेत्र 2.0" किस भारतीय राज्य सरकार ने आरंभ किया ? (+1, -0.25)

- a. पंजाब
- b. महाराष्ट्र
- c. उत्तर प्रदेश
- d. तमिलनाडु

116. किसी वस्तु की वास्तविक छवि/प्रतिबिंब (Real Image) प्राप्त करने के लिए निम्न में से किस प्रकार का दर्पण प्रयुक्त किया जाता है ? (+1, -0.25)

- a. समतल दर्पण
- b. अवतल दर्पण
- c. उत्तल दर्पण
- d. कोई भी दर्पण वास्तविक छवि नहीं बनाता

117. 110 मी. $\times$ 60 मी. घास-आच्छादित आयताकार प्लॉट के अंदर चारों ओर 2 मी. चौड़ा बजरी का रास्ता बनाना है। 12 प्रति वर्ग मी. की दर से बजरी बिछाने का लागत ज्ञात कीजिए। (+1, -0.25)

- a. 1338
- b. 1238

c. 1328

d. 1228

118. भारतीय संविधान की किस अनुसूची में MP एवं MLA की अयोग्यता से संबंधित प्रावधान है (+1, -0.25)
?

a. 8वीं

b. 9वीं

c. 10वां

d. 11वां

119. निम्न में से कौन सा दूसरों से अलग है? (+1, -0.25)

a. इंच

b. आउन्स

c. सेन्टीमीटर

d. यार्ड

120. पेंसिल के निर्माण में किस पदार्थ का उपयोग किया जाता है? (+1, -0.25)

a. लेड

b. ग्रेफाइट

c. लोहा

d. ऐल्युमिनियम

121. किस शहर को झीलों का शहर कहा जाता है? (+1, -0.25)

- a. अजमेर
- b. भरतपुर
- c. कोटा
- d. उदयपुर

122. कौन सा प्रोटोकॉल ई-मेल भेजने में उपयोगी है? (+1, -0.25)

- a. FTP
- b. HTTP
- c. SMTP
- d. SSH

123. चम्बल नदी घाटी परियोजना मुख्यतः संबंधित है : (+1, -0.25)

- a. शहरी आवास से
- b. पनबिजली एवं सिंचाई से
- c. खनिज विकास से
- d. पर्यटन से

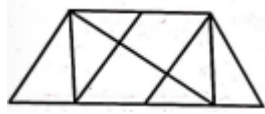
124. अर्थव्यवस्था के किस क्षेत्रक में कृषि, मछली पकड़ना और वानिकी आता है? (+1, -0.25)

- a. तृतीयक क्षेत्रक
- b. द्वितीयक क्षेत्रक
- c. प्राथमिक क्षेत्रक

d. चतुर्थक क्षेत्रक

125. निम्नांकित में त्रिभुजों की संख्या है :

(+1, -0.25)



- a. 8
- b. 10
- c. 12
- d. 14

126. किस योजना के अंतर्गत राजस्थान सरकार स्टार्ट-अप्स और नवाचार को प्रोत्साहित करती है ?

(+1, -0.25)

- a. स्टार्ट-अप इंडिया
- b. ई-स्टार्ट राजस्थान
- c. नवाचार मिशन
- d. मुख्यमंत्री स्टार्ट-अप्स योजना

127. निम्नांकित का दर्पण प्रतिबिंब ज्ञात कीजिए।
EFFECTIVE

(+1, -0.25)

- a. EVITCEFF3
- b. EVITCEFFE
- c. EVITCEFFE

d.  EFFECTIVE

128. भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के अशोक चक्र में कितनी तिलियाँ (spokes) हैं? (+1, -0.25)

- a. 20
- b. 24
- c. 26
- d. 28

129. ओज़ोन परत के क्षरण (depletion) के लिए कौन सा गैस जिम्मेवार है? (+1, -0.25)

- a. क्लोरोफ्लूरोकार्बन्स
- b. नाइट्रस ऑक्साइड
- c. कार्बन डाइऑक्साइड
- d. नाइट्रोजन

130. निम्न चार संख्याओं में से तीन निश्चित रूप से समान हैं परन्तु उनमें से एक अलग है। (+1, -0.25)
उस विषम संख्या को चुनिए।

- a. 594
- b. 693
- c. 465
- d. 573

131. निम्नलिखित में से भारत में सबसे बड़ी पर्वत श्रेणी कौन सी है ? (+1, -0.25)

- a. अरावली की पहाड़ियाँ
- b. पश्चिमी घाट की पहाड़ियाँ
- c. विंध्याचल पर्वत श्रेणियाँ
- d. हिमालय पर्वत श्रेणियाँ

132. निम्नलिखित में से कौन सा राजस्थान का एक परम्परागत लोक नृत्य नहीं है ? (+1, -0.25)

- a. घूमर
- b. भांगड़ा
- c. कठपुतली
- d. कालबेलिया

133. राजस्थान राज्य का संवैधानिक मुखिया कौन होता है ? (+1, -0.25)

- a. मुख्यमंत्री
- b. विधान सभा अध्यक्ष
- c. राज्यपाल
- d. मुख्य सचिव

134. _____ औषध एवं शल्यचिकित्सा पर उपलब्ध एक प्राचीन संस्कृत ग्रंथ है। (+1, -0.25)

- a. अर्थशास्त्र
- b. सुश्रुत संहिता
- c. रघुवंशम्

d. अभिज्ञानशाकुंतलम्

135. "मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना" का उद्देश्य क्या है ? (+1, -0.25)

- a. आई टी क्षेत्र को बढ़ावा देना
- b. सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को बढ़ावा देना
- c. कृषि निर्यात को बढ़ावा देना
- d. पर्यटन को बढ़ावा देना

136. निम्नलिखित में कौन सा सर्च इंजन नहीं है? (+1, -0.25)

- a. याहू
- b. फेसबुक
- c. बिंग
- d. गूगल

137. 'वन्दे मातरम्' गीत के रचयिता कौन हैं? (+1, -0.25)

- a. रबिन्द्रनाथ टैगोर
- b. दादाभाई नौरोजी
- c. लाल बहादुर शास्त्री
- d. बंकिम चन्द्र चटर्जी

138. निम्न में से कौन सा विटामिन रक्त का थक्का जमने (Blood Clotting) में मदद करता है? (+1, -0.25)

- a. विटामिन A
- b. विटामिन C
- c. विटामिन D
- d. विटामिन K

139. निम्न श्रेणी में कौन सी अगली संख्या आएगी ? (+1, -0.25)

3, 7, 16, 32, 57, ?

- a. 85
- b. 80
- c. 98
- d. 93

140. जब किसी संख्या को 7 से गुणा किया जाता है तो समूचे गुणनफल में केवल 3 का अंक पाया जाता है, तो गुणनफल में 3 की न्यूनतम संख्या कितनी है ? (+1, -0.25)

- a. 9
- b. 10
- c. 4
- d. 6

141. 'चिपको आन्दोलन' से संबंधित भारतीय पर्यावरणविद् का नाम _____ है। (+1, -0.25)

- a. सुंदरलाल बहुगुणा
- b. मेधा पाटकर

- c. वंदना शिवा
- d. बाबा आम्टे

142. इंगरपुर स्थित प्रसिद्ध बेणेश्वर मेला प्रतिवर्ष किस अवसर पर लगता है? (+1, -0.25)

- a. माघ माह की पूर्णिमा
- b. चैत्र अमावस्या
- c. कार्तिक पूर्णिमा
- d. माघ माह की अमावस्या

143. निम्नलिखित में से कौन सी.पी.यू. (CPU) का एक घटक नहीं है? (+1, -0.25)

- a. कंट्रोल यूनिट
- b. पर्मानेंट यूनिट
- c. अरिथमेटिक यूनिट
- d. मेमोरी अथवा स्टोरेज यूनिट

144. सातवीं सदी में चित्तौड़गढ़ के प्रसिद्ध किले का निर्माण किसने किया था ? (+1, -0.25)

- a. राणा सांगा
- b. राणा कुंभा
- c. बप्पा रावल
- d. चित्रांगद मोरी

145. ताजे नमीयुक्त प्लास्टर की दीवार पर की गई चित्रकारी कहलाती है : (+1, -0.25)

- a. तैल चित्रकारी
- b. जल चित्रकारी
- c. सिको चित्रकारी
- d. ब्यूऑन फ्रेस्को

146. राजस्थान का वनक्षेत्र लगभग कितना प्रतिशत है ? (+1, -0.25)

- a. 3%
- b. 5%
- c. 9%
- d. 12%

147. किस जिले में जवाई बाँध है ? (+1, -0.25)

- a. उदयपुर
- b. पाली
- c. बांसवाड़ा
- d. सिरोही

148. राजस्थान में पुरुषों एवं महिलाओं दोनों से संबंधित परम्परागत जूता (फुटवियर) कौन सा है? (+1, -0.25)

- a. जूती अथवा मोजरी
- b. कोल्हापुरी चप्पल
- c. बटिक

d. इकत

149. "m" का मान ज्ञात कीजिए।

(+1, -0.25)

$$\frac{(17 \times 2 - 10)}{(2 + m)} = 4$$

a. 4

b. 16

c. 8

d. 7

150. निम्नलिखित में कौन सा विषम है ?

(+1, -0.25)

a. 2

b. 4

c. 5

d. 3

prepp

Your Personal Exams Guide

Answers

1. Answer: a

Explanation:

राजस्थान विधान सभा स्पीकर: वासुदेव देवनानी

यह प्रश्न वर्तमान में राजस्थान विधान सभा के अध्यक्ष (स्पीकर) के बारे में पूछता है। विधान सभा अध्यक्ष का पद बहुत महत्वपूर्ण होता है; वे सदन की कार्यवाही का संचालन करते हैं, नियमों का पालन सुनिश्चित करते हैं, और चर्चाओं को व्यवस्थित रखते हैं।

वर्तमान राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष

वर्तमान में, **वासुदेव देवनानी** राजस्थान विधान सभा के अध्यक्ष (स्पीकर) हैं। उन्होंने हाल ही में यह पद संभाला है।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण

- **जोगाराम पटेल:** ये एक राजनेता हैं, लेकिन वर्तमान विधान सभा अध्यक्ष नहीं हैं।
- **संदीप शर्मा:** ये भी एक राजनेता हैं, लेकिन वर्तमान विधान सभा अध्यक्ष के पद पर नहीं हैं।
- **कालीचरण सराफ:** ये राजस्थान के एक अनुभवी राजनेता हैं, पर वर्तमान स्पीकर की भूमिका में नहीं हैं।

निष्कर्ष

प्रश्नों के अनुसार और उपलब्ध जानकारी के आधार पर, **वासुदेव देवनानी** सही उत्तर हैं क्योंकि वे राजस्थान विधान सभा के वर्तमान अध्यक्ष हैं।

2. Answer: d

Explanation:

सारा के रिश्ते का विश्लेषण

यह प्रश्न एक रक्त संबंध पहेली है। आइए इसे समझने के लिए दिए गए कथन का विश्लेषण करें:

1. **कथन को समझें:** सारा कहती है, "वह आदमी मेरी माँ के पति का एकमात्र पुत्र है।"
2. **पहला कदम:** सारा के 'माँ के पति' को पहचानें। सारा की माँ का पति उसका पिता होता है।
3. **दूसरा कदम:** अब कथन को सरल बनाएं। सारा कह रही है, "वह आदमी मेरे पिता का एकमात्र पुत्र है।"
4. **निष्कर्ष:** यदि किसी व्यक्ति का पिता है, और उस पिता का केवल एक ही पुत्र है, तो वह पुत्र उस व्यक्ति का भाई होगा। इस मामले में, सारा के पिता का वह एकमात्र पुत्र सारा का भाई है।

इसलिए, वह आदमी सारा का भाई है।

सही विकल्प का चयन

दिए गए विकल्पों में से, सही संबंध 'भाई' है।

- चचेरा भाई (Cousin brother) - यह गलत है क्योंकि कथन में 'एकमात्र पुत्र' का उल्लेख है, जो चचेरे भाई को बाहर करता है।
- चाचा (Uncle) - यह गलत है।
- साला/देवर (Brother-in-law) - यह गलत है।
- भाई (Brother) - यह सही उत्तर है, क्योंकि वह आदमी सारा के पिता का एकमात्र पुत्र है।

3. Answer: d

Explanation:

MUSCLE : SUMLEC :: OUTPUT : ? का हल

पैटर्न की पहचान

यह प्रश्न शब्दों के बीच एक तार्किक संबंध पर आधारित है। हमें यह समझना है कि **MUSCLE** शब्द से **SUMLEC** कैसे बना है, और उसी नियम का पालन करते हुए **OUTPUT** शब्द का सही विकल्प खोजना है।

आइए **MUSCLE** और **SUMLEC** के अक्षरों की व्यवस्था देखें:

MUSCLE में अक्षर और उनके स्थान हैं:

- M (स्थान 1)
- U (स्थान 2)
- S (स्थान 3)
- C (स्थान 4)
- L (स्थान 5)
- E (स्थान 6)

SUMLEC में अक्षर और उनके स्थान (**MUSCLE** के सापेक्ष) हैं:

- S (स्थान 3)
- U (स्थान 2)
- M (स्थान 1)
- L (स्थान 5)
- E (स्थान 6)
- C (स्थान 4)

यह स्पष्ट है कि **SUMLEC** शब्द **MUSCLE** के अक्षरों को पुनर्व्यवस्थित करके बनाया गया है। पैटर्न इस प्रकार है:

- पहले तीन अक्षरों (MUS) को उलट दिया गया है (**SUM**)। यह मूल शब्द के तीसरे, दूसरे और पहले अक्षर को लेता है।
- अगले तीन अक्षरों (CLE) को पुनर्व्यवस्थित किया गया है (**LEC**)। यह मूल शब्द के पांचवें, छठे और चौथे अक्षर को लेता है।

तो, पैटर्न है: (मूल शब्द का 3रा, 2रा, 1ला अक्षर) + (मूल शब्द का 5वां, 6ठा, 4था अक्षर)।

पैटर्न का अनुप्रयोग

अब हम इस पहचाने गए पैटर्न को **OUTPUT** शब्द पर लागू करेंगे।

OUTPUT में अक्षर और उनके स्थान हैं:

- O (स्थान 1)
- U (स्थान 2)
- T (स्थान 3)
- P (स्थान 4)
- U (स्थान 5)
- T (स्थान 6)

पैटर्न के अनुसार, हम लेंगे:

- पहला समूह: 3रा (T), 2रा (U), 1ला (O) अक्षर => TUO
- दूसरा समूह: 5वां (U), 6ठा (T), 4था (P) अक्षर => UTP

इन दोनों समूहों को एक साथ मिलाने पर हमें अंतिम शब्द मिलता है: TUO + UTP = TUOUTP

निष्कर्ष

इस प्रकार, OUTPUT से संबंधित शब्द TUOUTP है, जो दिए गए विकल्पों में से एक है।

4. Answer: b

Explanation:

आयु कथनों का विश्लेषण: साइमन, पॉल और पीटर

यह प्रश्न तीन व्यक्तियों - साइमन, पॉल और पीटर - की आयु के बीच संबंधों के बारे में है। हमें दिए गए दो कथनों के आधार पर तीसरे कथन की सत्यता का निर्धारण करना है।

कथनों का गणितीय निरूपण

आइए हम उनकी आयु को दर्शाने के लिए चर (variables) का उपयोग करें:

- साइमन की आयु = S
- पॉल की आयु = P
- पीटर की आयु = R

अब, दिए गए कथनों को गणितीय असमानताओं (mathematical inequalities) के रूप में लिखते हैं:

1. **कथन 1:** साइमन उम्र में पॉल से बड़ा है।
गणितीय रूप में: $S > P$
2. **कथन 2:** पीटर उम्र में साइमन से बड़ा है।
गणितीय रूप में: $R > S$

निष्कर्ष निकालना

हमें दिया गया है कि पहले दो कथन सत्य हैं। इसका मतलब है कि हमारे पास दो सत्य असमानताएँ हैं:

1. $R > S$
2. $S > P$

गणित में, असमानताओं के लिए एक गुण होता है जिसे सकर्मक गुण (transitive property) कहा जाता है। यदि पहली संख्या दूसरी से बड़ी है, और दूसरी संख्या तीसरी से बड़ी है, तो पहली संख्या तीसरी से भी बड़ी होगी।

हमारे मामले में, चूंकि $R > S$ और $S > P$, सकर्मक गुण का उपयोग करके, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि:

$$R > P$$

इसका मतलब है कि पीटर, पॉल से बड़ा है।

तीसरे कथन का मूल्यांकन

अब हम तीसरे कथन को देखते हैं:

- **कथन 3:** पॉल उम्र में पीटर से बड़ा है।
गणितीय रूप में: $P > R$

हमने पहले दो कथनों से निष्कर्ष निकाला है कि $R > P$ (पीटर पॉल से बड़ा है)। तीसरा कथन कहता है कि $P > R$ (पॉल पीटर से बड़ा है)।

ये दोनों स्थितियाँ ($R > P$ और $P > R$) एक दूसरे के विपरीत (contradictory) हैं। एक ही समय में पॉल का पीटर से बड़ा होना और पीटर का पॉल से बड़ा होना संभव नहीं है।

चूंकि पहले दो कथन सत्य हैं, और उनसे हमारा निष्कर्ष $R > P$ निकलता है, तो तीसरा कथन ($P > R$) निश्चित रूप से गलत होना चाहिए।

अंतिम उत्तर

इसलिए, यदि पहले दो कथन सत्य हैं, तो तीसरा कथन **असत्य** है।

5. Answer: c

Explanation:

राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम का कार्य

राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (RSLDC) की स्थापना राज्य में कौशल विकास और आजीविका संवर्धन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए की गई है। इसका मुख्य ध्येय युवाओं को रोजगार योग्य बनाना और उन्हें बेहतर आजीविका के अवसर प्रदान करना है।

मुख्य उद्देश्य

- युवाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करना।
- उन्हें विभिन्न उद्योगों की मांगों के अनुसार आवश्यक कौशल सिखाना।
- स्वरोज़गार के अवसरों को बढ़ावा देना ताकि युवा आत्मनिर्भर बन सकें।
- राज्य में गरीबी को कम करने और आर्थिक विकास में योगदान देना।

विकल्पों का विश्लेषण

प्रश्न के संदर्भ में, विभिन्न विकल्पों पर विचार करते हैं:

- **स्कूली शिक्षा को बढ़ावा देना:** यह कार्य मुख्य रूप से शिक्षा विभाग का है, न कि कौशल एवं आजीविका विकास निगम का।
- **ग्रामीण बैंकिंग का विकास:** ग्रामीण बैंकिंग का विकास वित्तीय संस्थानों और बैंकिंग नियामक निकायों की जिम्मेदारी है।
- **युवाओं को स्वरोज़गार के लिये प्रशिक्षण देना:** यह राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम के मुख्य उद्देश्यों में से एक है। निगम युवाओं को विभिन्न व्यवसायों में प्रशिक्षित करता है ताकि वे या तो कहीं रोजगार प्राप्त कर सकें या अपना खुद का व्यवसाय (स्वरोज़गार) शुरू कर सकें।
- **ग्रामीण आधारभूत साधनों का विकास:** यह कार्य पंचायती राज विभाग या ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत आता है।

इसलिए, राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम का प्रमुख कार्य युवाओं को उनकी आजीविका सुधारने और उन्हें स्वरोज़गार के लिए तैयार करने हेतु प्रशिक्षण प्रदान करना है।

सही उत्तर

दिए गए विकल्पों में से, सबसे उपयुक्त कार्य है:

युवाओं को स्वरोज़गार के लिये प्रशिक्षण देना

6. Answer: b

Explanation:

उत्कृष्ट गैस की पहचान

यह प्रश्न दिए गए विकल्पों में से **उत्कृष्ट गैस** (Noble Gas) की पहचान करने के लिए कहता है। उत्कृष्ट गैसों, जिन्हें अक्रिय गैसों (Inert Gases) भी कहा जाता है, आवर्त सारणी के समूह 18 (Group 18) में स्थित तत्व हैं। ये अपने पूर्ण संयोजी इलेक्ट्रॉन कोश (valence electron shell) के कारण रासायनिक रूप से बहुत स्थिर और निष्क्रिय होती हैं।

विकल्पों का विश्लेषण

- **नाइट्रोजन (N):** यह एक अधातु (non-metal) है और पृथ्वी के वायुमंडल का लगभग 78% हिस्सा बनाती है। नाइट्रोजन समूह 15 (Group 15) का सदस्य है, न कि समूह 18 का। इसलिए, यह एक उत्कृष्ट गैस *नहीं* है।
- **हीलियम (He):** यह आवर्त सारणी का दूसरा तत्व (परमाणु क्रमांक 2) है। हीलियम समूह 18 (Group 18) में स्थित है और उत्कृष्ट गैसों का एक प्रमुख सदस्य है। यह रासायनिक रूप से बहुत निष्क्रिय होती है।
- **ऑक्सीजन (O):** यह जीवन के लिए आवश्यक गैस है और श्वसन तथा दहन (combustion) जैसी प्रक्रियाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऑक्सीजन समूह 16 (Group 16) का तत्व है, इसलिए यह उत्कृष्ट गैस *नहीं* है।
- **हाइड्रोजन (H):** यह ब्रह्मांड में सबसे प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला तत्व है। हालांकि इसे अक्सर आवर्त सारणी में समूह 1 में दर्शाया जाता है, यह समूह 18 के तत्वों की तरह उत्कृष्ट गैस *नहीं* है।

निष्कर्ष

सभी विकल्पों का विश्लेषण करने पर, यह स्पष्ट होता है कि **हीलियम** ही एकमात्र उत्कृष्ट गैस है।

7. Answer: a

Explanation:

गणगौर त्योहार का महत्व और देवी पार्वती

गणगौर भारत का एक प्रमुख और अत्यंत महत्वपूर्ण त्योहार है, जो विशेषकर राजस्थान, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा मनाया जाता है, जो देवी गौरी (पार्वती) और भगवान शिव की पूजा करती हैं।

गणगौर त्योहार का समर्पण

यह प्रसिद्ध गणगौर त्योहार मुख्य रूप से देवी **पार्वती** को समर्पित है। गणगौर की पूजा विशेष रूप से वैवाहिक सुख, पति की दीर्घायु और घर में सुख-समृद्धि की कामना के लिए की जाती है। गण (भगवान शिव) और गौर (देवी पार्वती) के नामों से ही इस त्योहार का नाम 'गणगौर' पड़ा है। अविवाहित लड़कियाँ अच्छे वर की प्राप्ति के लिए और विवाहित महिलाएँ अपने सुहाग की रक्षा के लिए इस व्रत को रखती हैं।

अन्य देवियों के संबंध में स्पष्टीकरण

जबकि देवी **सरस्वती** ज्ञान की देवी हैं, देवी **लक्ष्मी** धन और समृद्धि की देवी हैं, और देवी **काली** शक्ति और विनाश का प्रतीक हैं, गणगौर त्योहार का सीधा संबंध देवी पार्वती के वैवाहिक और मातृ स्वरूप से है। इसलिए, अन्य विकल्प इस त्योहार के लिए सही नहीं हैं।

निष्कर्ष

अतः, स्पष्ट है कि प्रसिद्ध गणगौर त्योहार देवी पार्वती को समर्पित है।

Your Personal Exams Guide

8. Answer: a

Explanation:

स्वतंत्र भारत के अंतिम गवर्नर जनरल का विश्लेषण

यह प्रश्न स्वतंत्र भारत के शासन के प्रारंभिक वर्षों से संबंधित एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक तथ्य के बारे में है। आइए हम स्वतंत्र भारत के अंतिम गवर्नर जनरल की पहचान करें।

गवर्नर जनरल पद की भूमिका

भारत की स्वतंत्रता के बाद, ब्रिटिश क्राउन के प्रतिनिधि के रूप में गवर्नर जनरल का पद जारी रहा। यह पद ब्रिटिश राजशाही और भारतीय सरकार के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करता था।

विकल्पों का विश्लेषण

- **लॉर्ड माउंटबैटन:** वे स्वतंत्र भारत के पहले गवर्नर जनरल थे। उन्होंने 15 अगस्त 1947 को पदभार ग्रहण किया।
- **सी. राजगोपालाचारी:** वे भारत के अंतिम गवर्नर जनरल थे। उन्होंने लॉर्ड माउंटबैटन के बाद 1948 में यह पद संभाला और 1950 में भारत के गणतंत्र बनने तक इस पद पर रहे। वे एकमात्र भारतीय थे जिन्होंने यह पद संभाला।
- **डॉ. एस. राधाकृष्णन्:** डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन् भारत के पहले उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति थे, न कि गवर्नर जनरल।
- **मोरारजी देसाई:** मोरारजी देसाई भारत के प्रधानमंत्री बने थे, गवर्नर जनरल नहीं। वे पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री थे।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि **सी. राजगोपालाचारी** स्वतंत्र भारत के अंतिम गवर्नर जनरल थे। उन्होंने 26 जनवरी 1950 को भारत के गणतंत्र बनने से पहले तक यह पद संभाला, जिसके बाद भारत के राष्ट्रपति का पद सृजित हुआ।

9. Answer: b

Explanation:

बाल-विवाह निषेध अधिनियम, 2006: बाल विवाह की स्थिति

बाल-विवाह निषेध अधिनियम, 2006 (Prohibition of Child Marriage Act, 2006) भारत में बाल विवाह को रोकने और नियंत्रित करने के लिए बनाया गया एक महत्वपूर्ण कानून है। इस अधिनियम के तहत, बाल विवाह की कानूनी स्थिति को समझना आवश्यक है।

अधिनियम के अनुसार बाल विवाह का प्रावधान

इस अधिनियम की धारा 3 के अनुसार, यदि किसी अवयस्क (minor) का विवाह होता है, तो उस विवाह की स्थिति निम्नलिखित होती है:

- **विवर्जनीय (Voidable):** बाल विवाह को विवर्जनीय माना जाता है। इसका मतलब है कि विवाह में शामिल अवयस्क पक्ष, वयस्क (major) होने के बाद उस विवाह को रद्द करने का विकल्प चुन सकता है।
- **रद्द करने की प्रक्रिया:** अवयस्क, वयस्क होने के एक वर्ष के भीतर या यदि वह उस समय तक अवयस्क था तो वयस्क होने के बाद, विवाह को रद्द करने के लिए न्यायालय में याचिका दायर कर सकता है।
- **अन्य स्थितियाँ:** यदि विवाह अवयस्क द्वारा किया गया है, तो वह वयस्क होने पर उसे रद्द कर सकता है। यदि विवाह अभिभावक की सहमति से किया गया है, तो भी अवयस्क को इसे रद्द करने का अधिकार है।

विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण

आइए दिए गए विकल्पों पर विचार करें:

- **सभी मामलों में प्रभावहीन:** यह पूरी तरह सही नहीं है। अधिनियम के अनुसार, बाल विवाह शून्य (void) नहीं, बल्कि विवर्जनीय (voidable) होता है।
- **विवर्जनीय अर्थात् अवयस्क, वयस्क होने पर इसे रद्द कर सकता है:** यह प्रावधान बाल-विवाह निषेध अधिनियम, 2006 की धारा 3 के अनुरूप है, जो बाल विवाह को अवयस्क के वयस्क होने पर रद्द करने का अधिकार देता है।
- **यदि पंजीकृत है तो विधिवत माना जायेगा:** अधिनियम में बाल विवाह के पंजीकरण को उसकी वैधता का आधार नहीं माना गया है।
- **मान्य परन्तु दंडनीय:** बाल विवाह को मान्य नहीं माना जाता है, बल्कि उसे विवर्जनीय माना जाता है, और इसके लिए दंड का भी प्रावधान है, लेकिन विवाह स्वयं 'मान्य' नहीं है।

अतः, बाल-विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के अनुसार, बाल विवाह को एक ऐसे विवाह के रूप में देखा जाता है जिसे अवयस्क वयस्क होने पर रद्द कर सकता है।

10. Answer: d

Explanation:

हॉकी टीम के जीते खेलों का अनुपात ज्ञात करना

समस्या को समझना

यह प्रश्न एक हॉकी टीम के प्रदर्शन के बारे में है। हमें बताया गया है कि टीम ने कितने खेल जीते और कितने हारे। हमें जीते गए खेलों का कुल खेले गए खेलों के साथ अनुपात (ratio) पता करना है।

दी गई जानकारी

- जीते गए खेल = 6
- हारे गए खेल = 8

कुल खेले गए खेलों की गणना

अनुपात निकालने के लिए, हमें सबसे पहले टीम द्वारा खेले गए कुल खेलों की संख्या का पता लगाना होगा। कुल खेल वे खेल हैं जो जीते गए या हारे गए।

$$\text{कुल खेले गए खेल} = (\text{जीते गए खेल}) + (\text{हारे गए खेल})$$

सूत्र का उपयोग करते हुए:

$$\text{कुल खेले गए खेल} = 6 + 8$$

$$\text{कुल खेले गए खेल} = 14$$

जीते गए खेलों का अनुपात

अब हम जीते गए खेलों की संख्या का कुल खेले गए खेलों की संख्या से अनुपात ज्ञात कर सकते हैं। अनुपात को भिन्न (fraction) के रूप में दर्शाया जाता है, जहाँ अंश (numerator) जीते गए खेल हैं और हर (denominator) कुल खेले गए खेल हैं।

$$\text{अनुपात} = \frac{\text{जीते गए खेल}}{\text{कुल खेले गए खेल}}$$

मान रखने पर:

$$\text{अनुपात} = \frac{6}{14}$$

अनुपात को सरल करना

गणित में, अनुपातों को अक्सर उनके सरलतम रूप में व्यक्त किया जाता है। $\frac{6}{14}$ को सरल करने के लिए, हम अंश और हर दोनों को उनके सबसे बड़े सामान्य भाजक (GCD) से विभाजित करेंगे। 6 और 14 दोनों 2 से विभाज्य हैं।

$$\text{GCD}(6, 14) = 2$$

$$\text{सरल अनुपात} = \frac{6 \div 2}{14 \div 2}$$

$$\text{सरल अनुपात} = \frac{3}{7}$$

निष्कर्ष

इसलिए, हॉकी टीम के जीते गए खेलों का कुल खेले गए खेलों से अनुपात $\frac{3}{7}$ है।

11. Answer: d

Explanation:

बीकानेर शहर की स्थापना का इतिहास

बीकानेर शहर की स्थापना का श्रेय राठौड़ राजपूत शासक **राव बीका** को जाता है। उन्होंने इस शहर की नींव आज से लगभग पांच शताब्दियों से भी अधिक समय पहले, वर्ष 1488 ईस्वी में रखी थी।

संस्थापक और स्थापना का कारण

राव बीका, जोधपुर के संस्थापक राव जोधा के पांचवें पुत्र थे। अपने पिता के साथ हुए कुछ मतभेदों के कारण, राव बीका ने अपनी एक अलग रियासत स्थापित करने का निर्णय लिया। उन्होंने जांगल प्रदेश (वर्तमान बीकानेर क्षेत्र) को अपनी राजधानी बनाने के लिए चुना।

- **स्थान का चुनाव:** यह क्षेत्र रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण था और रेगिस्तानी इलाके में होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से भी बेहतर था।
- **शहरी विकास:** राव बीका ने सबसे पहले कोडमदेसर नामक स्थान पर एक किला बनवाया, जिसे बाद में उन्होंने शहर के वर्तमान स्थल पर स्थानांतरित कर दिया और एक नया किला बनवाया। इसी किले के आसपास धीरे-धीरे बीकानेर शहर का विकास हुआ।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण

प्रश्न में दिए गए अन्य नाम भी महत्वपूर्ण ऐतिहासिक शासक थे, लेकिन उनका बीकानेर शहर की स्थापना से सीधा संबंध नहीं है:

- **राव जोधा:** ये मारवाड़ के एक शक्तिशाली शासक थे और इन्होंने ही जोधपुर शहर की स्थापना की थी। राव बीका इन्हीं के पुत्र थे।
- **राव मालदेव:** ये भी मारवाड़ के एक प्रतापी शासक थे, जिन्होंने राव जोधा के काफी बाद शासन किया।
- **राव गंगा:** ये राव मालदेव के पिता थे और मारवाड़ के शासक रहे।

इसलिए, बीकानेर शहर की स्थापना का श्रेय पूरी तरह से **राव बीका** को ही जाता है।

12. Answer: c

Explanation:

ऑनलाइन सुरक्षित रहने के तरीके

आज के डिजिटल युग में, इंटरनेट का उपयोग करते समय ऑनलाइन सुरक्षित रहना बहुत महत्वपूर्ण है। ऑनलाइन कई खतरे मौजूद हैं, जैसे कि हैकिंग, फ़िशिंग और व्यक्तिगत जानकारी की चोरी। यह समझना ज़रूरी है कि इन खतरों से कैसे बचा जाए।

गलत तरीके क्यों हैं असुरक्षित?

- **पासवर्ड शेयर करना:** अपने पासवर्ड दूसरों के साथ साझा करना आपके खातों को अनधिकृत पहुँच के लिए खोल देता है, जिससे आपकी व्यक्तिगत जानकारी और वित्तीय डेटा जोखिम में पड़ सकता है।
- **अज्ञात लिंक पर क्लिक करना:** अज्ञात या संदिग्ध स्रोतों से आए लिंक पर क्लिक करने से मैलवेयर (जैसे वायरस या स्पाइवेयर) इंस्टॉल हो सकते हैं या आपको फ़िशिंग वेबसाइटों पर ले जाया जा सकता है, जहाँ आपकी संवेदनशील जानकारी चुराई जा सकती है।
- **सभी ईमेल संलग्नक खोलना:** ईमेल में आए सभी अनजाने अटैचमेंट को खोलने से भी मैलवेयर फैल सकता है। यह आपके डिवाइस को संक्रमित कर सकता है और आपकी फ़ाइलों को नुकसान पहुँचा सकता है।

सही तरीका: स्ट्रॉन्ग पासवर्ड और निजी सूचना की सुरक्षा

ऑनलाइन सुरक्षित रहने का सबसे प्रभावी तरीका है:

- **स्ट्रॉन्ग पासवर्ड का उपयोग:** एक मजबूत पासवर्ड में अक्षरों (बड़े और छोटे), संख्याओं और प्रतीकों का मिश्रण होना चाहिए। इसे अनुमान लगाना मुश्किल होता है। हर महत्वपूर्ण खाते के लिए एक अलग और मजबूत पासवर्ड का उपयोग करें।
- **निजी सूचना को शेयर नहीं करना:** अपनी व्यक्तिगत जानकारी, जैसे कि आपका पूरा नाम, पता, फ़ोन नंबर, बैंक खाता विवरण, या क्रेडिट कार्ड नंबर, केवल विश्वसनीय और सुरक्षित वेबसाइटों पर ही साझा करें। सोशल मीडिया पर भी इसे सीमित रखें।

इन दो मुख्य अभ्यासों को अपनाकर, आप ऑनलाइन धोखाधड़ी और हैकिंग के जोखिम को काफी कम कर सकते हैं और अपनी डिजिटल उपस्थिति को सुरक्षित रख सकते हैं।

13. Answer: c

Explanation:

राजस्थान में ब्रिटिश सर्वोच्चता और 1818 की संधि

यह प्रश्न राजस्थान की रियासतों और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच हुए संधियों के प्रभाव के बारे में है, विशेष रूप से उस संधि के बारे में जिसने ब्रिटिश शासन की सर्वोच्चता स्थापित की।

संधियों का विश्लेषण

19वीं सदी की शुरुआत में, ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारतीय उपमहाद्वीप में अपने राजनीतिक और सैन्य प्रभाव का विस्तार करना जारी रखा। राजस्थान (तत्कालीन राजपूताना) के शासकों के साथ कंपनी के संबंधों को मुख्य रूप से संधियों के माध्यम से परिभाषित किया गया था। इन संधियों का उद्देश्य ब्रिटिश आधिपत्य स्थापित करना और कंपनी के हितों की रक्षा करना था।

1818 की संधियों का महत्व

वर्ष 1818 राजस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ था। इस वर्ष के दौरान, ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने राजस्थान की लगभग सभी प्रमुख रियासतों के साथ एक के बाद एक संधियाँ संपन्न कीं। इन संधियों को सामूहिक रूप से ब्रिटिश सर्वोच्चता की स्थापना के रूप में देखा जाता है।

- ये संधियाँ मुख्य रूप से 'सहायक संधि' प्रणाली पर आधारित थीं।
- संधियों के तहत, राजस्थानी रियासतों ने ब्रिटिश कंपनी को अपनी 'सर्वोच्च शक्ति' के रूप में स्वीकार किया।

- रियासतों ने बाहरी आक्रमणों से सुरक्षा के बदले ब्रिटिश सेनाओं को बनाए रखने और उनके रखरखाव के लिए वार्षिक 'सब्सीडी' (Thek) का भुगतान करने पर सहमति व्यक्त की।
- इसके अतिरिक्त, रियासतों ने अपनी विदेश नीति ब्रिटिश नियंत्रण में सौंप दी और कंपनी की अनुमति के बिना अन्य शक्तियों के साथ युद्ध या शांति स्थापित करने से इनकार कर दिया।
- कुछ संधियों में आंतरिक मामलों में भी ब्रिटिश हस्तक्षेप की गुंजाइश थी।

इन शर्तों ने राजस्थान की रियासतों की स्वतंत्रता को काफी हद तक समाप्त कर दिया और उन्हें ब्रिटिश साम्राज्य के अधीन ला दिया, जिससे ब्रिटिश सर्वोच्चता की शुरुआत हुई।

अन्य संधियों का संदर्भ

आइए देखें कि अन्य विकल्प इस संदर्भ में क्यों कम प्रासंगिक हैं:

- **सालबाई संधि (1782):** यह प्रथम आंग्ल-मराठा युद्ध को समाप्त करने वाली एक महत्वपूर्ण संधि थी। इसने भारत में ब्रिटिश प्रभाव को मजबूत किया, लेकिन विशेष रूप से राजस्थान में ब्रिटिश सर्वोच्चता की शुरुआत का प्रतिनिधित्व नहीं करती है।
- **अमृतसर की संधि (1809):** यह संधि मुख्य रूप से सिख साम्राज्य के महाराजा रणजीत सिंह और ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच सतलुज नदी को लेकर सीमा निर्धारण के बारे में थी। इसका सीधा संबंध राजस्थान में ब्रिटिश सर्वोच्चता की स्थापना से नहीं था।
- **सूरजी-आंजनगांव की संधि (1803):** इस संधि ने द्वितीय आंग्ल-मराठा युद्ध के दौरान मराठा शासक सिंधिया के साथ समझौता किया और ब्रिटिशों को महत्वपूर्ण क्षेत्र प्राप्त हुए। इसने ब्रिटिश शक्ति को बढ़ाया, लेकिन यह वह संधि नहीं है जिसे राजस्थान में ब्रिटिश सर्वोच्चता की शुरुआत का मुख्य बिंदु माना जाता है।

इसलिए, 1818 के आसपास हुई संधियों की श्रृंखला ने राजस्थान की रियासतों पर ब्रिटिश शासन की सर्वोच्चता को औपचारिक रूप दिया।

14. Answer: b

Explanation:

राजस्थान: सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला जिला

जनसंख्या घनत्व किसी क्षेत्र में रहने वाले लोगों की संख्या का माप है, जिसे उस क्षेत्र के कुल क्षेत्रफल से विभाजित किया जाता है। यह बताता है कि प्रति वर्ग किलोमीटर में औसतन कितने लोग निवास करते हैं।

जनसंख्या घनत्व की गणना का सूत्र इस प्रकार है:

$$\text{जनसंख्या घनत्व} = \frac{\text{जनसंख्या}}{\text{क्षेत्रफल}}$$

राजस्थान, भारत का सबसे बड़ा राज्य होने के नाते, क्षेत्रफल और जनसंख्या में काफी विविधता प्रदर्शित करता है। नतीजतन, इसके जिलों के बीच जनसंख्या घनत्व में भी बड़ा अंतर पाया जाता है।

जैसलमेर: न्यूनतम जनसंख्या घनत्व का विश्लेषण

प्रश्न में पूछे गए विकल्पों पर विचार करते हुए, राजस्थान में सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला जिला **जैसलमेर** है। यद्यपि प्रश्न में 'शहर' का उल्लेख है, जनसंख्या घनत्व आमतौर पर जिला स्तर पर मापा जाता है, और जैसलमेर जिला इस मानक में सबसे पीछे है।

जैसलमेर के न्यूनतम जनसंख्या घनत्व के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं:

- **विशाल भौगोलिक क्षेत्र:** जैसलमेर राजस्थान का सबसे बड़ा जिला है, जिसका क्षेत्रफल लगभग 38,401 वर्ग किलोमीटर है। यह राज्य के कुल क्षेत्रफल का लगभग 11.22% हिस्सा कवर करता है।
- **कम जनसंख्या:** इतने बड़े क्षेत्रफल के बावजूद, जैसलमेर की कुल जनसंख्या अपेक्षाकृत कम है। 2011 की जनगणना के अनुसार, इसकी जनसंख्या लगभग 6.7 लाख थी।
- **रेगिस्तानी भूगोल:** जिले का अधिकांश भाग थार रेगिस्तान में स्थित है। शुष्क जलवायु, पानी की कमी और कठोर भौगोलिक परिस्थितियाँ बड़े पैमाने पर बसावट और सघन कृषि के लिए अनुकूल नहीं हैं।

इन संयुक्त कारकों के परिणामस्वरूप, जैसलमेर में प्रति वर्ग किलोमीटर निवास करने वाले लोगों की संख्या सबसे कम है। 2011 की जनगणना के अनुसार, जैसलमेर का जनसंख्या घनत्व लगभग 65 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर दर्ज किया गया था, जो कि राजस्थान के औसत जनसंख्या घनत्व (लगभग 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर) से काफी कम है।

अन्य विकल्प जैसे बीकानेर और बाड़मेर का क्षेत्रफल भी अधिक है और उनका जनसंख्या घनत्व भी तुलनात्मक रूप से कम है, परन्तु जैसलमेर सबसे कम है। डूंगरपुर जैसे जिलों का क्षेत्रफल कम होने के कारण उनका जनसंख्या घनत्व अधिक है।

15. Answer: c

Explanation:

राजस्थान का वह किला जिसे मुगल या अंग्रेज़ कभी नहीं जीत पाये

राजस्थान अपने ऐतिहासिक किलों के लिए विश्व प्रसिद्ध है। ये किले न केवल वास्तुकला के अद्भुत नमूने हैं, बल्कि वीरता और प्रतिरोध के प्रतीक भी हैं। कई शासकों ने इन किलों पर कब्ज़ा करने की कोशिश की, लेकिन कुछ किले ऐसे भी हैं जो बाहरी आक्रमणकारियों, विशेषकर मुगलों और अंग्रेजों के लिए हमेशा एक चुनौती बने रहे।

विकल्पों का विश्लेषण

प्रश्न पूछता है कि राजस्थान का वह कौन सा किला है जिसे मुगल या अंग्रेज़ कभी जीत नहीं पाए। आइए दिए गए विकल्पों पर विचार करें:

- **रणथम्भौर किला:** इस किले का एक लंबा और ऐतिहासिक युद्ध का इतिहास रहा है। इसे 1301 में अलाउद्दीन खिलजी द्वारा जीत लिया गया था, इसलिए यह सही उत्तर नहीं है।
- **कुम्भलगढ़ किला:** यह किला अपनी विशाल प्राचीर के लिए जाना जाता है। हालांकि यह बहुत मजबूत था, लेकिन यह पूरी तरह से अभेद्य नहीं रहा और विभिन्न शक्तियों द्वारा इसे चुनौती दी गई थी।
- **जैसलमेर किला:** यह किला, जिसे 'सोनार किला' भी कहा जाता है, पीले बलुआ पत्थर से बना है और शहर के बीचों-बीच स्थित है। अपनी रणनीतिक भौगोलिक स्थिति, ऊंचाई और मजबूत बनावट के कारण, यह किला कभी भी किसी बाहरी शक्तियों, जिनमें मुगल और ब्रिटिश भी शामिल थे, द्वारा सीधे तौर पर जीता नहीं गया। हालांकि इस पर कुछ हमले हुए, लेकिन किले पर स्थायी कब्ज़ा नहीं हो सका।
- **चित्तौड़गढ़ किला:** यह राजस्थान के सबसे बड़े किलों में से एक है और इसका इतिहास कई युद्धों और घेराबंदी से जुड़ा है। इसे 1303 में अलाउद्दीन खिलजी और बाद में 1567 में मुगल सम्राट अकबर ने जीत लिया था।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि जैसलमेर का किला ही वह किला है जिसे न तो मुगल और न ही ब्रिटिश कभी अपने अधीन करने में सफल हुए। इसकी अभेद्यता ने इसे राजस्थान के इतिहास में एक अद्वितीय स्थान दिलाया है।

16. Answer: c

Explanation:

सिक्कों की संख्या की गणना

इस प्रश्न में, हमें रंजीत के पास मौजूद 1 रुपये, 5 रुपये, और 10 रुपये के सिक्कों की कुल संख्या ज्ञात करनी है। हमें यह भी दिया गया है कि प्रत्येक मूल्य वर्ग के सिक्कों की संख्या बराबर है और सभी सिक्कों का कुल मूल्य 480 रुपये है।

समझना कि प्रत्येक प्रकार के कितने सिक्के हैं

मान लीजिए कि रंजीत के पास प्रत्येक मूल्य वर्ग (1 रुपये, 5 रुपये, 10 रुपये) के 'x' सिक्के हैं।

- 1 रुपये के सिक्कों की संख्या = x
- 5 रुपये के सिक्कों की संख्या = x
- 10 रुपये के सिक्कों की संख्या = x

कुल मूल्य की गणना

अब, हम प्रत्येक मूल्य वर्ग के सिक्कों से प्राप्त कुल मूल्य की गणना करते हैं:

- 1 रुपये के सिक्कों से कुल मूल्य = $1 \times x = x$ रुपये
- 5 रुपये के सिक्कों से कुल मूल्य = $5 \times x = 5x$ रुपये
- 10 रुपये के सिक्कों से कुल मूल्य = $10 \times x = 10x$ रुपये

सभी सिक्कों का कुल मूल्य इन सभी मूल्यों का योग है, जो हमें 480 रुपये दिया गया है:

कुल मूल्य = (1 रुपये के सिक्कों का मूल्य) + (5 रुपये के सिक्कों का मूल्य) + (10 रुपये के सिक्कों का मूल्य)

$$x + 5x + 10x = 480$$

'x' का मान निकालना

समीकरण को सरल बनाने पर:

$$16x = 480$$

अब, 'x' का मान ज्ञात करने के लिए 480 को 16 से विभाजित करें:

$$x = \frac{480}{16} \quad x = 30$$

इसका मतलब है कि रंजीत के पास 1 रुपये, 5 रुपये और 10 रुपये के 30-30 सिक्के हैं।

सिक्कों की कुल संख्या ज्ञात करना

प्रश्न में कुल सिक्कों की संख्या पूछी गई है। चूँकि प्रत्येक प्रकार के 30 सिक्के हैं, तो कुल सिक्कों की संख्या होगी:

कुल सिक्के = (1 रुपये के सिक्कों की संख्या) + (5 रुपये के सिक्कों की संख्या) + (10 रुपये के सिक्कों की संख्या)

$$\text{कुल सिक्के} = x + x + x = 3x$$

x का मान (30) रखने पर:

$$\text{कुल सिक्के} = 3 \times 30 = 90$$

इसलिए, रंजीत के पास कुल 90 सिक्के हैं।

17. Answer: d

Explanation:

ICDS योजना का संचालन: महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की भूमिका

एकीकृत बाल विकास सेवा (Integrated Child Development Services - ICDS) योजना भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य शून्य से छह वर्ष की आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं के स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना है।

सही मंत्रालय की पहचान

इस महत्वपूर्ण योजना के संचालन की जिम्मेदारी भारत सरकार के **महिला एवं बाल विकास मंत्रालय** (Ministry of Women and Child Development) की है। यह मंत्रालय सुनिश्चित करता है कि ICDS के तहत विभिन्न सेवाएं, जैसे पूरक पोषण, टीकाकरण, स्वास्थ्य जांच, स्कूल-पूर्व अनौपचारिक शिक्षा, और पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा, लक्षित लाभार्थियों तक प्रभावी ढंग से पहुँचें।

अन्य मंत्रालयों की भूमिका

आइए देखें कि अन्य विकल्प इस योजना के लिए क्यों उपयुक्त नहीं हैं:

- **शिक्षा मंत्रालय:** हालांकि ICDS में स्कूल-पूर्व शिक्षा शामिल है, मंत्रालय का मुख्य कार्य स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा का प्रबंधन है, न कि समग्र बाल विकास सेवाओं का।
- **वित्त मंत्रालय:** यह मंत्रालय देश के बजट और वित्तीय प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है। यह विभिन्न योजनाओं के लिए धन आवंटित कर सकता है, लेकिन ICDS का सीधा संचालन इसके दायरे में नहीं आता है।
- **ग्रामीण विकास मंत्रालय:** यह मंत्रालय ग्रामीण क्षेत्रों में विकास से संबंधित है, लेकिन इसका ध्यान मुख्य रूप से आजीविका, बुनियादी ढांचे और गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों पर होता है, न कि सीधे तौर पर स्वास्थ्य और पोषण सेवाओं पर जो ICDS का केंद्र है।

इसलिए, ICDS योजना का सफल संचालन **महिला एवं बाल विकास मंत्रालय** द्वारा किया जाता है, जो इसे बच्चों और महिलाओं के कल्याण के लिए समर्पित नोडल एजेंसी बनाता है।

18. Answer: b

Explanation:

सर्च इंजन का मुख्य उपयोग

सर्च इंजन, जैसे गूगल (Google), बिंग (Bing), या डकडकगो (DuckDuckGo), इंटरनेट पर जानकारी खोजने के लिए डिज़ाइन किए गए शक्तिशाली उपकरण हैं। इनका मुख्य उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को उनकी ज़रूरतों के अनुसार वेब पेजों, छवियों, वीडियो और अन्य ऑनलाइन सामग्री को शीघ्रता से ढूँढने में मदद करना है।

विकल्पों का विश्लेषण

आइए प्रश्न में दिए गए विकल्पों पर एक नज़र डालते हैं और समझते हैं कि सर्च इंजन का सही उपयोग क्या है:

- **मेल भेजना:** मेल भेजने के लिए ईमेल क्लाइंट (जैसे जीमेल, आउटलुक) या वेबमेल सेवाओं का उपयोग किया जाता है, सर्च इंजन का नहीं।

- **इंटरनेट पर सूचना खोजना:** यह सर्च इंजन का प्राथमिक कार्य है। आप किसी भी विषय के बारे में जानकारी चाहते हैं, उसे सर्च इंजन में टाइप करते हैं, और वह आपको संबंधित वेब पेजों के लिंक दिखाता है।
- **तस्वीर खींचना:** तस्वीरें खींचने के लिए कैमरा या स्मार्टफोन के कैमरा ऐप का उपयोग होता है। सर्च इंजन का इससे कोई संबंध नहीं है।
- **संगीत सुनना:** संगीत सुनने के लिए म्यूजिक प्लेयर ऐप या स्ट्रीमिंग सेवाओं (जैसे स्पाटिफाई, यूट्यूब म्यूजिक) का उपयोग किया जाता है। सर्च इंजन सीधे तौर पर संगीत सुनने का उपकरण नहीं है, हालाँकि आप संगीत खोजने के लिए इसका उपयोग कर सकते हैं।

सही उपयोग की पुष्टि

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि सर्च इंजन का सबसे महत्वपूर्ण और सीधा उपयोग **इंटरनेट पर सूचना खोजना** है। जब आप कुछ जानना चाहते हैं, सीखना चाहते हैं, या किसी उत्पाद/सेवा के बारे में शोध करना चाहते हैं, तो आप सर्च इंजन का उपयोग करके आवश्यक जानकारी तक पहुँच सकते हैं।

19. Answer: d

Explanation:

1 बाइट में बिट्स की संख्या

कंप्यूटर विज्ञान में, डेटा को मापने के लिए विभिन्न इकाइयों का उपयोग किया जाता है। इनमें सबसे छोटी इकाई 'बिट' (Bit) है, और 'बाइट' (Byte) आठ बिट्स का एक समूह होता है।

बिट और बाइट की परिभाषा

- **बिट (Bit):** यह कंप्यूटर में डेटा की सबसे छोटी इकाई है। इसका मान या तो 0 हो सकता है या 1।
- **बाइट (Byte):** यह 8 बिट्स का एक समूह होता है। कंप्यूटर में डेटा को स्टोर करने और संसाधित करने के लिए बाइट का उपयोग एक मानक इकाई के रूप में किया जाता है।

रूपांतरण (Conversion)

बिट और बाइट के बीच संबंध निश्चित है:

1 ॐ = 8 ॐ

प्रश्न का विश्लेषण

प्रश्न पूछता है कि 1 बाईट में कितने बिट्स होते हैं। उपरोक्त परिभाषा और रूपांतरण के अनुसार:

- विकल्प 1: 2 बिट्स - यह गलत है।
- विकल्प 2: 4 बिट्स - यह गलत है।
- विकल्प 3: 24 बिट्स - यह गलत है।
- विकल्प 4: 8 बिट्स - यह सही है।

इसलिए, 1 बाईट में 8 बिट्स होते हैं।

20. Answer: a

Explanation:

The solution will be uploaded soon

21. Answer: c

Explanation:

राजस्थान में जिला परिषद का प्रमुख

राजस्थान में, पंचायत राज व्यवस्था ग्रामीण स्थानीय स्वशासन की एक त्रि-स्तरीय संरचना है। इसमें ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, खंड (ब्लॉक) स्तर पर पंचायत समिति और जिला स्तर पर जिला परिषद शामिल हैं। यह व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्रों में स्वशासन को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है।

जिला परिषद: संरचना और प्रमुख का पद

जिला परिषद, जिले स्तर पर पंचायत राज व्यवस्था की सर्वोच्च संस्था होती है। इसका मुख्य कार्य जिले के विकास संबंधी कार्यों का नियोजन, समन्वय और पर्यवेक्षण करना है।

जिला परिषद के निर्वाचित सदस्यों में से ही एक प्रमुख का चुनाव किया जाता है। इस प्रमुख को 'जिला प्रमुख' कहा जाता है। जिला प्रमुख, जिला परिषद की बैठकों की अध्यक्षता करता है और परिषद के सुचारु संचालन की जिम्मेदारी निभाता है।

दिए गए विकल्पों का विश्लेषण

आइए प्रश्न के संदर्भ में दिए गए विकल्पों की जांच करें:

- **प्रधान:** प्रधान, पंचायत समिति (दूसरे स्तर की संस्था) का मुखिया होता है, न कि जिला परिषद का।
- **जिला कलेक्टर:** जिला कलेक्टर सरकार द्वारा नियुक्त एक प्रशासनिक अधिकारी होता है। वह जिले का प्रशासनिक प्रमुख होता है, लेकिन पंचायत राज संस्था, विशेषकर जिला परिषद का निर्वाचित प्रमुख नहीं होता है।
- **जिला प्रमुख:** यह पद जिला परिषद के मुखिया को दर्शाता है। जिला प्रमुख, जिला परिषद का निर्वाचित अध्यक्ष होता है और वही परिषद का प्रमुख होता है।
- **जिला विकास अधिकारी:** जिला विकास अधिकारी (मुख्य कार्यपालक अधिकारी, जिला परिषद) जिला परिषद का प्रशासनिक मुखिया होता है, जो सरकार द्वारा नियुक्त होता है। यह निर्वाचित प्रमुख का पद नहीं है।

इस प्रकार, यह स्पष्ट है कि राजस्थान में पंचायत राज व्यवस्था के तहत 'जिला परिषद' का प्रमुख **जिला प्रमुख** होता है।

22. Answer: d

Explanation:

इन्फ्लूएन्जा रोग का कारक समझना

इन्फ्लूएन्जा, जिसे आमतौर पर फ्लू के नाम से जाना जाता है, एक संक्रामक श्वसन संबंधी बीमारी है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि कौन से सूक्ष्मजीव इस रोग का कारण बनते हैं। प्रश्न पूछता है कि दिए गए विकल्पों में से कौन सा कारक इन्फ्लूएन्जा रोग उत्पन्न करता है।

रोग कारक: जीवाणु (Bacteria)

जीवाणु एकल-कोशिका वाले सूक्ष्मजीव होते हैं। हालांकि कुछ जीवाणु रोग पैदा कर सकते हैं (जैसे निमोनिया या गले में खराश के कुछ प्रकार), इन्फ्लूएन्जा का मुख्य कारण जीवाणु नहीं हैं। इन्फ्लूएन्जा

के लक्षण जीवाणु संक्रमण से भिन्न होते हैं।

रोग कारक: कवक (Fungi)

कवक (जैसे यीस्ट और फफूंद) सूक्ष्मजीवों का एक अलग समूह हैं। वे मनुष्यों में विभिन्न प्रकार के संक्रमण पैदा कर सकते हैं, जैसे त्वचा संक्रमण या श्वसन संबंधी समस्याएं (जैसे एस्पेरगिलोसिस), लेकिन वे इन्फ्लूएन्जा रोग का कारण नहीं बनते हैं।

रोग कारक: प्रोटोजोअन (Protozoan)

प्रोटोजोअन एकल-कोशिका वाले जीव होते हैं जो जानवरों की तरह व्यवहार कर सकते हैं। कुछ प्रोटोजोअन रोगजनक होते हैं और मलेरिया या अमीबियासिस जैसी बीमारियाँ पैदा करते हैं। हालांकि, वे इन्फ्लूएन्जा जैसे श्वसन संबंधी संक्रमण का कारण नहीं बनते हैं।

रोग कारक: विषाणु (Virus)

विषाणु अत्यंत सूक्ष्म संक्रामक एजेंट होते हैं जो जीवित कोशिकाओं के बाहर प्रतिकृति नहीं बना सकते। इन्फ्लूएन्जा रोग विशेष रूप से इन्फ्लूएन्जा वायरस (Orthomyxoviridae परिवार के) के कारण होता है। ये वायरस श्वसन पथ की कोशिकाओं को संक्रमित करते हैं, जिससे इन्फ्लूएन्जा के विशिष्ट लक्षण जैसे तेज बुखार, खांसी, गले में खराश, मांसपेशियों में दर्द और थकान होती है। इसलिए, विषाणु इन्फ्लूएन्जा रोग का सही कारक हैं।

निष्कर्ष

दिए गए विकल्पों में से, केवल **विषाणु (Virus)** ही इन्फ्लूएन्जा रोग उत्पन्न करने के लिए जिम्मेदार है।

23. Answer: a

Explanation:

सोयाबीन की खेती: राजस्थान के प्रमुख क्षेत्र

यह प्रश्न राजस्थान में सोयाबीन की फसल के लिए सबसे उपयुक्त क्षेत्र के बारे में पूछता है। सोयाबीन एक महत्वपूर्ण दलहन और तिलहन फसल है, जिसकी खेती किसानों के लिए आर्थिक रूप से

लाभदायक हो सकती है। राजस्थान के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में अलग-अलग फसलें उगाई जाती हैं, और सोयाबीन के लिए विशेष जलवायु और मिट्टी की आवश्यकता होती है।

क्षेत्रों का विश्लेषण

आइए राजस्थान के दिए गए क्षेत्रों और सोयाबीन की खेती के संबंध में उनकी उपयुक्तता को समझें:

- **हाड़ौती क्षेत्र:** इस क्षेत्र में कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ जैसे जिले शामिल हैं। यहाँ की जलवायु और मिट्टी, विशेष रूप से काली मिट्टी (कपास मिट्टी), सोयाबीन की खेती के लिए बहुत अनुकूल मानी जाती है। यहाँ औसत वर्षा भी अपेक्षाकृत अधिक होती है, जो सोयाबीन की अच्छी पैदावार के लिए सहायक है।
- **मेवाड़ क्षेत्र:** इसमें उदयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा आदि जिले आते हैं। यह क्षेत्र मुख्य रूप से अपनी पर्यटन क्षमता और कुछ हद तक कृषि के लिए जाना जाता है, लेकिन सोयाबीन की प्रमुख खेती के लिए यह सबसे उपयुक्त क्षेत्र नहीं है।
- **मारवाड़ क्षेत्र:** इस क्षेत्र में जोधपुर, पाली, बाड़मेर, जालौर आदि जिले शामिल हैं। यह एक शुष्क और अर्ध-शुष्क क्षेत्र है जहाँ पानी की कमी रहती है, इसलिए यह सोयाबीन जैसी फसल के लिए आदर्श नहीं है। यहाँ मुख्य रूप से बाजरा, मूंग और मोठ जैसी सूखा-प्रतिरोधी फसलें उगाई जाती हैं।
- **शेखावाटी क्षेत्र:** सीकर, झुंझुनू और चूरु जैसे जिलों वाला यह क्षेत्र भी अर्ध-शुष्क जलवायु वाला है। यहाँ मुख्य रूप से बाजरा, चना और सरसों जैसी फसलें उगाई जाती हैं।

प्रमुख सोयाबीन उत्पादक क्षेत्र

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि राजस्थान में **हाड़ौती** क्षेत्र सोयाबीन की खेती के लिए सबसे प्रमुख और उपयुक्त क्षेत्र है। इस क्षेत्र के जिलों में सोयाबीन का उत्पादन बड़े पैमाने पर किया जाता है, क्योंकि यहाँ की भौगोलिक और जलवायु परिस्थितियाँ इस फसल के विकास के लिए सर्वोत्तम हैं।

इसलिए, राजस्थान में सोयाबीन की खेती प्रमुख रूप से हाड़ौती क्षेत्र में की जाती है।

24. Answer: a

Explanation:

11 से विभाज्यता का नियम समझें

किसी संख्या के 11 से विभाज्य होने की जाँच करने के लिए, हम एक सरल नियम का उपयोग करते हैं। इस नियम के अनुसार, यदि किसी संख्या के **विषम स्थानों पर स्थित अंकों का योग** (दाईं ओर से गिनने पर) और **सम स्थानों पर स्थित अंकों का योग** (दाईं ओर से गिनने पर) का अंतर 0 हो या 11 का कोई गुणज (जैसे 11, 22, 33, आदि) हो, तो वह संख्या 11 से पूरी तरह विभाज्य होती है।

विकल्पों का विश्लेषण

आइए दिए गए प्रत्येक विकल्प पर 11 से विभाज्यता के नियम को लागू करें:

विकल्प 1: 675983

- दाईं ओर से विषम स्थानों के अंक: 3, 9, 7
- विषम स्थानों के अंकों का योग: $3 + 9 + 7 = 19$
- दाईं ओर से सम स्थानों के अंक: 8, 5, 6
- सम स्थानों के अंकों का योग: $8 + 5 + 6 = 19$
- अंतर: $19 - 19 = 0$

चूंकि अंकों के योग का अंतर 0 है, इसलिए संख्या **675983**, 11 से विभाज्य है।

विकल्प 2: 85692

- दाईं ओर से विषम स्थानों के अंक: 2, 6, 8
- विषम स्थानों के अंकों का योग: $2 + 6 + 8 = 16$
- दाईं ओर से सम स्थानों के अंक: 9, 5
- सम स्थानों के अंकों का योग: $9 + 5 = 14$
- अंतर: $16 - 14 = 2$

चूंकि अंतर 2 है, जो 0 या 11 का गुणज नहीं है, इसलिए संख्या 85692, 11 से विभाज्य नहीं है।

विकल्प 3: 6661224

- दाईं ओर से विषम स्थानों के अंक: 4, 2, 1, 6
- विषम स्थानों के अंकों का योग: $4 + 2 + 1 + 6 = 13$
- दाईं ओर से सम स्थानों के अंक: 2, 6, 6
- सम स्थानों के अंकों का योग: $2 + 6 + 6 = 14$
- अंतर: $13 - 14 = -1$

चूंकि अंतर -1 है, जो 0 या 11 का गुणज नहीं है, इसलिए संख्या 6661224, 11 से विभाज्य नहीं है।

विकल्प 4: 9696

- दाईं ओर से विषम स्थानों के अंक: 6, 6
- विषम स्थानों के अंकों का योग: $6 + 6 = 12$
- दाईं ओर से सम स्थानों के अंक: 9, 9
- सम स्थानों के अंकों का योग: $9 + 9 = 18$
- अंतर: $12 - 18 = -6$

चूंकि अंतर -6 है, जो 0 या 11 का गुणज नहीं है, इसलिए संख्या 9696, 11 से विभाज्य नहीं है।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, केवल संख्या **675983** ही 11 से विभाज्य है क्योंकि इसके विषम और सम स्थानों के अंकों के योग का अंतर 0 है।

25. Answer: b

Explanation:

सादृश्य प्रश्न का विश्लेषण

यह प्रश्न एक सादृश्य (analogy) पर आधारित है। सादृश्य प्रश्नों में, हमें दिए गए दो शब्दों के बीच के संबंध को पहचानना होता है और फिर उसी संबंध का उपयोग करके एक खाली स्थान को भरना होता है।

प्रश्न है: अंगुली : हाथ :: _____ : फूल

पहला संबंध समझना: अंगुली और हाथ

पहले युग्म में अंगुली और हाथ दिए गए हैं। यहाँ मुख्य संबंध यह है कि 'अंगुली' हाथ का एक भाग (part) होती है। कई अंगुलियाँ मिलकर एक हाथ बनाती हैं। यह एक 'भाग से संपूर्ण' (part-to-whole) का संबंध है।

दूसरा संबंध लागू करना: _____ और फूल

अब हमें इसी 'भाग से संपूर्ण' वाले संबंध को दूसरे युग्म पर लागू करना है, जहाँ दूसरा शब्द **फूल** है। इसका मतलब है कि हमें एक ऐसे शब्द को खोजना है जो **फूल** का एक **भाग** हो।

विकल्पों का मूल्यांकन

आइए दिए गए विकल्पों की जाँच करें कि कौन सा **फूल** के **भाग** के रूप में सबसे उपयुक्त है:

- 1. **पृष्ठ**: पृष्ठ (Page/Surface) का फूल के किसी अंग से कोई सीधा संबंध नहीं है।
- 2. **पंखुड़ी**: पंखुड़ी (Petal) **फूल** का एक अभिन्न **भाग** होती है। यह संबंध पहले युग्म (अंगुली : हाथ) के समान है, जहाँ अंगुली हाथ का भाग है।
- 3. **शाखा**: शाखा (Branch) पेड़ या पौधे का हिस्सा होती है, जो फूल से जुड़ा हो सकता है, लेकिन यह सीधे फूल का भाग नहीं है।
- 4. **पहिया**: पहिया (Wheel) का फूल से कोई संबंध नहीं है।

निष्कर्ष

विश्लेषण के आधार पर, **पंखुड़ी** वह शब्द है जो **फूल** के लिए वही संबंध रखता है जो **अंगुली** का हाथ के लिए है। दोनों ही मामले में, पहला शब्द दूसरे शब्द का एक **भाग** है।

अतः, लुप्त शब्द **पंखुड़ी** है।

26. Answer: b

Explanation:

श्रृंखला को पूरा करने का विश्लेषण

यह प्रश्न अक्षर और संख्या के पैटर्न पर आधारित एक श्रृंखला को पूरा करने के बारे में है। दी गई श्रृंखला है: CID, E3F, G5H, I7J, ?

श्रृंखला के प्रत्येक पद में तीन भाग होते हैं: एक पहला अक्षर, एक संख्या, और एक अंतिम अक्षर। आइए प्रत्येक भाग के पैटर्न को अलग-अलग समझें:

पहला अक्षर पैटर्न समझें

श्रृंखला के पहले अक्षर C, E, G, I हैं। इन अक्षरों के बीच के संबंध को वर्णमाला में उनकी स्थिति से समझा जा सकता है:

- C वर्णमाला का तीसरा (3) अक्षर है।
- E वर्णमाला का पाँचवाँ (5) अक्षर है।
- G वर्णमाला का सातवाँ (7) अक्षर है।
- I वर्णमाला का नौवाँ (9) अक्षर है।

यह पैटर्न दिखाता है कि प्रत्येक अगला अक्षर वर्णमाला में पिछले अक्षर से दो स्थान आगे है (यानी, एक अक्षर को छोड़कर)। C के बाद दो अक्षर छोड़कर (D) E आता है, E के बाद दो अक्षर छोड़कर (F) G आता है, और G के बाद दो अक्षर छोड़कर (H) I आता है। इसी तर्क का पालन करते हुए, I के बाद अगला अक्षर K होगा (J को छोड़कर)।

संख्या पैटर्न का विश्लेषण करें

श्रृंखला में संख्याएँ 1, 3, 5, 7 हैं। यह विषम संख्याओं (odd numbers) की एक सीधी प्रगति है:

- पहली संख्या 1 है।
- दूसरी संख्या 3 है, जो पिछली संख्या में 2 जोड़ने पर मिलती है ($1 + 2 = 3$)।
- तीसरी संख्या 5 है, जो पिछली संख्या में 2 जोड़ने पर मिलती है ($3 + 2 = 5$)।
- चौथी संख्या 7 है, जो पिछली संख्या में 2 जोड़ने पर मिलती है ($5 + 2 = 7$)।

इस पैटर्न के अनुसार, अगली संख्या प्राप्त करने के लिए हमें 7 में 2 जोड़ना होगा। तो, अगली संख्या होगी: $7 + 2 = 9$ ।

अंतिम अक्षर पैटर्न की जाँच करें

श्रृंखला के अंतिम अक्षर D, F, H, J हैं। इन अक्षरों का पैटर्न भी वर्णमाला में उनकी स्थिति पर आधारित है:

- D वर्णमाला का चौथा (4) अक्षर है।
- F वर्णमाला का छठा (6) अक्षर है।
- H वर्णमाला का आठवाँ (8) अक्षर है।
- J वर्णमाला का दसवाँ (10) अक्षर है।

यह पैटर्न भी पहले अक्षर के समान है, जहाँ प्रत्येक अगला अक्षर वर्णमाला में पिछले अक्षर से दो स्थान आगे है (एक अक्षर को छोड़कर)। D के बाद दो अक्षर छोड़कर (E) F आता है, F के बाद दो अक्षर छोड़कर

(G) H आता है, और H के बाद दो अक्षर छोड़कर (I) J आता है। इसी तर्क का पालन करते हुए, J के बाद अगला अक्षर L होगा (K को छोड़कर)।

श्रृंखला का अगला पद ज्ञात करना

अब, हमने प्रत्येक भाग के लिए पैटर्न की पहचान कर ली है:

- पहला अक्षर: K
- संख्या: 9
- अंतिम अक्षर: L

इन तीनों को मिलाकर, श्रृंखला का अगला पद **K9L** बनता है।

श्रृंखला पदों का विस्तृत विश्लेषण

पद	पहला अक्षर	संख्या	अंतिम अक्षर	वर्णमाला स्थिति (अक्षर)	संख्या पैटर्न
1	C	1	D	3, 4	1
2	E	3	F	5, 6	$1 + 2 = 3$
3	G	5	H	7, 8	$3 + 2 = 5$
4	I	7	J	9, 10	$5 + 2 = 7$
अगला	K	9	L	11, 12	$7 + 2 = 9$

इसलिए, श्रृंखला का सही अगला पद K9L है।

27. Answer: c

Explanation:

कीर्ति स्तम्भ का निर्माण

यह प्रश्न चित्तौड़गढ़ में स्थित प्रसिद्ध 'कीर्ति स्तम्भ' के निर्माता के बारे में पूछता है। कीर्ति स्तम्भ, जिसे विजय स्तम्भ से अलग पहचाना जाता है, राजस्थान के सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्मारकों में से एक है।

निर्माता की पहचान

प्रश्नोत्तर में दिए गए विकल्पों में से, सही उत्तर 'जीजा भागेरवाला' है। ऐतिहासिक साक्ष्यों के अनुसार, कीर्ति स्तम्भ का निर्माण 12वीं शताब्दी में एक जैन व्यापारी, जीजा भागेरवाला (या जीजा सा) द्वारा करवाया गया था। यह स्तम्भ जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव को समर्पित है।

विकल्पों का विश्लेषण

आइये अन्य विकल्पों पर भी एक नज़र डालें:

- **रावल कुमार सिंह:** ये मेवाड़ के शासक थे, लेकिन कीर्ति स्तम्भ के निर्माण से इनका सीधा संबंध नहीं है।
- **राणा प्रताप:** मेवाड़ के महान योद्धा शासक, जिनका संबंध कीर्ति स्तम्भ के निर्माण काल से बहुत बाद का है।
- **ईश्वरी सिंह:** ये जयपुर के शासक थे और इनका संबंध भी कीर्ति स्तम्भ से नहीं है।
- **जीजा भागेरवाला:** जैसा कि ऊपर बताया गया है, यह एक प्रमुख जैन व्यापारी थे जिन्होंने इस स्तम्भ का निर्माण करवाया था।

कीर्ति स्तम्भ का महत्व

कीर्ति स्तम्भ का निर्माण मुख्य रूप से व्यापारिक समृद्धि और धार्मिक आस्था के प्रतीक के रूप में किया गया था। यह भारतीय वास्तुकला का एक अद्भुत नमूना है और चित्तौड़गढ़ के किले के भीतर स्थित है, जो यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल का हिस्सा है।

28. Answer: a

Explanation:

तार्किक कथन विश्लेषण: मूल्य तुलना

इस प्रश्न में, हमें यह निर्धारित करना है कि दिए गए विकल्पों में से तीसरा कथन पहले दो कथनों के सत्य होने पर सत्य है, असत्य है, अनिश्चित है या आंशिक रूप से सत्य है। चूंकि प्रश्न का प्रारूप ऐसा है कि विकल्प (c) को "तीसरा कथन" माना जा रहा है और सही उत्तर "सत्य" है, तो हमें यह मानकर चलना होगा कि दो ऐसे कथन (जो दिए नहीं गए हैं) सत्य हैं जो तार्किक रूप से कथन (c) को सत्य सिद्ध करते हैं।

कथनों का विश्लेषण

प्रश्न का मुख्य भाग इस प्रकार है: "यदि प्रथम दो कथन सत्य हैं, तो तीसरा कथन _____ है।"

यहाँ तीन फलों - ब्ल्यूबेरी, स्ट्राबेरी और रास्पबेरी - के बीच मूल्य की तुलना की जा रही है।

तीसरा कथन (विकल्प c): रास्पबेरी, स्ट्राबेरी एवं ब्ल्यूबेरी की अपेक्षा अधिक महँगा है।

हमें यह पता लगाना है कि यदि पहले दो कथन (जो अज्ञात हैं) सत्य हैं, तो क्या यह तीसरा कथन भी सत्य होगा। दिए गए सही उत्तर के अनुसार, तीसरा कथन सत्य है।

तार्किक निष्कर्ष और मूल्य क्रम

चूँकि हमें यह निष्कर्ष निकालना है कि तीसरा कथन सत्य है, तो हमें पहले दो कथनों की ऐसी कल्पना करनी होगी जो इस निष्कर्ष तक पहुँचने में मदद करें। सबसे सरल तार्किक क्रम जो कथन (c) को सत्य बनाता है, वह निम्नलिखित मूल्य क्रम होगा:

रास्पबेरी > ब्ल्यूबेरी > स्ट्राबेरी

इसका मतलब है:

- रास्पबेरी सबसे महँगा है।
- ब्ल्यूबेरी मध्यम मूल्य का है।
- स्ट्राबेरी सबसे सस्ता है।

यह क्रम निम्नलिखित दो कथनों के सत्य होने से प्राप्त किया जा सकता है:

1. **कथन 1 (मान लीजिए):** रास्पबेरी, ब्ल्यूबेरी की अपेक्षा अधिक महँगा है। (LaTeX: $Raspberry > Blueberry$)
2. **कथन 2 (मान लीजिए):** ब्ल्यूबेरी, स्ट्राबेरी की अपेक्षा अधिक महँगा है। (LaTeX: $Blueberry > Strawberry$)

मूल्य क्रम की स्थापना

यदि कथन 1 और कथन 2 दोनों सत्य हैं, तो हम मूल्य की तुलना को इस प्रकार लिख सकते हैं:

LaTeX: $Raspberry > Blueberry$

और

LaTeX: $Blueberry > Strawberry$

गणित में असमानताओं के सकर्मक गुण (transitive property of inequalities) के अनुसार, यदि $A > B$ और $B > C$ सत्य है, तो $A > C$ भी सत्य होता है। इसी तर्क का उपयोग करते हुए, हम निष्कर्ष निकाल सकते हैं:

LaTeX: $Raspberry > Blueberry > Strawberry$

तीसरे कथन का मूल्यांकन

अब हम तीसरे कथन का मूल्यांकन करते हैं: "रास्पबेरी, स्ट्राबेरी एवं ब्ल्यूबेरी की अपेक्षा अधिक महँगा है।"

इस कथन के दो भाग हैं:

1. क्या रास्पबेरी, स्ट्राबेरी से अधिक महँगा है? (LaTeX: $Raspberry > Strawberry$?)
2. क्या रास्पबेरी, ब्ल्यूबेरी से अधिक महँगा है? (LaTeX: $Raspberry > Blueberry$?)

हमारे स्थापित मूल्य क्रम (LaTeX: $Raspberry > Blueberry > Strawberry$) के अनुसार:

- हाँ, रास्पबेरी स्ट्राबेरी से अधिक महँगा है (LaTeX: $Raspberry > Strawberry$ सत्य है)।
- हाँ, रास्पबेरी ब्ल्यूबेरी से अधिक महँगा है (LaTeX: $Raspberry > Blueberry$ सत्य है, यह हमारे माने गए कथन 1 से भी मेल खाता है)।

चूँकि तीसरे कथन के दोनों भाग सत्य हैं, इसलिए पूरा तीसरा कथन सत्य है।

निष्कर्ष

यह मानते हुए कि पहले दो कथन (जैसे: रास्पबेरी, ब्ल्यूबेरी से महँगा है; और ब्ल्यूबेरी, स्ट्राबेरी से महँगा है) सत्य हैं, तो निष्कर्ष निकलता है कि रास्पबेरी, स्ट्राबेरी और ब्ल्यूबेरी दोनों से अधिक महँगा है। इसलिए, तीसरा कथन सत्य है।

सही उत्तर: सत्य

29. Answer: a

Explanation:

राजस्थान राज्य की स्थापना तिथि

राजस्थान राज्य का गठन भारत की स्वतंत्रता के बाद हुई एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसे 'रियासत एकीकरण' कहा जाता है। इस प्रक्रिया में भारत की विभिन्न देशी रियासतों को भारतीय संघ में शामिल किया गया।

आधिकारिक स्थापना वर्ष:

प्रश्न में दिए गए विकल्पों के आधार पर, राजस्थान राज्य की आधिकारिक स्थापना का वर्ष **1949** ईस्वी है।

गठन प्रक्रिया का संदर्भ:

राजस्थान के गठन की प्रक्रिया कई चरणों में पूरी हुई:

- यह प्रक्रिया 18 मार्च 1948 को मत्स्य संघ के गठन से शुरू हुई।
- विभिन्न चरणों से गुजरते हुए, 30 मार्च 1949 को 'वृहत राजस्थान' का उद्घाटन हुआ। इस दिन को राजस्थान की स्थापना का प्रतीक माना जाता है और इसे प्रतिवर्ष 'राजस्थान दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
- इसी वर्ष, **1949** में, राज्य को काफी हद तक वह स्वरूप प्राप्त हो गया जो आज है, और इसे आधिकारिक तौर पर स्थापित किया गया।

इसलिए, दिए गए विकल्पों में से **1949** राजस्थान राज्य की आधिकारिक स्थापना का सही वर्ष है।

Your Personal Exams Guide

30. Answer: a

Explanation:

समानुपातिकता को समझना

यह प्रश्न 'समानुपातिकता' (Proportionality) की अवधारणा पर आधारित है। जब कहा जाता है कि 'a', 'b' के समानुपातिक है, तो इसका मतलब है कि 'a' और 'b' एक स्थिर अनुपात बनाए रखते हैं। गणितीय रूप से, इसे इस प्रकार दर्शाया जाता है:

$$a \propto b$$

इस समानुपातिकता को समीकरण के रूप में लिखने के लिए, हम एक स्थिरांक 'k' (समानुपातिकता स्थिरांक) का उपयोग करते हैं:

$$a = k \cdot b$$

समानुपातिकता स्थिरांक (k) की गणना

हमें दिया गया है कि जब $b = 8$ है, तब $a = 15$ है। हम इन मानों का उपयोग करके स्थिरांक 'k' का मान ज्ञात कर सकते हैं:

$$15 = k \cdot 8$$

अब, 'k' के लिए समीकरण को हल करें:

$$k = \frac{15}{8}$$

तो, समानुपातिकता स्थिरांक $k = \frac{15}{8}$ है।

नए मान के लिए 'a' का मान ज्ञात करना

अब हमें 'a' का मान ज्ञात करना है जब $b = 16$ है। हम समान समीकरण $a = k \cdot b$ और पहले से गणना किए गए 'k' के मान का उपयोग करेंगे:

$$a = \left(\frac{15}{8}\right) \cdot 16$$

गणना करें:

$$a = \frac{15 \times 16}{8}$$

हम 16 को 8 से विभाजित कर सकते हैं, जो 2 होता है:

$$a = 15 \times 2$$

$$a = 30$$

वैकल्पिक विधि: अनुपात का उपयोग

चूंकि 'a', 'b' के समानुपातिक है, इसलिए उनके अनुपात $\frac{a}{b}$ का मान हमेशा स्थिर रहता है। हम इसे इस प्रकार लिख सकते हैं:

$$\frac{a_1}{b_1} = \frac{a_2}{b_2}$$

यहाँ, $a_1 = 15$, $b_1 = 8$, और $b_2 = 16$ है। हमें a_2 ज्ञात करना है।

$$\frac{15}{8} = \frac{a_2}{16}$$

अब, a_2 के लिए हल करें:

$$a_2 = \frac{15 \times 16}{8}$$

$$a_2 = 15 \times 2$$

$$a_2 = 30$$

निष्कर्ष

दोनों विधियों से, जब $b = 16$ होता है, तो ' a ' का मान 30 होता है।

31. Answer: c

Explanation:

गुलाबी मृद्भांड: जयपुर का पारंपरिक शिल्प

गुलाबी मृद्भांड, जिसे अक्सर 'पिंक पॉटरी' (Pink Pottery) के नाम से भी जाना जाता है, एक विशेष प्रकार की मिट्टी की कलाकृतियाँ होती हैं। इनकी सबसे खास पहचान इनका हल्का, मनमोहक गुलाबी रंग होता है, जो इन्हें आम मिट्टी के बर्तनों से अलग बनाता है।

गुलाबी मृद्भांड और जयपुर का खास संबंध

यह अनूठी और पारंपरिक शिल्प कला मुख्य रूप से **जयपुर** शहर से गहराई से जुड़ी हुई है। जयपुर में पाई जाने वाली खास तरह की मिट्टी और उसे बनाने की विशेष प्रक्रिया के कारण ही इस पॉटरी को इसका विशिष्ट गुलाबी रंग प्राप्त होता है।

निर्माण की प्रक्रिया:

गुलाबी मृद्भांड बनाने के लिए क्वार्ट्ज (quartz) खनिज युक्त विशेष प्रकार की मिट्टी का चयन किया जाता है। इस मिट्टी को फिर खास तापमान पर पकाया जाता है। इस प्रक्रिया से बने बर्तन हल्के और नाजुक होते हैं। अक्सर इन पर कारीगरों द्वारा हाथ से सुंदर नक्काशी या डिज़ाइन भी उकेरे जाते हैं, जो इन्हें और भी आकर्षक बनाते हैं।

सांस्कृतिक और आर्थिक महत्व:

जयपुर की यह गुलाबी मृद्भांड कला केवल एक सुंदर हस्तकला ही नहीं है, बल्कि यह स्थानीय कारीगरों के लिए आजीविका का एक महत्वपूर्ण साधन भी है। यह राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और कलात्मक परंपरा का एक अभिन्न अंग है। आज यह जयपुर की पहचान और राज्य के पर्यटन का भी एक प्रमुख आकर्षण बन चुकी है।

इस प्रकार, यह स्पष्ट है कि गुलाबी मृद्भांड की कला का संबंध सीधे **जयपुर** शहर से है।

32. Answer: d

Explanation:

ICC महिला T20 वर्ल्ड कप 2024: विजेता देश का विश्लेषण

यह प्रश्न आई सी सी (ICC) महिला T20 वर्ल्ड कप 2024 के विजेता देश के बारे में पूछता है। यह एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट है, और इसका विजेता जानना क्रिकेट प्रशंसकों के लिए खास होता है।

प्रतियोगिता का अवलोकन

आई सी सी (ICC) महिला T20 वर्ल्ड कप दुनिया भर की शीर्ष महिला क्रिकेट टीमों के बीच खेला जाने वाला एक प्रमुख टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टूर्नामेंट है। 2024 संस्करण ने दुनिया भर के दर्शकों को आकर्षित किया।

दिए गए विकल्प

प्रश्न में निम्नलिखित देशों को विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया गया था:

- इंग्लैंड
- भारत

- ऑस्ट्रेलिया
- न्यूजीलैंड

विजेता का निर्धारण

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, **न्यूजीलैंड** ने आई सी सी (ICC) महिला T20 वर्ल्ड कप 2024 जीता है। यह न्यूजीलैंड की टीम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

निष्कर्ष

आई सी सी (ICC) महिला T20 वर्ल्ड कप 2024 का खिताब **न्यूजीलैंड** ने अपने नाम किया।

33. Answer: c

Explanation:

पिछवाई और फड़ चित्रकारी: एक परिचय

पिछवाई और फड़ भारत की, विशेषकर राजस्थान की, दो प्रसिद्ध और पारंपरिक लोक चित्रकलाएं हैं। इन कला शैलियों की अपनी अनूठी विशेषताएं और इतिहास है। ये कलाएं न केवल सांस्कृतिक महत्व रखती हैं, बल्कि इनके माध्यम और तकनीक भी विशेष होते हैं।

चित्रकारी का पारंपरिक माध्यम: कपड़ा

यह समझना महत्वपूर्ण है कि पिछवाई और फड़ दोनों ही प्रसिद्ध कला रूप मुख्य रूप से **कपड़े** पर बनाए जाते हैं। यह इन कलाओं की पहचान का एक अभिन्न अंग है।

- **पिछवाई चित्रकारी:** यह राजस्थान के नाथद्वारा क्षेत्र की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और प्राचीन कला है। पिछवाई का शाब्दिक अर्थ है 'पीछे लटकने वाला'। इस कला में मुख्य रूप से भगवान कृष्ण के बाल और किशोर लीलाओं के प्रसंगों को अत्यंत बारीकी और विस्तार से चित्रित किया जाता है। इन्हें विशेष रूप से मंदिरों में भगवान की मूर्तियों के पीछे सजाने के लिए उपयोग किया जाता है। पिछवाई बनाने के लिए, कलाकार सबसे पहले एक विशेष प्रकार के सूती **कपड़े** का चयन करते हैं। इस कपड़े को प्राकृतिक गोंद और अन्य लेपों से तैयार किया जाता है ताकि यह चित्रकारी के लिए एक उपयुक्त सतह बन सके।

- **फड़ चित्रकारी:** फड़ राजस्थान की एक और अनूठी लोक चित्रकला शैली है। इसमें मुख्य रूप से स्थानीय लोक देवताओं जैसे पाबूजी और देवनारायण की जीवन कथाओं को लम्बे, कथात्मक Scrolls (पट्ट) के रूप में चित्रित किया जाता है। फड़ चित्रकार भी अपनी कला के लिए पारंपरिक रूप से **कपड़े** का ही उपयोग करते हैं। यह कपड़ा भी विशेष प्रक्रिया से तैयार किया जाता है ताकि रंगों को अच्छी तरह सोख सके और चित्र टिकाऊ बन सके। फड़ का वाचन भीपा समुदाय द्वारा किया जाता है।

अन्य माध्यमों का विश्लेषण

आइए, दिए गए अन्य विकल्पों पर भी विचार करें कि वे पिछवाई और फड़ चित्रकारी के लिए पारंपरिक रूप से क्यों उपयुक्त नहीं हैं:

- **काँच:** काँच पर चित्रकारी एक बिल्कुल अलग कला विधा है, जिसे 'गिलास पेंटिंग' कहा जाता है। यह पिछवाई या फड़ की शैली और तकनीक से भिन्न होती है।
- **चमड़ा:** यद्यपि चमड़े पर चित्रकारी भारत की कुछ अन्य कला परंपराओं में पाई जाती है, परन्तु यह पिछवाई और फड़ चित्रकारी का मुख्य आधार नहीं है।
- **लकड़ी:** लकड़ी पर भी कई प्रकार की चित्रकलाएं की जाती हैं, जैसे कि मिनिएचर पेंटिंग या लोक कला के अन्य रूप। लेकिन, पिछवाई और फड़ जैसी विस्तृत और कथात्मक कलाकृतियों के लिए कपड़े को ही प्राथमिकता दी जाती है।

अतः, यह स्पष्ट है कि प्रसिद्ध पिछवाई और फड़ चित्रकारी अपनी पारंपरिक और सांस्कृतिक पहचान के लिए मुख्य रूप से **कपड़े** पर ही की जाती है।

Your Personal Exams Guide

34. Answer: b

Explanation:

लाल ग्रह: मंगल ग्रह का परिचय

हमारे सौर मंडल में कई ग्रह हैं, लेकिन जब "लाल ग्रह" की बात आती है, तो हम मंगल ग्रह का उल्लेख करते हैं।

मंगल ग्रह को लाल ग्रह क्यों कहा जाता है?

मंगल ग्रह को उसका लाल रंग उसकी सतह पर मौजूद आयरन ऑक्साइड (rust) की अधिक मात्रा के कारण मिलता है। यह आयरन ऑक्साइड मंगल की धूल, चट्टानों और मिट्टी में व्यापक रूप से फैला हुआ है, ठीक वैसे ही जैसे लोहे पर जंग लगने पर वह लाल-भूरा दिखाई देता है। जब सूर्य का प्रकाश इस धूल भरी सतह पर पड़ता है, तो यह लाल रंग को परावर्तित करता है, जिससे ग्रह हमें अंतरिक्ष से लाल दिखाई देता है।

अन्य ग्रहों के बारे में

अन्य दिए गए विकल्पों पर एक नज़र डालें:

- **शुक्र (Venus):** शुक्र ग्रह सल्फ्यूरिक एसिड के घने बादलों से ढका हुआ है और बहुत गर्म है। इसे अक्सर "सुबह का तारा" या "शाम का तारा" कहा जाता है, न कि लाल ग्रह।
- **बृहस्पति (Jupiter):** बृहस्पति सौर मंडल का सबसे बड़ा ग्रह है और यह मुख्य रूप से गैसों (हाइड्रोजन और हीलियम) से बना है। इसकी सतह पर लाल धब्बे जैसी विशेषताएं हैं (जैसे ग्रेट रेड स्पॉट), लेकिन पूरा ग्रह लाल नहीं है।
- **शनि (Saturn):** शनि अपने खूबसूरत छल्लों के लिए प्रसिद्ध है और यह भी एक गैस दानव है। इसका रंग हल्का पीला या क्रीम जैसा होता है, लाल नहीं।

इसलिए, मंगल ग्रह अपनी सतह पर मौजूद आयरन ऑक्साइड के कारण विशिष्ट रूप से "लाल ग्रह" के रूप में जाना जाता है।

35. Answer: c

Explanation:

राजस्थान राज्य वित्त आयोग: एक अवलोकन

राजस्थान राज्य वित्त आयोग एक संवैधानिक निकाय है। इसका मुख्य कार्य राज्य और स्थानीय निकायों (जैसे पंचायती राज संस्थाओं और नगर पालिकाओं) के बीच वित्तीय संसाधनों के वितरण के संबंध में सिफारिशें देना है। यह राज्य के वित्तीय प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

राजस्थान राज्य वित्त आयोग का वर्तमान अध्यक्ष

प्रश्न में राजस्थान राज्य वित्त आयोग के वर्तमान अध्यक्ष के बारे में पूछा गया है। इस आयोग का गठन राज्य के वित्तीय स्वास्थ्य को बनाए रखने और स्थानीय स्तर पर वित्तीय शक्तियों के हस्तांतरण को

सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है।

दिए गए विकल्पों में से, सही उत्तर की पहचान करने के लिए हमें नवीनतम जानकारी का संदर्भ लेना होगा। राजस्थान राज्य वित्त आयोग के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में **अरुण चतुर्वेदी** का नाम सही है।

विकल्पों का विश्लेषण

आइए दिए गए विकल्पों पर एक नज़र डालें:

- गजेंद्र सिंह खीमसर: यह वर्तमान में राजस्थान सरकार में मंत्री हैं, लेकिन राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष नहीं हैं।
- सुरेश सिंह रावत: इनका नाम आयोग के अध्यक्ष के रूप में वर्तमान में प्रासंगिक नहीं है।
- **अरुण चतुर्वेदी**: इन्हें राजस्थान राज्य वित्त आयोग के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में जाना जाता है।
- संजय शर्मा: यह नाम भी वर्तमान अध्यक्ष के रूप में सही नहीं है।

इसलिए, राजस्थान राज्य वित्त आयोग के वर्तमान अध्यक्ष **अरुण चतुर्वेदी** हैं।

36. Answer: c

Explanation:

श्रृंखला को पूरा करें: 2, 6, 12, 20, 30, ?

यह प्रश्न एक संख्यात्मक श्रृंखला को समझने और उसके लुप्त पद को खोजने के बारे में है। हमें दिए गए अनुक्रम में पैटर्न की पहचान करनी होगी।

श्रृंखला पैटर्न का विश्लेषण

दी गई संख्या श्रृंखला है:

- 2
- 6
- 12
- 20
- 30
- ?

आइए हम इस श्रृंखला के क्रमागत पदों के बीच के अंतर को देखें:

- $6 - 2 = 4$
- $12 - 6 = 6$
- $20 - 12 = 8$
- $30 - 20 = 10$

इन अंतरों (4, 6, 8, 10) पर ध्यान दें। हम देख सकते हैं कि प्रत्येक क्रमिक अंतर पिछले वाले से 2 अधिक है। यह एक अंकगणितीय प्रगति (Arithmetic Progression) की तरह बढ़ रहा है, जहाँ सामान्य अंतर (common difference) 2 है।

अगले पद की गणना

इस पैटर्न को जारी रखते हुए, अगला अंतर $10 + 2 = 12$ होना चाहिए।

श्रृंखला में लुप्त संख्या ज्ञात करने के लिए, हम अंतिम ज्ञात पद (30) में इस अगले अंतर (12) को जोड़ते हैं:

$$30 + 12 = 42$$

वैकल्पिक पैटर्न की पुष्टि

इस श्रृंखला को एक और तरीके से भी देखा जा सकता है, जहाँ प्रत्येक पद $n \times (n + 1)$ के रूप में बनता है (जहाँ n पद की स्थिति है):

- पहला पद ($n = 1$): $1 \times (1 + 1) = 1 \times 2 = 2$
- दूसरा पद ($n = 2$): $2 \times (2 + 1) = 2 \times 3 = 6$
- तीसरा पद ($n = 3$): $3 \times (3 + 1) = 3 \times 4 = 12$
- चौथा पद ($n = 4$): $4 \times (4 + 1) = 4 \times 5 = 20$
- पांचवां पद ($n = 5$): $5 \times (5 + 1) = 5 \times 6 = 30$

इस पैटर्न के अनुसार, लुप्त पद श्रृंखला का छठा पद ($n = 6$) होगा:

$$6 \times (6 + 1) = 6 \times 7 = 42$$

दोनों विश्लेषणों से यह पुष्टि होती है कि श्रृंखला में लुप्त संख्या 42 है।

37. Answer: a

Explanation:

बीसलपुर बाँध का निर्माण

बीसलपुर बाँध, राजस्थान के महत्वपूर्ण जल संसाधन परियोजनाओं में से एक है। यह बाँध राज्य की पेयजल और सिंचाई आवश्यकताओं को पूरा करने में अहम भूमिका निभाता है।

बीसलपुर बाँध और नदी का संबंध

प्रश्न पूछता है कि बीसलपुर बाँध किस नदी पर बना हुआ है। आइए विकल्पों को देखें:

- बनास नदी
- चम्बल नदी
- माही नदी
- घग्घर नदी

सही नदी की पहचान

बीसलपुर बाँध का निर्माण **बनास नदी** पर किया गया है। यह बाँध राजस्थान के टोंक जिले में स्थित है और बनास नदी के पानी को संग्रहित करता है। चम्बल, माही और घग्घर नदियाँ राजस्थान से होकर बहती हैं, लेकिन बीसलपुर बाँध विशेष रूप से बनास नदी से संबंधित है।

इसलिए, सही उत्तर **बनास नदी** है।

38. Answer: a

Explanation:

राजस्थान में स्थित मरुभूमि का विश्लेषण

यह प्रश्न राजस्थान राज्य में स्थित प्रमुख मरुभूमि की पहचान करने के बारे में है। आइए दिए गए विकल्पों का विश्लेषण करें:

विकल्पों का मूल्यांकन

- **विकल्प 1: थार मरुभूमि** - यह मरुभूमि भारतीय उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी भाग में स्थित है, जो मुख्य रूप से भारत के राजस्थान राज्य और कुछ हद तक पाकिस्तान के पंजाब और सिंध प्रांतों में फैली हुई है। यह राजस्थान के कुल क्षेत्रफल का एक महत्वपूर्ण हिस्सा कवर करती है।
- **विकल्प 2: सहारा मरुभूमि** - यह दुनिया का सबसे बड़ा गर्म मरुस्थल है और यह उत्तरी अफ्रीका में स्थित है। इसका राजस्थान से कोई संबंध नहीं है।
- **विकल्प 3: गोबी मरुभूमि** - यह मध्य एशिया में स्थित एक बड़ा मरुस्थल है, जो मुख्य रूप से उत्तरी चीन और दक्षिणी मंगोलिया को कवर करता है। यह राजस्थान में स्थित नहीं है।
- **विकल्प 4: कालाहारी मरुभूमि** - यह दक्षिणी अफ्रीका में स्थित एक विशाल अर्ध-शुष्क रेतीला बेसिन है, जो बोत्सवाना, नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका के हिस्सों को कवर करता है। यह राजस्थान से बहुत दूर है।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि **थार मरुभूमि** ही वह मरुभूमि है जो मुख्य रूप से राजस्थान में स्थित है।

थार मरुभूमि की विशेषताएँ

थार मरुभूमि, जिसे भारतीय मरुस्थल के रूप में भी जाना जाता है, राजस्थान के लगभग 60% हिस्से को कवर करती है। यह अपनी रेतीली विशेषताओं, शुष्क जलवायु और विविध वनस्पतियों और जीवों के लिए जानी जाती है।

39. Answer: b

Explanation:

SQL कमांड: टेबल स्ट्रक्चर हटाने का विश्लेषण

यह प्रश्न पूछता है कि किसी टेबल के स्ट्रक्चर (संरचना) को डेटाबेस से पूरी तरह हटाने के लिए कौन सा SQL कमांड इस्तेमाल किया जाता है। डेटाबेस में, टेबल स्ट्रक्चर को हटाना मतलब उस टेबल को और उसमें मौजूद सारा डेटा, दोनों को मिटा देना होता है।

SQL कमांड्स का विश्लेषण

आइए दिए गए विकल्पों का विश्लेषण करें:

- **डिलिट टेबल (DELETE TABLE):** यह कोई मानक SQL कमांड नहीं है। SQL में *DELETE* स्टेटमेंट का उपयोग किसी टेबल से पंक्तियों (rows) को हटाने के लिए किया जाता है, न कि पूरे टेबल स्ट्रक्चर को।
- **ड्रॉप टेबल (DROP TABLE):** यह वह मानक SQL कमांड है जिसका उपयोग किसी टेबल के स्ट्रक्चर और उसमें मौजूद सभी डेटा को डेटाबेस से स्थायी रूप से हटाने के लिए किया जाता है। *DROPTABLE* कमांड टेबल को पूरी तरह से हटा देता है।
- **कट टेबल (CUT TABLE):** यह कोई मानक SQL कमांड नहीं है।
- **एंड टेबल (END TABLE):** यह कोई मानक SQL कमांड नहीं है।

सही SQL कमांड

टेबल स्ट्रक्चर को हटाने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला सही SQL कमांड **DROP TABLE** है। इस कमांड का सिंटैक्स इस प्रकार होता है:

```
$DROP TABLE table_name;$
```

यहाँ, *table_name* उस टेबल का नाम है जिसे आप हटाना चाहते हैं।

इसलिए, टेबल स्ट्रक्चर को हटाने के लिए *DROPTABLE* कमांड सबसे उपयोगी है।

40. Answer: c

Explanation:

राजस्थान पालनहार योजना: अनाथ बच्चों का कल्याण

यह प्रश्न राजस्थान सरकार द्वारा अनाथ बच्चों के लिए चलाई जा रही एक महत्वपूर्ण योजना के बारे में पूछता है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के अनाथ एवं निराश्रित बच्चों को बेहतर जीवन स्तर, शिक्षा और देखभाल प्रदान करना है।

पालनहार योजना को समझना

पालनहार योजना राजस्थान सरकार की एक ऐसी पहल है जो उन बच्चों के लिए बनाई गई है जिनके माता-पिता नहीं हैं या जो किसी कारणवश उनकी देखभाल करने में असमर्थ हैं। इस योजना के तहत, अनाथ बच्चों को उनके रिश्तेदारों या परिचितों के पास रहने की सुविधा दी जाती है, जिन्हें 'पालनहार' कहा जाता है। सरकार इन पालनहारों को बच्चे के लालन-पोषण, भोजन, वस्त्र, स्कूल की फीस और अन्य ज़रूरी खर्चों के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करती है।

- **उद्देश्य:** अनाथ एवं जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा और बेहतर देखभाल प्रदान करना।
- **लाभार्थी:** अनाथ बच्चे, विशेष योग्य माता-पिता के बच्चे, युद्ध विधवा के बच्चे, कुष्ठ रोगी या अन्य गंभीर बीमारी से पीड़ित माता-पिता के बच्चे, आदि।
- **सहायता:** बच्चों को 2 वर्ष से 18 वर्ष की आयु तक प्रतिमाह ₹1000 (स्कूल जाने वाले) या ₹1500 (स्कूल न जाने वाले अनाथ बच्चे) की राशि दी जाती है। साथ ही, आंगनबाड़ी जाने वाले बच्चों के लिए ₹500 और अन्य बच्चों के लिए ₹1000 प्रतिमाह दिए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, बच्चों को नए कपड़े, जूते आदि के लिए वार्षिक ₹2000 की राशि भी प्रदान की जाती है।
- **क्रियान्वयन:** राजस्थान सरकार का महिला एवं बाल विकास विभाग।

योजनाओं के विकल्पों का विश्लेषण

प्रश्न के अनुसार, हमें उस योजना का नाम बताना है जो राजस्थान में अनाथ बच्चों के लालन-पोषण और शिक्षा की व्यवस्था करती है। आइए अन्य विकल्पों पर भी एक नज़र डालें:

- **मुख्यमंत्री राजश्री योजना:** यह योजना मुख्य रूप से बालिकाओं के जन्म को प्रोत्साहित करने और उनकी शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए है।
- **इंदिरा रसोई योजना:** यह योजना गरीबों और जरूरतमंदों को मात्र 8 रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए है।
- **मुख्यमंत्री लाइली योजना:** यह योजना भी अक्सर बालिकाओं के कल्याण से जुड़ी होती है, विशेषकर उनकी शिक्षा और विवाह के लिए।
- **पालनहार योजना:** यह योजना सीधे तौर पर अनाथ और जरूरतमंद बच्चों के लालन-पोषण और शिक्षा की व्यवस्था करती है, जैसा कि प्रश्न में पूछा गया है।

इसलिए, दी गई जानकारी और विकल्पों के आधार पर, **पालनहार योजना** ही वह योजना है जो राजस्थान सरकार द्वारा अनाथ बच्चों की देखभाल और शिक्षा के लिए चलाई जा रही है।

41. Answer: b

Explanation:

आज का दिन ज्ञात करना

इस प्रश्न का उद्देश्य दी गई शर्त के आधार पर सप्ताह के वर्तमान दिन का पता लगाना है। हम चरण-दर-चरण विश्लेषण करेंगे।

शर्त का विश्लेषण: बृहस्पतिवार के दो दिन पूर्व

प्रश्न में एक महत्वपूर्ण जानकारी दी गई है: 'बृहस्पतिवार के दो दिन पूर्व का दिन'।

इसकी गणना इस प्रकार है:

- बृहस्पतिवार से एक दिन पहले: बुधवार
- बुधवार से एक दिन पहले: मंगलवार

इसलिए, वह विशेष दिन **मंगलवार** है।

शर्त का विश्लेषण: कल के बाद का दिन

प्रश्न का दूसरा भाग 'कल के बाद का दिन' है।

यदि हम आज के दिन को X मानें, तो:

- कल का दिन $X + 1$ होगा।
- कल के बाद का दिन $X + 2$ होगा।

शर्त को हल करना

प्रश्न के अनुसार, 'कल के बाद का दिन' ($X + 2$) और 'बृहस्पतिवार के दो दिन पूर्व का दिन' (मंगलवार) समान हैं।

इस प्रकार, हमारे पास समीकरण है:

$$X + 2 = \text{मंगलवार}$$

इस समीकरण से आज का दिन (X) निकालने के लिए, हमें मंगलवार से दो दिन पीछे जाना होगा:

- मंगलवार से 1 दिन पीछे = सोमवार (यह 'कल' होगा)

- सोमवार से 1 दिन पीछे = **रविवार** (यह 'आज' होगा)

निष्कर्ष

उपरोक्त गणना के आधार पर, आज का दिन **रविवार** है।

42. Answer: c

Explanation:

विषम युग्म विश्लेषण

इस प्रश्न का उद्देश्य दिए गए युग्मों में से असंगत या विषम युग्म की पहचान करना है। हमें प्रत्येक युग्म के बीच के संबंध को समझना होगा और फिर उस युग्म को खोजना होगा जो दूसरों से अलग है।

विकल्पों का विश्लेषण

- **इराक : एशिया**

इराक पश्चिमी एशिया में स्थित एक देश है। यह युग्म एक देश (इराक) और उसके महाद्वीप (एशिया) को दर्शाता है। यह एक भौगोलिक रूप से सही युग्म है।

- **केन्या : अफ्रीका**

केन्या पूर्वी अफ्रीका में स्थित एक देश है। यह युग्म एक देश (केन्या) और उसके महाद्वीप (अफ्रीका) को दर्शाता है। यह भी एक भौगोलिक रूप से सही युग्म है।

- **काठमांडू : नेपाल**

काठमांडू नेपाल की राजधानी और सबसे बड़ा शहर है। यह युग्म एक शहर (काठमांडू) और उसके देश (नेपाल) को दर्शाता है। यह देश-महाद्वीप के पैटर्न से अलग है।

- **स्पेन : यूरोप**

स्पेन दक्षिणी यूरोप में स्थित एक देश है। यह युग्म एक देश (स्पेन) और उसके महाद्वीप (यूरोप) को दर्शाता है। यह एक भौगोलिक रूप से सही युग्म है।

विषम युग्म की पहचान

विश्लेषण के अनुसार, तीन युग्म (इराक: एशिया, केन्या: अफ्रीका, स्पेन: यूरोप) एक देश को उसके महाद्वीप से संबंधित करते हैं। हालाँकि, युग्म 'काठमांडू : नेपाल' एक शहर को उसके देश से संबंधित करता है। इसलिए, यह पैटर्न का पालन नहीं करता है और यही विषम युग्म है।

43. Answer: b

Explanation:

प्रायिकता की मूल बातें समझें

प्रायिकता (Probability) किसी घटना के घटित होने की संभावना को मापने का एक तरीका है। इसकी गणना करने का सूत्र है:

$$\text{P} = \frac{\text{Total number of favorable outcomes}}{\text{Total number of possible outcomes}}$$

गेंदों की गिनती करें

प्रश्न में दी गई जानकारी के अनुसार, थैले में विभिन्न रंगों की गेंदें हैं:

- लाल गेंदों की संख्या = 5
- नीला गेंदों की संख्या = 7
- हरे गेंदों की संख्या = 3

कुल संभावित परिणामों की गणना करें

थैले में मौजूद सभी गेंदों की कुल संख्या संभावित परिणामों की कुल संख्या को दर्शाती है।

कुल गेंदें = लाल गेंदें + नीला गेंदें + हरी गेंदें

$$5 + 7 + 3 = 15$$

इसलिए, थैले से एक गेंद निकालने पर कुल 15 संभावित परिणाम हो सकते हैं।

अनुकूल परिणामों की पहचान करें

हम जिस घटना की प्रायिकता ज्ञात करना चाहते हैं, वह है 'लाल या हरा गेंद निकालना।

अनुकूल परिणाम वे होते हैं जिनमें लाल गेंद या हरा गेंद शामिल हो।

अनुकूल परिणामों की संख्या = लाल गेंदों की संख्या + हरे गेंदों की संख्या

$$\text{अनुकूल परिणामों की संख्या} = 5 + 3 = 8$$

अतः, 8 परिणाम ऐसे हैं जो हमारी इच्छित घटना (लाल या हरा गेंद निकालना) के अनुकूल हैं।

प्रायिकता की गणना करें

अब हम प्रायिकता के सूत्र का उपयोग करके लाल या हरा गेंद निकालने की प्रायिकता ज्ञात कर सकते हैं:

$$P(\text{लाल या हरा गेंद निकालना}) = \frac{\text{अनुकूल परिणामों की संख्या}}{\text{कुल परिणामों की संख्या}}$$

$$P(\text{लाल या हरा गेंद निकालना}) = \frac{8}{15}$$

निष्कर्ष

इसलिए, यदि थैले से यादृच्छिक रूप से एक गेंद निकाली जाती है, तो उसके लाल या हरा होने की प्रायिकता $\frac{8}{15}$ है।

Your Personal Exams Guide

44. Answer: b

Explanation:

मेवाड़ राजवंश के संस्थापक

यह प्रश्न मेवाड़ राजवंश के मूल संस्थापक के बारे में पूछता है। मेवाड़, भारत के सबसे पुराने और प्रतिष्ठित राजवंशों में से एक है, जिसका राजस्थान के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान है।

विकल्पों का विश्लेषण

- **राणा सांगा:** राणा सांगा 16वीं शताब्दी के एक प्रसिद्ध शासक थे, जो अपनी वीरता और मुगल सम्राट बाबर के खिलाफ संघर्ष के लिए जाने जाते हैं। हालाँकि, वे मेवाड़ राजवंश के संस्थापक नहीं

थे।

- **बप्पा रावल:** बप्पा रावल को पारंपरिक रूप से मेवाड़ राजवंश (गुहिल वंश की एक शाखा) का संस्थापक माना जाता है। उन्होंने 8वीं शताब्दी में इस राजवंश की नींव रखी और राज्य का विस्तार किया।
- **राणा हमीर:** राणा हमीर सिंह सिसोदिया राजवंश के संस्थापक थे, जिसने बाद में मेवाड़ पर शासन किया। उन्होंने 14वीं शताब्दी में सल्तनत काल के दौरान मेवाड़ को पुनः स्थापित किया। इसलिए, वे गुहिल वंश के मूल संस्थापक नहीं हैं, बल्कि सिसोदिया शाखा के संस्थापक हैं।
- **राणा प्रताप:** राणा प्रताप सिंह 16वीं शताब्दी के एक महान योद्धा थे, जो अपनी बहादुरी और मुग़ल सम्राट अकबर के प्रतिरोध के लिए प्रसिद्ध हैं। वे मेवाड़ के एक महत्वपूर्ण शासक थे, लेकिन राजवंश के संस्थापक नहीं थे।

मेवाड़ राजवंश और बप्पा रावल

मेवाड़ राजवंश की जड़ें प्राचीन गुहिल वंश से जुड़ी हैं। ऐतिहासिक मान्यता के अनुसार, **बप्पा रावल** ने 8वीं शताब्दी (लगभग 734 ईस्वी) में गुहिल वंश की स्थापना की और चित्तौड़ को अपनी राजधानी बनाया। उन्होंने न केवल राज्य की नींव रखी, बल्कि उसे मजबूत और विस्तारित भी किया। बप्पा रावल को एक महान योद्धा और कुशल प्रशासक के रूप में जाना जाता है। बाद के शासकों ने इसी नींव पर मेवाड़ सल्तनत को आगे बढ़ाया।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि मेवाड़ राजवंश के संस्थापक **बप्पा रावल** थे।

45. Answer: c

Explanation:

विंडोज पर प्रोग्राम स्विच करने का शॉर्टकट

विंडोज ऑपरेटिंग सिस्टम में, जब आप एक साथ कई एप्लिकेशन या प्रोग्राम खोलते हैं, तो उनके बीच तेज़ी से स्विच करना मल्टीटास्किंग के लिए बहुत ज़रूरी होता है। कीबोर्ड शॉर्टकट इस प्रक्रिया को बहुत आसान बना देते हैं।

सही शॉर्टकट की पहचान

प्रश्न पूछता है कि विंडोज पर खुले प्रोग्रामों के बीच स्विच करने के लिए किस कीबोर्ड शॉर्टकट का उपयोग किया जाता है। आइए दिए गए विकल्पों का विश्लेषण करें:

- **Alt+F4:** यह शॉर्टकट वर्तमान में सक्रिय विंडो या प्रोग्राम को बंद करने के लिए उपयोग किया जाता है। यह प्रोग्रामों के बीच स्विच करने का शॉर्टकट नहीं है।
- **Ctrl + Tab:** यह शॉर्टकट आमतौर पर एक ही एप्लिकेशन के भीतर विभिन्न टैब (जैसे वेब ब्राउज़र या वर्ड दस्तावेज़ में) के बीच स्विच करने के लिए उपयोग किया जाता है, न कि विभिन्न खुले प्रोग्रामों के बीच।
- **Alt+Tab:** यह विंडोज में खुले हुए एप्लिकेशनों के बीच स्विच करने का मानक शॉर्टकट है। जब आप **Alt** कुंजी दबाए रखते हैं और **Tab** कुंजी दबाते हैं, तो एक पैनल दिखाई देता है जिसमें सभी खुले प्रोग्राम सूचीबद्ध होते हैं। **Tab** कुंजी को बार-बार दबाने से आप एक-एक करके अगले प्रोग्राम पर जा सकते हैं। **Alt** कुंजी छोड़ने पर चयनित प्रोग्राम सक्रिय हो जाता है।
- **Ctrl+Shift + Del:** यह शॉर्टकट आमतौर पर सामान्य उपयोग में नहीं होता है और प्रोग्राम स्विचिंग से संबंधित नहीं है। इसका उपयोग कुछ विशेष परिस्थितियों में टास्क मैनेजर खोलने या इतिहास/कैश साफ़ करने जैसी क्रियाओं से जोड़ा जा सकता है, लेकिन यह प्रोग्राम स्विचिंग के लिए नहीं है।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, विंडोज पर खुले प्रोग्रामों के बीच स्विच करने के लिए सबसे उपयुक्त और मानक कीबोर्ड शॉर्टकट **Alt+Tab** है।

46. Answer: c

Explanation:

चाय उत्पादन में भारत का अग्रणी राज्य

भारत दुनिया के सबसे बड़े चाय उत्पादकों में से एक है, और यहाँ चाय की खेती विभिन्न राज्यों में होती है। चाय की खेती के लिए उपयुक्त जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियाँ कुछ विशेष राज्यों में पाई जाती हैं।

प्रमुख चाय उत्पादक राज्यों का विश्लेषण

प्रश्न भारत के उस राज्य के बारे में पूछता है जो सबसे अधिक चाय का उत्पादन करता है। आइए दिए गए विकल्पों पर विचार करें:

- **पश्चिम बंगाल:** पश्चिम बंगाल भी एक महत्वपूर्ण चाय उत्पादक राज्य है, खासकर दार्जिलिंग और Terai क्षेत्रों के लिए जाना जाता है, लेकिन यह उत्पादन मात्रा में असम से पीछे है।
- **केरल:** केरल मुख्य रूप से मसालों और रबर के लिए जाना जाता है, हालांकि यहाँ चाय का उत्पादन भी होता है, लेकिन यह देश के प्रमुख चाय उत्पादक राज्यों में शामिल नहीं है।
- **असम:** असम को भारत में चाय का घर माना जाता है। यहाँ की ब्रह्मपुत्र घाटी में दुनिया के सबसे बड़े चाय बागान स्थित हैं। असम भारत के कुल चाय उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा पैदा करता है।
- **सिक्किम:** सिक्किम अपनी जैविक खेती के लिए प्रसिद्ध है और यहाँ भी चाय का उत्पादन होता है, लेकिन मात्रा बहुत कम है।

इन सभी तथ्यों के आधार पर, यह स्पष्ट है कि **असम** भारत का सबसे बड़ा चाय उत्पादक राज्य है। यहाँ की विशेष जलवायु और मिट्टी की स्थिति बेहतरीन गुणवत्ता वाली चाय के उत्पादन के लिए आदर्श है, जिससे यह देश की चाय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

47. Answer: b

Explanation:

संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति का राजस्थान दौरा

यह प्रश्न संयुक्त राज्य अमेरिका के उस उपराष्ट्रपति के बारे में पूछता है जिन्होंने हाल ही में भारत के राजस्थान राज्य का दौरा किया था।

कमला हैरिस: संयुक्त राज्य अमेरिका की वर्तमान उपराष्ट्रपति

कमला हैरिस वर्तमान में संयुक्त राज्य अमेरिका की उपराष्ट्रपति हैं। वह इस पद पर आसीन होने वाली पहली महिला, पहली अफ्रीकी-अमेरिकी और पहली दक्षिण एशियाई अमेरिकी हैं।

राजस्थान का दौरा

उपराष्ट्रपति **कमला हैरिस** ने हाल ही में भारत का दौरा किया, जिसमें राजस्थान भी शामिल था। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना था। उन्होंने विभिन्न आधिकारिक बैठकों में भाग लिया और स्थानीय संस्कृति का अनुभव भी किया।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण

- **डोनाल्ड ट्रम्प:** वे संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति हैं, वर्तमान उपराष्ट्रपति नहीं।
- **जे.डी. वैंस:** वे एक अमेरिकी सीनेटर हैं, संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति नहीं।
- **ऋषि सुनक:** वे यूनाइटेड किंगडम के वर्तमान प्रधानमंत्री हैं, संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति नहीं।

इसलिए, वह व्यक्ति जो संयुक्त राज्य अमेरिका का उपराष्ट्रपति है और जिसने हाल ही में राजस्थान का दौरा किया, वह **कमला हैरिस** हैं।

48. Answer: c

Explanation:

व्यक्तिगत स्पर्धा में प्रथम भारतीय ओलंपिक स्वर्ण पदक

यह प्रश्न पूछता है कि वह कौन से प्रथम भारतीय एथलीट हैं जिन्होंने ओलंपिक खेलों में किसी व्यक्तिगत स्पर्धा (individual event) में स्वर्ण पदक (gold medal) जीता हो।

विकल्पों का विश्लेषण

1. **लियांडर पेस (Leander Paes):** टेनिस खिलाड़ी, लिंडर पेस ने 1996 अटलांटा ओलंपिक में एकल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था, स्वर्ण पदक नहीं।
2. **मिल्खा सिंह (Milkha Singh):** प्रसिद्ध एथलीट, मिल्खा सिंह ने 1960 के रोम ओलंपिक में 400 मीटर दौड़ में चौथा स्थान प्राप्त किया था, लेकिन कोई पदक नहीं जीता, स्वर्ण पदक तो दूर की बात है।
3. **अभिनव बिंद्रा (Abhinav Bindra):** निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने 2008 बीजिंग ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। यह भारत के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था क्योंकि यह किसी व्यक्तिगत स्पर्धा में पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक था।
4. **पी.टी. उषा (P.T. Usha):** भारत की महानतम धाविकाओं में से एक, पी.टी. उषा ने 1984 के लॉस एंजेलिस ओलंपिक में 400 मीटर बाधा दौड़ में चौथा स्थान हासिल किया था, लेकिन स्वर्ण पदक नहीं जीत पाई।

अभिनव बिंद्रा: एक ऐतिहासिक उपलब्धि

अभिनव बिंद्रा ने **2008 बीजिंग ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल** शूटिंग स्पर्धा में अद्भुत प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के साथ, वह ओलंपिक के इतिहास में व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण

पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने। यह उपलब्धि भारतीय खेल के लिए एक मील का पत्थर साबित हुई।

इस प्रकार, प्रश्न का सही उत्तर अभिनव बिंद्रा हैं, जिन्होंने व्यक्तिगत स्पर्धा में ओलंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय होने का गौरव प्राप्त किया।

49. Answer: a

Explanation:

सांभर झील: नमक उत्पादन का प्रमुख केंद्र

सांभर झील, जो राजस्थान में स्थित है, मुख्य रूप से **नमक उत्पादन** के लिए प्रसिद्ध है। यह भारत की सबसे बड़ी खारे पानी की अंतर्देशीय झील (inland salt lake) है।

झील का महत्व

सांभर झील का महत्व कई कारणों से है:

- **नमक उत्पादन:** झील के पानी में नमक की मात्रा अधिक होने के कारण, यहाँ बड़े पैमाने पर नमक का उत्पादन किया जाता है। यह भारत के कुल नमक उत्पादन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।
- **पारिस्थितिकी तंत्र:** यह झील प्रवासी पक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण निवास स्थान है, खासकर सर्दियों के मौसम में।
- **ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व:** झील का उल्लेख पौराणिक कथाओं में भी मिलता है और यह स्थानीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग है।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण

अन्य विकल्प, जैसे मछली पालन, पर्यटन, और जल क्रीड़ा, सांभर झील के लिए प्रमुख आकर्षण या गतिविधि नहीं हैं। हालाँकि कुछ हद तक पर्यटन मौजूद है, लेकिन झील की प्राथमिक और सबसे महत्वपूर्ण पहचान **नमक उत्पादन** ही है। मछली पालन यहाँ संभव नहीं है क्योंकि पानी अत्यधिक खारा है, और जल क्रीड़ा के लिए भी यह उपयुक्त वातावरण नहीं है।

निष्कर्ष

इसलिए, सांभर झील की प्रसिद्धि का मुख्य कारण इसका विशाल **नमक उत्पादन** है, जो इसे भारत की एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक और आर्थिक संपदा बनाता है।

50. Answer: d

Explanation:

राजस्थान के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में क्षेत्रों का योगदान

किसी क्षेत्र या देश की आर्थिक सेहत को समझने के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) एक महत्वपूर्ण पैमाना है। जीडीपी का मतलब होता है एक निश्चित अवधि में देश के भीतर उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं का कुल मौद्रिक मूल्य। किसी राज्य की जीडीपी में विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों जैसे कृषि, उद्योग (विनिर्माण, खनन आदि), और सेवा क्षेत्र का अपना-अपना योगदान होता है।

प्रमुख आर्थिक क्षेत्रों का विश्लेषण

राजस्थान की अर्थव्यवस्था में मुख्य रूप से तीन क्षेत्रों का योगदान महत्वपूर्ण रहता है:

- **सेवा क्षेत्र (Service Sector):** इसमें पर्यटन, व्यापार, परिवहन, संचार, आईटी, वित्तीय सेवाएं आदि शामिल हैं। यह क्षेत्र राजस्थान की जीडीपी में सबसे बड़ा योगदान देता है।
- **कृषि क्षेत्र (Agriculture Sector):** कृषि और संबद्ध गतिविधियाँ, जैसे पशुपालन, राज्य की आबादी के एक बड़े हिस्से को रोजगार प्रदान करती हैं और जीडीपी में इनका भी महत्वपूर्ण स्थान है।
- **विनिर्माण क्षेत्र (Manufacturing Sector):** इसमें विभिन्न प्रकार के उद्योगों द्वारा वस्तुओं का उत्पादन शामिल है, जैसे कपड़ा, सीमेंट, हस्तशिल्प, रत्न और आभूषण आदि। यह क्षेत्र भी अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाता है।

न्यूनतम अंशदान वाला क्षेत्र

जब हम राजस्थान के सकल घरेलू उत्पाद में विभिन्न क्षेत्रों के योगदान का मूल्यांकन करते हैं, तो यह पाया जाता है कि **खदान (Mining Sector)** का अंशदान आमतौर पर अन्य प्रमुख क्षेत्रों की तुलना में सबसे कम होता है। हालांकि राजस्थान खनिज संसाधनों से समृद्ध है और खनन एक महत्वपूर्ण उद्योग है, लेकिन कुल जीडीपी में इसका प्रतिशत हिस्सा सेवा, कृषि और विनिर्माण क्षेत्रों से कम रहता है।

इस प्रकार, राजस्थान के सकल घरेलू उत्पाद में सबसे कम अंशदान **खदान** क्षेत्र से आता है।

51. Answer: a

Explanation:

Ctrl + V शॉर्टकट की का कार्य

कंप्यूटर कीबोर्ड पर **Ctrl + V** दबाने का मतलब होता है किसी चुनी हुई (select की हुई) या कॉपी (copy) की हुई चीज़ को वर्तमान स्थान पर चिपकाना या **पेस्ट (Paste)** करना।

जब आप किसी टेक्स्ट, इमेज या अन्य डेटा को कॉपी (Ctrl + C) या कट (Ctrl + X) करते हैं, तो वह अस्थायी रूप से क्लिपबोर्ड में स्टोर हो जाता है। इसके बाद, आप कर्सर को जहाँ भी ले जाकर **Ctrl + V** दबाते हैं, वह कॉपी या कट किया हुआ डेटा वहीं पर पेस्ट हो जाता है। यह कंप्यूटर पर काम करने के दौरान बहुत उपयोगी शॉर्टकट है, जिससे समय बचता है और काम आसान हो जाता है।

अन्य महत्वपूर्ण कीबोर्ड शॉर्टकट

यह समझना भी ज़रूरी है कि प्रश्न में दिए गए अन्य विकल्प क्या करते हैं:

- **Ctrl + Z (अन्डू - Undo):** यह शॉर्टकट अंतिम क्रिया (action) को वापस लेता है। यानी, अगर आपने गलती से कुछ कर दिया है, तो उसे ठीक करने के लिए इसका उपयोग किया जाता है।
- **Ctrl + S (सेव - Save):** यह शॉर्टकट वर्तमान दस्तावेज़ (document) या फ़ाइल को सेव करने के लिए उपयोग होता है।
- **Ctrl + X (कट - Cut):** यह शॉर्टकट चुनी हुई चीज़ को हटाने (cut) के लिए उपयोग होता है। कट करने के बाद वह चीज़ क्लिपबोर्ड में चली जाती है और उसे कहीं और पेस्ट किया जा सकता है।

इसलिए, **Ctrl + V** विशेष रूप से **पेस्ट (Paste)** करने के कार्य से जुड़ा है।

52. Answer: a

Explanation:

अरावली पहाड़ियों में दरें का निर्धारण

इस प्रश्न का उद्देश्य यह पहचानना है कि दिए गए दरों में से कौन सा दर 'अरावली पहाड़ियों' में स्थित है। अरावली पर्वत श्रृंखला भारत की एक प्रमुख और प्राचीन पर्वत श्रृंखला है, जो मुख्य रूप से राजस्थान राज्य से होकर गुजरती है।

विकल्पों का भौगोलिक विश्लेषण

आइए प्रत्येक दिए गए दरों के स्थान की जांच करें:

- **हल्दीघाटी:** यह दर राजस्थान के राजसमंद जिले में स्थित है। यह ऐतिहासिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण स्थान है और अरावली पर्वत श्रृंखला का एक हिस्सा है। यह दर हल्दीघाटी के युद्ध के लिए प्रसिद्ध है।
- **क्षिप्कीला (Shipki La):** यह दर भारत के हिमाचल प्रदेश राज्य में, किन्नौर जिले में स्थित है। यह सतलुज नदी के मार्ग पर तिब्बत (चीन) की सीमा पर है। यह अरावली पहाड़ियों में नहीं आता है।
- **नाथूला (Nathula):** यह दर भारत के सिक्किम राज्य में स्थित है और भारत-चीन सीमा पर एक महत्वपूर्ण दर है। यह अरावली पहाड़ियों से बहुत दूर पूर्व में स्थित है।
- **रोहतांग दर (Rohtang Pass):** यह दर भारत के हिमाचल प्रदेश राज्य में, कुल्लू और लाहौल-स्पीति घाटियों के बीच पीर पंजाल रेंज में स्थित है। यह भी अरावली पहाड़ियों में नहीं है।

निष्कर्ष

भूगोलिक जानकारी के आधार पर, केवल हल्दीघाटी दर ही अरावली पहाड़ियों में स्थित है। अन्य सभी दरें हिमालय क्षेत्र या अन्य पर्वत श्रृंखलाओं में स्थित हैं।

Your Personal Exams Guide

53. Answer: c

Explanation:

सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) आयु आवश्यकता को समझना

सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) भारत सरकार की एक लोकप्रिय बचत योजना है, जिसे विशेष रूप से बालिकाओं के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं के भविष्य के लिए शिक्षा और विवाह हेतु धन बचाना है।

SSY खाता खोलने के लिए बालिका की आयु

इस योजना के तहत खाता खोलने के लिए कुछ पात्रता मानदंड हैं, जिनमें से एक महत्वपूर्ण मानदंड बालिका की आयु है। सुकन्या समृद्धि योजना के नियमों के अनुसार:

- खाता खोलने के समय बालिका की आयु **10 वर्ष से कम** होनी चाहिए।
- यह योजना एक बालिका के लिए केवल एक ही खाता खोलने की अनुमति देती है।
- खाता बालिका के नाम पर उसके माता-पिता या कानूनी अभिभावक द्वारा खोला जा सकता है।

इसलिए, यदि आप सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) में अपनी बेटी के लिए खाता खोलना चाहते हैं, तो यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि खाता खोलने की तारीख पर वह **10 वर्ष से कम** आयु की हो।

54. Answer: c

Explanation:

"सिलिकॉन वैली ऑफ इंडिया": बेंगलूरु की पहचान

भारत में, "सिलिकॉन वैली ऑफ इंडिया" का उपनाम **बेंगलूरु** शहर को दिया गया है। यह उपनाम शहर की मजबूत सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) उद्योग, स्टार्टअप्स की बढ़ती संख्या और तकनीकी नवाचार के केंद्र के रूप में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

बेंगलूरु: उपनाम के प्रमुख कारण

बेंगलूरु को "सिलिकॉन वैली ऑफ इंडिया" कहे जाने के मुख्य कारण निम्नलिखित हैं:

- **आईटी कंपनियों का केंद्र:** यह शहर भारत में सबसे अधिक आईटी कंपनियों का घर है, जिनमें कई बहुराष्ट्रीय निगमों के साथ-साथ हजारों छोटी और मध्यम आकार की कंपनियां भी शामिल हैं।
- **स्टार्टअप इकोसिस्टम:** बेंगलूरु भारत में स्टार्टअप्स के लिए सबसे पसंदीदा जगह है। यहां नए तकनीकी उद्यमों को शुरू करने और विकसित करने के लिए एक जीवंत इकोसिस्टम मौजूद है।
- **तकनीकी प्रतिभा:** शहर में कुशल इंजीनियरों, सॉफ्टवेयर डेवलपर्स और तकनीकी पेशेवरों की एक बड़ी आबादी है, जो इसे प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए एक आकर्षक स्थान बनाती है।
- **नवाचार और अनुसंधान:** बेंगलूरु में कई प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थान और अनुसंधान एवं विकास (R&D) केंद्र हैं, जो तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देते हैं।
- **निवेश और विकास:** विदेशी और घरेलू निवेशकों ने बेंगलूरु के तकनीकी क्षेत्र में भारी निवेश किया है, जिससे शहर के विकास को और गति मिली है।

भारतीय शहर: तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य

हालांकि पुणे, चेन्नई और हैदराबाद जैसे शहर भी भारत के महत्वपूर्ण आईटी केंद्र हैं, लेकिन बेंगलूरु ने अपने विशाल आईटी उद्योग, स्टार्टअप्स की गति और नवाचार के माहौल के कारण "सिलिकॉन वैली ऑफ इंडिया" के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है।

बेंगलूरु: अंतिम विचार

इसलिए, जब "सिलिकॉन वैली ऑफ इंडिया" की बात आती है, तो उत्तर स्पष्ट रूप से **बेंगलूरु** है, जो भारत की तकनीकी प्रगति और डिजिटल क्रांति का प्रतीक बन गया है।

55. Answer: b

Explanation:

राजस्थान ज़िला परिषद चुनाव: न्यूनतम आयु

यह प्रश्न राजस्थान में स्थानीय स्वशासन की सर्वोच्च संस्था, ज़िला परिषद (Zila Parishad), के चुनावों में भाग लेने के लिए आवश्यक न्यूनतम आयु के बारे में है। ज़िला परिषद, पंचायती राज व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसके सदस्यों का चुनाव सीधे जनता द्वारा किया जाता है।

चुनाव पात्रता के लिए आयु

राजस्थान ज़िला परिषद के चुनाव में उम्मीदवार के रूप में खड़े होने या चुनाव लड़ने के लिए, व्यक्ति की न्यूनतम आयु **21 वर्ष** होनी चाहिए। यह आयु सीमा सुनिश्चित करती है कि उम्मीदवार अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को समझने और निभाने के लिए पर्याप्त रूप से परिपक्व हैं।

दिए गए विकल्पों का विश्लेषण

आइए दिए गए विकल्पों पर विचार करें:

- 18 वर्ष: यह भारत में वोट देने (मतदान करने) की न्यूनतम आयु है, न कि चुनाव लड़ने की।
- 21 वर्ष: यह राजस्थान ज़िला परिषद चुनावों सहित भारत में अधिकांश पंचायती राज संस्थाओं (जैसे ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, ज़िला परिषद) के चुनावों के लिए कानूनी तौर पर निर्धारित न्यूनतम आयु है।

- 25 वर्ष: यह भारत में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनावों के लिए न्यूनतम आयु है।
- 10 वर्ष: यह आयु सीमा किसी भी प्रकार के चुनावी पात्रता के लिए प्रासंगिक नहीं है।

इसलिए, राजस्थान में ज़िला परिषद के चुनाव में भाग लेने के लिए न्यूनतम आवश्यक आयु **21 वर्ष** है।

56. Answer: b

Explanation:

जल संरक्षण: राजस्थान की लघु जल संरचना योजना

राजस्थान, एक अर्ध-शुष्क राज्य होने के नाते, पारंपरिक रूप से जल संरक्षण की तकनीकों पर निर्भर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में, विशेष रूप से जहाँ पानी की उपलब्धता एक चुनौती है, **लघु जल संरचनाओं** (small water structures) के माध्यम से **जल संरक्षण** (water conservation) अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन संरचनाओं में छोटे तालाब, चेक डैम, फार्म पांड, टांका (पारंपरिक भूमिगत जल भंडारण टैंक) आदि शामिल हैं, जो वर्षा जल को इकट्ठा करने और भूजल स्तर को रिचार्ज करने में मदद करते हैं।

मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान (MJSA)

मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान (Mukhyamantri Jal Swavalamban Abhiyan - MJSA) राजस्थान सरकार द्वारा शुरू की गई एक प्रमुख योजना है जिसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण और जल सुरक्षा को बढ़ावा देना है। इस अभियान के तहत:

- **लघु जल संरचनाओं** के निर्माण और जीर्णोद्धार पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है।
- इसका लक्ष्य गांवों को जल के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है।
- यह वर्षा जल संचयन (rainwater harvesting) और भूजल पुनर्भरण (groundwater recharge) को प्रोत्साहित करता है।
- अभियान विशेष रूप से उन क्षेत्रों में लागू किया गया है जहाँ पानी की गंभीर कमी है।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण

अन्य दिए गए विकल्पों की तुलना में, **मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान** सीधे तौर पर ग्रामीण राजस्थान में **लघु जल संरचनाओं** के माध्यम से **जल संरक्षण** के उद्देश्य से कार्य करता है।

- **जल जीवन मिशन:** यह मुख्य रूप से हर घर में नल के माध्यम से सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने पर केंद्रित है, न कि ग्रामीण क्षेत्रों में लघु जल संरचनाओं द्वारा जल संरक्षण पर।

- **नीर विधि योजना और पानी बचाओ योजना:** ये नाम या तो सामान्य हैं या MJSA की तरह विशिष्ट और बड़े पैमाने पर लागू की गई योजना का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं, जिसका मुख्य फोकस लघु जल संरचनाओं पर हो।

अतः, ग्रामीण राजस्थान में **लघु जल संरचना** के माध्यम से **जल संरक्षण** की सबसे प्रासंगिक और कार्यरत योजना **मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान** है।

57. Answer: b

Explanation:

RIICO का गठन और RSIMDC से अलगाव

यह प्रश्न राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (RIICO) के गठन के बारे में है। विशेष रूप से, यह पूछता है कि यह निगम राजस्थान राज्य औद्योगिक एवं खनिज विकास निगम (RSIMDC) से किस वर्ष अलग होकर अपने वर्तमान स्वरूप में आया।

RIICO और RSIMDC की भूमिका

- **राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (RIICO):** यह राजस्थान सरकार का एक प्रमुख उपक्रम है जो राज्य में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने, उद्योगों के लिए भूमि आवंटन, बुनियादी ढांचे के विकास और निवेश को आकर्षित करने का कार्य करता है।
- **राजस्थान राज्य औद्योगिक एवं खनिज विकास निगम (RSIMDC):** यह निगम भी राजस्थान में औद्योगिक और खनिज संसाधनों के विकास से जुड़ा था।

अलगाव और वर्तमान स्वरूप

समय के साथ, संगठनात्मक पुनर्गठन की आवश्यकता महसूस की गई। इसी प्रक्रिया के तहत, औद्योगिक विकास और निवेश को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए **RIICO** को **RSIMDC** से अलग कर एक स्वतंत्र इकाई के रूप में स्थापित किया गया।

यह महत्वपूर्ण अलगाव और RIICO के अपने वर्तमान स्वरूप में अस्तित्व में आने का वर्ष **1980** है। इस वर्ष RIICO ने RSIMDC से अलग होकर स्वतंत्र रूप से कार्य करना शुरू किया, जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य में औद्योगिक परिदृश्य को और अधिक गति देना था।

निष्कर्ष

इसलिए, राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम (RIICO), राजस्थान राज्य औद्योगिक एवं खनिज विकास निगम (RSIMDC) से वर्ष 1980 में अलग होकर वर्तमान स्वरूप में अस्तित्व में आया।

58. Answer: c

Explanation:

The solution will be uploaded soon

59. Answer: c

Explanation:

राजस्थान में राज्य वित्त आयोग की भूमिका

राजस्थान में राज्य वित्त आयोग (State Finance Commission) एक महत्वपूर्ण संवैधानिक निकाय है। इसका मुख्य कार्य राज्य के भीतर पंचायती राज संस्थाओं और नगरपालिकाओं के वित्तीय स्थिति की समीक्षा करना है। यह आयोग इन स्थानीय सरकारी निकायों और राज्य सरकार के बीच करों, शुल्कों, टोलों और फीस से प्राप्त आय के वितरण के सिद्धांतों को निर्धारित करने की सिफारिशें करता है। साथ ही, यह अनुदान-सहायता (grants-in-aid) के सिद्धांतों पर भी सिफारिशें प्रदान करता है।

गठन की अवधि: संवैधानिक प्रावधान

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-1 के तहत राज्य के राज्यपाल द्वारा पंचायतों के लिए और अनुच्छेद 243-2 के तहत नगरपालिकाओं के लिए राज्य वित्त आयोग का गठन किया जाता है। इन अनुच्छेदों के अनुसार, आयोग का गठन प्रत्येक **पांच वर्ष** की अवधि के बाद या उससे पहले आवश्यक समझे जाने पर किया जाता है। इसलिए, राजस्थान में भी राज्य वित्त आयोग का गठन प्रत्येक **5 वर्ष** में किया जाता है ताकि स्थानीय निकायों की वित्तीय जरूरतों और उनकी कार्यप्रणाली का नियमित मूल्यांकन हो सके।

सही उत्तर का विश्लेषण

प्रश्न पूछता है कि राजस्थान में राज्य वित्त आयोग का गठन प्रत्येक कितने वर्षों में किया जाता है। संवैधानिक प्रावधानों और आयोग की कार्यप्रणाली के अनुसार, यह एक नियमित अंतराल पर होता है

ताकि स्थानीय स्वशासन की वित्तीय व्यवस्था सुचारु रूप से चलती रहे।

- आयोग का गठन भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243-1 (पंचायतों के लिए) और 243-Y (नगरपालिकाओं के लिए) के तहत होता है।
- इन अनुच्छेदों में स्पष्ट रूप से उल्लेखित है कि आयोग का गठन प्रत्येक **पांच वर्ष** में किया जाना चाहिए।
- इसलिए, राजस्थान में राज्य वित्त आयोग का कार्यकाल **5 वर्ष** का होता है।

दिए गए विकल्पों में से, **5 वर्ष** सही अवधि है।

60. Answer: b

Explanation:

ISP का पूरा मतलब समझें

आई.एस.पी. (ISP) एक संक्षिप्त नाम है जिसका उपयोग इंटरनेट से संबंधित सेवा प्रदाता के लिए किया जाता है। आइए इस संक्षिप्त नाम के विस्तृत अर्थ को समझते हैं।

ISP का विस्तृत रूप

आई.एस.पी. (ISP) का मतलब होता है:

- **I** - Internet (इंटरनेट)
- **S** - Service (सर्विस)
- **P** - Provider (प्रोवाइडर)

इसलिए, आई.एस.पी. का पूरा नाम **इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर** है।

विकल्पों का विश्लेषण

प्रश्न में आई.एस.पी. (ISP) के लिए सही पूर्ण रूप पूछा गया है। दिए गए विकल्पों में से:

1. इंडियन सर्विस प्रोवाइडर - यह गलत है क्योंकि 'I' का मतलब 'इंटरनेट' है, 'इंडियन' नहीं।
2. **इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर** - यह सही है, क्योंकि यह ISP के संक्षिप्त नाम के प्रत्येक अक्षर से मेल खाता है।
3. इंटरनेट सर्विस पोर्ट - यह गलत है क्योंकि 'P' का मतलब 'पोर्ट' नहीं, 'प्रोवाइडर' है।

4. इंटरलिंकड सिस्टम प्रोवाइडर - यह गलत है क्योंकि 'I' का मतलब 'इंटरनेट' है, 'इंटरलिंकड सिस्टम' नहीं।

इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर (ISP) क्या है?

एक इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर (ISP) वह कंपनी या संगठन है जो व्यक्तियों और अन्य कंपनियों को इंटरनेट तक पहुंच (एक्सेस) प्रदान करता है। ये कंपनियाँ विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करती हैं, जैसे कि डायल-अप, DSL, केबल, फाइबर ऑप्टिक, और वायरलेस। बिना ISP के, हम इंटरनेट से जुड़ नहीं सकते।

निष्कर्ष

आई.एस.पी. (ISP) का सही पूर्ण रूप **इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर** है। यह वह सेवा है जो हमें इंटरनेट से जुड़ने में सक्षम बनाती है।

61. Answer: b

Explanation:

संतरे की खेती के लिए राजस्थान का प्रसिद्ध जिला

राजस्थान एक ऐसा राज्य है जहाँ विभिन्न प्रकार की फसलें उगाई जाती हैं। फलों की खेती भी यहाँ के कृषि परिदृश्य का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रश्न पूछता है कि राजस्थान का कौन सा जिला विशेष रूप से **संतरे की खेती** के लिए प्रसिद्ध है।

मुख्य बिंदु

- संतरे की खेती के लिए राजस्थान का सबसे प्रसिद्ध जिला **झालावाड़** है।
- झालावाड़ जिले की जलवायु और मिट्टी संतरे की पैदावार के लिए काफी अनुकूल मानी जाती है।
- इस जिले में संतरे का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है, जिसके कारण इसे अक्सर 'संतरा नगरी' के रूप में भी जाना जाता है।
- यहाँ उगाए जाने वाले संतरे अपनी गुणवत्ता और स्वाद के लिए पहचाने जाते हैं।

अन्य जिलों का संदर्भ

विकल्पों में दिए गए अन्य जिलों पर भी विचार करते हैं:

- **गंगानगर:** यह जिला मुख्य रूप से गेहूं, कपास, सरसों और गन्ने जैसी फसलों के लिए प्रसिद्ध है।
- **अजमेर:** अजमेर जिले में विभिन्न प्रकार की अनाज और सब्जियों की खेती होती है, लेकिन यह संतरे के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध नहीं है।
- **सवाई माधोपुर:** यह जिला अपनी वन्यजीव अभयारण्यों और कुछ हद तक कृषि उपज के लिए जाना जाता है, पर संतरे की प्रमुख खेती यहाँ नहीं होती।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि संतरे की खेती के लिए राजस्थान का सबसे प्रसिद्ध जिला **झालावाड़** है।

62. Answer: b

Explanation:

आमाशय में अम्ल की भूमिका

आमाशय, जिसे पेट भी कहा जाता है, पाचन तंत्र का एक महत्वपूर्ण अंग है। इसका मुख्य कार्य भोजन को संग्रहित करना, उसे मिश्रित करना और फिर उसे छोटी आंत में भेजना है। इस प्रक्रिया में, आमाशय एक विशेष प्रकार का अम्ल उत्पन्न करता है जो भोजन को तोड़ने और हानिकारक सूक्ष्मजीवों को मारने में मदद करता है।

हाइड्रोक्लोरिक अम्ल: आमाशय का मुख्य अम्ल

आमाशय में मुख्य रूप से **हाइड्रोक्लोरिक अम्ल** पाया जाता है। इसका रासायनिक सूत्र HCl है। यह अम्ल आमाशय की दीवारों में मौजूद विशेष कोशिकाओं (ऑक्जंटिक कोशिकाएं) द्वारा स्रावित होता है।

हाइड्रोक्लोरिक अम्ल के कार्य:

- **जीवाणुनाशक:** यह भोजन के साथ आने वाले अधिकांश बैक्टीरिया और अन्य रोगजनकों को नष्ट कर देता है, जिससे संक्रमण का खतरा कम होता है।
- **एंजाइम सक्रियण:** यह पेप्सिनोजेन नामक एंजाइम को उसके सक्रिय रूप, पेप्सिन, में बदलने में मदद करता है। पेप्सिन प्रोटीन पाचन के लिए आवश्यक है।

- **भोजन को नरम करना:** यह भोजन को नरम और पचाने योग्य बनाने में सहायता करता है।

अन्य अम्लों पर विचार

प्रश्न में दिए गए अन्य विकल्प भी अम्ल हैं, लेकिन वे सामान्यतः आमाशय में नहीं पाए जाते हैं:

- **नाइट्रिक अम्ल (HNO_3):** यह एक बहुत शक्तिशाली अम्ल है जिसका उपयोग औद्योगिक रूप से किया जाता है, न कि पाचन के लिए।
- **सिट्रिक अम्ल ($\text{C}_6\text{H}_8\text{O}_7$):** यह खट्टे फलों जैसे नींबू और संतरे में पाया जाता है और पाचन में इसकी सीधी भूमिका आमाशय में नहीं होती है।
- **ऐसीटिक अम्ल (CH_3COOH):** यह सिरके का मुख्य घटक है और आमाशय के रस का हिस्सा नहीं है।

इसलिए, आमाशय में पाया जाने वाला मुख्य अम्ल **हाइड्रोक्लोरिक अम्ल** है।

63. Answer: b

Explanation:

दो संख्याओं का गुणनफल और अनुपात ज्ञात करना

प्रश्न: दो संख्याओं का गुणनफल 0.03 है और उनमें से एक संख्या दूसरी संख्या का $\frac{1}{12}$ है। संख्याओं को ज्ञात कीजिए।

हल करने की विधि

इस प्रश्न को हल करने के लिए, हम बीजगणित का उपयोग करेंगे। मान लीजिए कि वे दो संख्याएँ x और y हैं।

प्रश्न के अनुसार, हमें निम्नलिखित दो मुख्य जानकारी दी गई हैं:

- पहली शर्त यह है कि दोनों संख्याओं का गुणनफल 0.03 है। इसे एक समीकरण के रूप में इस प्रकार लिखा जा सकता है: $x \times y = 0.03$ (1)
- दूसरी शर्त यह है कि एक संख्या दूसरी संख्या का $\frac{1}{12}$ है। हम मान सकते हैं कि x संख्या y का $\frac{1}{12}$ है। इसे समीकरण के रूप में इस प्रकार लिखा जा सकता है: $x = \frac{1}{12}y$ (2)

समीकरणों को हल करना

अब हमारे पास दो चर (x और y) और दो समीकरण हैं। हम समीकरण (2) से x के मान को समीकरण (1) में प्रतिस्थापित करके इन समीकरणों को हल कर सकते हैं।

समीकरण (1) में $x = \frac{1}{12}y$ रखने पर:

$$\left(\frac{1}{12}y\right) \times y = 0.03$$

अब, हम इस समीकरण को y के लिए हल करेंगे:

$$\frac{y^2}{12} = 0.03$$

y^2 का मान ज्ञात करने के लिए, समीकरण के दोनों पक्षों को 12 से गुणा करें:

$$y^2 = 0.03 \times 12$$

$$y^2 = 0.36$$

y का मान ज्ञात करने के लिए, 0.36 का वर्गमूल लें:

$$y = \sqrt{0.36}$$

$$y = 0.6$$

अब जब हमें y का मान (0.6) मिल गया है, तो हम समीकरण (2) का उपयोग करके x का मान आसानी से ज्ञात कर सकते हैं:

$$x = \frac{1}{12}y$$

$$x = \frac{1}{12} \times 0.6$$

$$x = \frac{0.6}{12}$$

$$x = 0.05$$

उत्तर की पुष्टि

हमें प्राप्त संख्याएँ 0.6 और 0.05 हैं। आइए जाँच करें कि क्या ये दोनों मूल शर्तों को पूरा करती हैं:

- **गुणनफल की जाँच:** क्या $0.6 \times 0.05 = 0.03$? गणना करने पर, $0.6 \times 0.05 = 0.03$. यह शर्त पूरी होती है।
- **अनुपात की जाँच:** क्या 0.05, 0.6 का $\frac{1}{12}$ है? गणना करने पर, $\frac{1}{12} \times 0.6 = \frac{0.6}{12} = 0.05$. यह शर्त भी पूरी होती है।

चूंकि दोनों संख्याएँ दी गई शर्तों को पूरा करती हैं, हमारा हल सही है।

निष्कर्ष

इसलिए, दी गई शर्तों को पूरा करने वाली दो संख्याएँ 0.6 और 0.05 हैं।

64. Answer: c

Explanation:

दिशा आधारित प्रश्न का समाधान

यह प्रश्न एक तार्किक पहेली है जहाँ हमें जॉन की अंतिम दिशा का पता लगाना है, जो उसके द्वारा लिए गए कदमों और मोड़ों पर आधारित है।

चरण-दर-चरण विश्लेषण

1. **प्रारंभिक दिशा:** जॉन सबसे पहले उत्तर (North) दिशा की ओर 10 मीटर चलता है। इस समय उसका मुँह उत्तर की ओर है।
2. **पहला मोड़:** इसके बाद, वह दायें (Right) मुड़ता है। जब कोई उत्तर दिशा की ओर मुँह करके खड़ा होता है और दायें मुड़ता है, तो वह पूर्व (East) दिशा की ओर उन्मुख हो जाता है। वह 5 मीटर इस दिशा में चलता है।
3. **दूसरा मोड़:** अब, जॉन फिर से दायें (Right) मुड़ता है। जब वह पूर्व दिशा की ओर मुँह करके खड़ा है और दायें मुड़ता है, तो वह दक्षिण (South) दिशा की ओर उन्मुख हो जाता है। वह 10 मीटर इस दिशा में चलता है।

अंतिम दिशा निर्धारण

सभी चालें और मोड़ पूरे करने के बाद, जॉन की अंतिम दिशा दक्षिण (South) है।

निष्कर्ष

प्रश्न के अनुसार, जॉन के चलने के क्रम को ध्यान में रखते हुए, वह अंत में दक्षिण दिशा की ओर मुँह करके खड़ा है।

सही उत्तर: दक्षिण

65. Answer: d

Explanation:

भारत में कानून बनाने की संस्था

किसी भी देश के शासन के लिए कानून अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। भारत में, जहाँ संघीय व्यवस्था और संसदीय प्रणाली है, वहीं कानून बनाने की एक विशेष प्रक्रिया और जिम्मेदार संस्थाएं निर्धारित हैं। प्रश्न पूछता है कि **भारत में कानून बनाने की जिम्मेदारी** किस **संस्था** की है।

संसद की भूमिका

भारत की **संसद** देश की सर्वोच्च विधि-निर्माता (law-making) संस्था है। इसके दो सदन होते हैं:

- **लोकसभा:** यह जनता का सदन है, जिसके सदस्य सीधे जनता द्वारा चुने जाते हैं।
- **राज्यसभा:** यह राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाला सदन है, जिसके सदस्य अप्रत्यक्ष रूप से चुने जाते हैं।

जब कोई विधेयक (बिल) संसद में प्रस्तुत किया जाता है, तो उसे दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) द्वारा पारित किया जाना आवश्यक होता है। इसके बाद, राष्ट्रपति की सहमति मिलने पर वह विधेयक कानून का रूप ले लेता है। इसलिए, **कानून बनाने** का कार्य **संसद** द्वारा ही किया जाता है।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण

अन्य दिए गए विकल्प कानून बनाने की प्रक्रिया में सीधे तौर पर शामिल नहीं हैं:

- **न्यायपालिका:** इसका मुख्य कार्य संविधान की व्याख्या करना और कानूनों को लागू करवाना है। यह सुनिश्चित करती है कि कानून संवैधानिक हों, लेकिन यह स्वयं कानून नहीं बनाती।

- **कार्यपालिका:** यह सरकार का वह अंग है जो संसद द्वारा बनाए गए कानूनों को देश में लागू करने के लिए जिम्मेदार है।
- **चुनाव आयोग:** यह भारत में लोकसभा, राज्यसभा, राज्य विधानसभाओं और राष्ट्रपति/उपराष्ट्रपति के चुनावों का संचालन करने वाली एक स्वतंत्र संस्था है। इसका कानून बनाने से कोई संबंध नहीं है।

इस प्रकार, यह स्पष्ट होता है कि भारत में कानून बनाने की जिम्मेदारी मुख्य रूप से संसद की है।

66. Answer: c

Explanation:

URL का पूर्ण विस्तार समझें

यू.आर.एल. (URL) का मतलब किसी वेब पेज या इंटरनेट पर मौजूद किसी भी संसाधन (जैसे चित्र, वीडियो, या दस्तावेज़) का एक विशिष्ट पता होता है। यह हमें बताता है कि वह संसाधन कहाँ स्थित है और उस तक कैसे पहुँचा जा सकता है।

URL के प्रत्येक अक्षर का अर्थ

आइए URL के प्रत्येक अक्षर को तोड़कर समझें:

- **U** - यूनिफॉर्म (Uniform): इसका अर्थ है 'एक समान'। यह दर्शाता है कि URL एक मानकीकृत प्रारूप का पालन करता है, जिससे दुनिया भर में किसी भी वेब ब्राउज़र द्वारा इसे समझा जा सके।
- **R** - रिसोर्स (Resource): इसका अर्थ है 'संसाधन'। यह वेब पर मौजूद किसी भी चीज़ का उल्लेख कर सकता है, जैसे कि एक वेब पेज, एक छवि, या एक फ़ाइल।
- **L** - लोकेटर (Locator): इसका अर्थ है 'स्थान बताने वाला' या 'पता'। यह बताता है कि वह विशेष संसाधन इंटरनेट पर कहाँ स्थित है।

विकल्पों का विश्लेषण

आइए दिए गए विकल्पों को देखें:

- **विकल्प 1: यूनिवर्सल रिसोर्स लिंक** - यहाँ 'यूनिवर्सल' (Universal) शब्द का प्रयोग किया गया है, जो 'यूनिफॉर्म' (Uniform) का सही पर्याय नहीं है। साथ ही, 'लिंक' (Link) शब्द 'लोकेटर' (Locator) की तुलना में कम सटीक है।

- विकल्प 2: यूनिवर्सल रिसोर्स लोकेटर - इस विकल्प में भी 'यूनिवर्सल' शब्द का प्रयोग गलत है।
- विकल्प 3: यूनिफॉर्म रिसोर्स लोकेटर - यह URL का सही और पूर्ण विस्तार है। 'यूनिफॉर्म' (एक समान मानक) और 'लोकेटर' (स्थान बताने वाला) दोनों शब्द सटीक हैं।
- विकल्प 4: यूनिफॉर्म रिसोर्स लिंक - यहाँ 'लिंक' शब्द 'लोकेटर' की जगह इस्तेमाल किया गया है, जो कि सही नहीं है क्योंकि URL केवल एक लिंक नहीं, बल्कि उस संसाधन का पता (स्थान) बताता है।

निष्कर्ष

इसलिए, URL का सही पूर्ण विस्तार **यूनिफॉर्म रिसोर्स लोकेटर** (Uniform Resource Locator) है। यह वह मानक पता है जिसका उपयोग वेब पर संसाधनों को खोजने और उन तक पहुँचने के लिए किया जाता है।

67. Answer: c

Explanation:

श्रेणी पैटर्न को समझना

यह प्रश्न एक अक्षर श्रृंखला (alphabetical series) को पूरा करने के बारे में है। हमें दिए गए पैटर्न JAK, KBL, LCM, MDN का विश्लेषण करके अगले पद का पता लगाना है।

पैटर्न का विश्लेषण

श्रृंखला के प्रत्येक पद में तीन अक्षर होते हैं। आइए हम प्रत्येक अक्षर की स्थिति के अनुसार पैटर्न का विश्लेषण करें:

पहले अक्षर का पैटर्न

- पहला पद: J
- दूसरा पद: K
- तीसरा पद: L
- चौथा पद: M

अंग्रेजी वर्णमाला में, ये अक्षर क्रमशः 10वें, 11वें, 12वें और 13वें स्थान पर आते हैं। पैटर्न यह है कि प्रत्येक अगले पद का पहला अक्षर पिछले पद के पहले अक्षर से एक स्थान आगे है।

- $J (10) \rightarrow K (11)$
- $K (11) \rightarrow L (12)$
- $L (12) \rightarrow M (13)$

इसलिए, अगले पद का पहला अक्षर $M (13)$ के बाद आने वाला अक्षर होगा, जो $N (14)$ है।

दूसरे अक्षर का पैटर्न

- पहला पद: **A**
- दूसरा पद: **B**
- तीसरा पद: **C**
- चौथा पद: **D**

अंग्रेजी वर्णमाला में, ये अक्षर क्रमशः पहले, दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर आते हैं। पैटर्न यह है कि प्रत्येक अगले पद का दूसरा अक्षर पिछले पद के दूसरे अक्षर से एक स्थान आगे है।

- $A (1) \rightarrow B (2)$
- $B (2) \rightarrow C (3)$
- $C (3) \rightarrow D (4)$

इसलिए, अगले पद का दूसरा अक्षर $D (4)$ के बाद आने वाला अक्षर होगा, जो $E (5)$ है।

तीसरे अक्षर का पैटर्न

- पहला पद: **K**
- दूसरा पद: **L**
- तीसरा पद: **M**
- चौथा पद: **N**

अंग्रेजी वर्णमाला में, ये अक्षर क्रमशः 11वें, 12वें, 13वें और 14वें स्थान पर आते हैं। पैटर्न यह है कि प्रत्येक अगले पद का तीसरा अक्षर पिछले पद के तीसरे अक्षर से एक स्थान आगे है।

- $K (11) \rightarrow L (12)$
- $L (12) \rightarrow M (13)$
- $M (13) \rightarrow N (14)$

इसलिए, अगले पद का तीसरा अक्षर N (14) के बाद आने वाला अक्षर होगा, जो O (15) है।

अगले पद का निर्धारण

विश्लेषण के आधार पर, अगले पद के अक्षर हैं:

- पहला अक्षर: N
- दूसरा अक्षर: E
- तीसरा अक्षर: O

अतः, श्रृंखला का अगला पद **NEO** है।

68. Answer: a

Explanation:

त्रिभुज के कोणों का योग गुण समझना

किसी भी त्रिभुज की सबसे महत्वपूर्ण ज्यामितीय विशेषताओं में से एक यह है कि उसके तीनों आंतरिक कोणों का योग हमेशा एक निश्चित मान के बराबर होता है।

- **त्रिभुज के कोणों का योग:** त्रिभुज के तीन आंतरिक कोणों का योग हमेशा 180° होता है। इसे गणितीय रूप से इस प्रकार व्यक्त किया जा सकता है: $\angle_1 + \angle_2 + \angle_3 = 180^\circ$

दिए गए मानों का विश्लेषण

प्रश्न में हमें निम्नलिखित जानकारी दी गई है:

- त्रिभुज के किन्हीं दो कोणों का योग 120° है।
- हमें तीसरे कोण का मान ज्ञात करना है।

तीसरे कोण की गणना

हम त्रिभुज के कोणों के योग गुण का उपयोग करके तीसरे कोण का मान आसानी से ज्ञात कर सकते हैं।

माना त्रिभुज के तीन कोण A , B , और C हैं।

हम जानते हैं कि:

$$A + B + C = 180^\circ$$

प्रश्न के अनुसार, मान लीजिए कोण A और कोण B का योग 120° है:

$$A + B = 120^\circ$$

अब, इस मान को कोणों के योग वाले सूत्र में रखें:

$$(A + B) + C = 180^\circ \quad 120^\circ + C = 180^\circ$$

तीसरे कोण (C) का मान ज्ञात करने के लिए, हम 180° में से 120° घटाएंगे:

$$C = 180^\circ - 120^\circ \quad C = 60^\circ$$

निष्कर्ष

इस प्रकार, त्रिभुज के तीसरे कोण का परिमाण 60° है।

69. Answer: c

Explanation:

प्रश्न का विश्लेषण

यह प्रश्न हमसे पूछता है कि संख्या 50 का कितना प्रतिशत (percentage) संख्या 12 के बराबर होता है। हमें यह प्रतिशत मान ज्ञात करना है।

हल: प्रतिशत ज्ञात करना

मान लीजिए कि 50 का वह अज्ञात प्रतिशत x है।

इस समस्या को हम एक समीकरण के रूप में लिख सकते हैं:

$$x\% \text{ of } 50 = 12$$

प्रतिशत को भिन्न (fraction) में बदलने पर:

$$\frac{x}{100} \times 50 = 12$$

चरण-दर-चरण गणना

1. सबसे पहले, समीकरण को सरल करते हैं:

$$\frac{50 \times x}{100} = 12$$

2. अब, भिन्न $\frac{50}{100}$ को सरल करते हैं, जो $\frac{1}{2}$ होता है:

$$\frac{1}{2} \times x = 12$$

या

$$\frac{x}{2} = 12$$

3. अंत में, x का मान निकालने के लिए समीकरण को हल करते हैं। दोनों तरफ 2 से गुणा करने पर:

$$x = 12 \times 2$$

$$x = 24$$

निष्कर्ष

गणना के अनुसार, 50 का 24% 12 होता है।

सही विकल्प की पहचान

प्रश्नोत्तर विकल्पों को देखने पर, विकल्प 3 (24%) हमारे गणना किए गए उत्तर से मेल खाता है।

70. Answer: c

Explanation:

केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान की प्रसिद्धि

केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, जिसे पहले भरतपुर पक्षी विहार के नाम से जाना जाता था, भारत के राजस्थान राज्य में स्थित एक प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यान है। यह यूनेस्को (UNESCO) की विश्व धरोहर स्थल सूची में शामिल है और मुख्य रूप से अपनी शानदार पक्षी विविधता के लिए विश्व स्तर पर प्रसिद्ध है।

मुख्य आकर्षण: प्रवासी पक्षी

इस राष्ट्रीय उद्यान की सबसे बड़ी विशेषता यहाँ आने वाले **प्रवासी पक्षी** (Migratory Birds) हैं। हर साल सर्दियों के मौसम में, हजारों की संख्या में विभिन्न प्रजातियों के प्रवासी पक्षी हजारों किलोमीटर दूर मध्य एशिया, साइबेरिया और अन्य सुदूर क्षेत्रों से यहाँ प्रजनन और भोजन के लिए आते हैं। यह आर्द्रभूमि (wetland) इन पक्षियों के लिए एक महत्वपूर्ण आश्रय स्थल प्रदान करती है।

- यहाँ पाई जाने वाली पक्षियों की प्रजातियों में सारस क्रेन, साइबेरियन क्रेन (हालांकि इनकी संख्या बहुत कम हो गई है), पेलिकन, बगुले, बटेर, चील, बाज और विभिन्न प्रकार के जलपक्षी शामिल हैं।
- यह स्थान पक्षी प्रेमियों और फोटोग्राफरों के लिए स्वर्ग माना जाता है।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण

हालांकि भारत के अन्य राष्ट्रीय उद्यानों में बाघ, मगरमच्छ और तेंदुए पाए जाते हैं, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान की मुख्य और अद्वितीय प्रसिद्धि **प्रवासी पक्षियों** के आश्रय स्थल के रूप में है। इन प्रजातियों की उपस्थिति यहाँ के पारिस्थितिकी तंत्र और पर्यटन के लिए सर्वोपरि है।

इसलिए, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान विशेष रूप से **प्रवासी पक्षियों** के लिए प्रसिद्ध है।

71. Answer: d

Explanation:

हाड़ौती क्षेत्र में काली मिट्टी की बहुतायत

यह प्रश्न राजस्थान के किस क्षेत्र में काली मिट्टी (Black Soil) प्रचुर मात्रा में पाई जाती है, इसके बारे में पूछता है। काली मिट्टी, जिसे 'रेगुर' या 'कपासी मिट्टी' भी कहा जाता है, अपने विशिष्ट गुणों के लिए जानी जाती है।

काली मिट्टी की विशेषताएं

- यह मिट्टी चिकनी (clayey) होती है और इसमें नमी सोखने और बनाए रखने की उच्च क्षमता होती है।
- यह आमतौर पर नाइट्रोजन और जैविक पदार्थों में थोड़ी कम होती है, लेकिन चूना, पोटाश, मैग्नीशियम और एल्यूमीनियम जैसे तत्वों से भरपूर होती है।
- इसकी जल धारण क्षमता अच्छी होती है, जो इसे कपास, ज्वार, बाजरा और गेहूँ जैसी फसलों के लिए उपयुक्त बनाती है।

राजस्थान में मिट्टी का वितरण

राजस्थान एक विशाल राज्य है और यहाँ विभिन्न प्रकार की मिट्टियाँ पाई जाती हैं, जिनमें रेतीली, लाल, पीली, मिश्रित लाल और काली मिट्टी शामिल हैं। मिट्टी का प्रकार मुख्य रूप से क्षेत्र की भूवैज्ञानिक संरचना, जलवायु और स्थलाकृति पर निर्भर करता है।

हाड़ौती क्षेत्र और काली मिट्टी

प्रस्तुत विकल्पों में से, **हाड़ौती क्षेत्र** (जिसमें कोटा, बूंदी, बारां और झालावाड़ जिले शामिल हैं) वह क्षेत्र है जहाँ काली मिट्टी बहुतायत में पाई जाती है।

- इस क्षेत्र की उत्पत्ति दक्षिण के पठार (Deccan Traps) के विस्तार के कारण हुई है, जो ज्वालामुखी क्रिया से बने हैं।
- यहाँ की काली मिट्टी बेसाल्टिक चट्टानों के अपक्षय (weathering) से बनी है, जो इसे इसका विशिष्ट काला रंग और गुण प्रदान करती है।
- इस क्षेत्र में अच्छी सिंचाई सुविधाओं के साथ, काली मिट्टी कपास, सोयाबीन, धनिया और गेहूँ जैसी फसलों के लिए बहुत उपयोगी है।

अन्य क्षेत्रों की मिट्टी

- **मारवाड़ क्षेत्र** मुख्य रूप से रेतीली और थोड़ी पीली मिट्टी वाला है, जो जोधपुर, पाली, बाड़मेर जैसे जिलों में फैला है।
- **शेखावाटी क्षेत्र** (सीकर, झुंझनू, चूरु) भी बड़े पैमाने पर रेतीले और शुष्क क्षेत्रों वाला है।
- **मेवाड़ क्षेत्र** (उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़) में मिश्रित लाल, पीली और कभी-कभी हल्की काली मिट्टी का मिश्रण पाया जा सकता है, लेकिन काली मिट्टी की बहुतायत हाड़ौती जितनी नहीं है।

इसलिए, राजस्थान में काली मिट्टी की प्रचुरता के लिए हाड़ौती क्षेत्र सबसे उपयुक्त है।

Explanation:

मानव श्वसन के लिए आवश्यक गैस को समझना

यह प्रश्न पूछता है कि मनुष्य के जीवित रहने और सांस लेने की प्रक्रिया के लिए कौन सी गैस सबसे ज़रूरी है। श्वसन एक जटिल प्रक्रिया है जिसमें हम हवा लेते हैं और छोड़ते हैं, और इस प्रक्रिया में विभिन्न गैसों शामिल होती हैं।

श्वसन प्रक्रिया और गैसों की भूमिका

श्वसन वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा जीवित जीव ऊर्जा प्राप्त करने के लिए भोजन को तोड़ते हैं। मानव श्वसन में, हम मुख्य रूप से दो चरणों का अनुभव करते हैं: सांस लेना (ऑक्सीजन अंदर लेना) और सांस छोड़ना (कार्बन डाइऑक्साइड बाहर निकालना)। शरीर को ठीक से काम करने के लिए इन गैसों का संतुलन महत्वपूर्ण है।

विभिन्न गैसों का विश्लेषण

आइए दिए गए विकल्पों पर एक नज़र डालें और समझें कि वे मानव श्वसन में क्या भूमिका निभाते हैं:

- **ऑक्सीजन (O_2):** यह वह गैस है जिसे हम सांस लेने के दौरान अपने फेफड़ों में लेते हैं। हमारे शरीर की प्रत्येक कोशिका को कार्य करने और ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। यह प्रक्रिया कोशिकीय श्वसन कहलाती है, जहाँ ऑक्सीजन का उपयोग पोषक तत्वों को ऊर्जा, पानी और कार्बन डाइऑक्साइड में बदलने के लिए किया जाता है। इसलिए, मानव श्वसन के लिए ऑक्सीजन अनिवार्य है।
- **कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2):** यह कोशिकीय श्वसन का एक उप-उत्पाद (waste product) है। जब कोशिकाएं ऊर्जा बनाती हैं, तो वे कार्बन डाइऑक्साइड का उत्पादन करती हैं। इस गैस को शरीर से बाहर निकालना आवश्यक है, और हम इसे सांस छोड़ने की क्रिया के माध्यम से करते हैं। यह श्वसन के लिए अनिवार्य नहीं है, बल्कि एक अपशिष्ट उत्पाद है जिसे बाहर निकालना होता है।
- **नाइट्रोजन (N_2):** नाइट्रोजन हमारे वायुमंडल का लगभग 78% हिस्सा है। हालांकि यह सांस लेने वाली हवा का एक बड़ा हिस्सा है, लेकिन मानव शरीर इसका सीधे तौर पर ऊर्जा उत्पादन या अन्य महत्वपूर्ण कार्यों के लिए उपयोग नहीं करता है। यह काफी हद तक निष्क्रिय गैस है जो फेफड़ों में प्रवेश करती है और बाहर निकल जाती है।
- **हाइड्रोजन (H_2):** हाइड्रोजन एक बहुत हल्की गैस है और यह मानव श्वसन प्रक्रिया का एक सीधा हिस्सा नहीं है।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि मानव शरीर के लिए ऊर्जा उत्पादन और जीवन को बनाए रखने के लिए **ऑक्सीजन** नामक गैस अनिवार्य है।

73. Answer: a

Explanation:

राजस्थान हरित ऊर्जा गलियारा का उद्देश्य

'हरित ऊर्जा गलियारा' (Green Energy Corridor - GEC) भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण योजना है जिसका लक्ष्य देश में सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों से उत्पन्न बिजली को राष्ट्रीय ग्रिड में कुशलतापूर्वक शामिल करना है। राजस्थान, अपनी विशाल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के कारण, इस परियोजना के लिए एक प्रमुख राज्य है।

मुख्य लक्ष्य: सौर और पवन ऊर्जा संचरण

राजस्थान में, हरित ऊर्जा गलियारा परियोजना विशेष रूप से **सौर और पवन ऊर्जा के संचरण** (transmission) को बेहतर बनाने पर केंद्रित है। इस परियोजना के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- सौर और पवन ऊर्जा संयंत्रों से उत्पन्न बिजली को प्रभावी ढंग से राष्ट्रीय ग्रिड तक पहुंचाना।
- इसके लिए आवश्यक ट्रांसमिशन लाइनों और सबस्टेशन जैसी अवसंरचना का निर्माण और उन्नयन करना।
- नवीकरणीय ऊर्जा की परिवर्तनशील प्रकृति (intermittency) के बावजूद ग्रिड की स्थिरता और विश्वसनीयता बनाए रखना।

यह गलियारा राजस्थान में स्थापित होने वाले बड़े सौर पार्कों और पवन फार्मों से उत्पन्न बिजली को उन क्षेत्रों तक पहुंचाने में मदद करता है जहां इसकी मांग है, जिससे इन स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित होता है।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण

प्रश्न के अन्य विकल्पों पर विचार करें:

- **पनबिजली उत्पादन:** हरित ऊर्जा गलियारा का मुख्य फोकस सौर और पवन ऊर्जा है, न कि पनबिजली।

- **परमाणु ऊर्जा उत्पादन:** यह परियोजना परमाणु ऊर्जा से संबंधित नहीं है, जो एक अलग प्रकार की ऊर्जा स्रोत है।
- **मेट्रो रेल:** मेट्रो रेल शहरी परिवहन अवसंरचना का हिस्सा है और इसका ऊर्जा संचरण ग्रिड से कोई सीधा संबंध नहीं है।

इसलिए, राजस्थान में हरित ऊर्जा गलियारा का प्राथमिक कार्य सौर एवं पवन ऊर्जा ट्रान्समिशन को सुगम बनाना है।

74. Answer: a

Explanation:

कंप्यूटर के भौतिक भाग: हार्डवेयर

इस प्रश्न का उद्देश्य कंप्यूटर के उन हिस्सों की पहचान करना है जिन्हें हम स्पर्श कर सकते हैं। कंप्यूटर के वे सभी हिस्से जिन्हें आप वास्तव में देख सकते हैं और छू सकते हैं, **हार्डवेयर** कहलाते हैं।

हार्डवेयर को समझना

हार्डवेयर से तात्पर्य कंप्यूटर प्रणाली के सभी भौतिक घटकों से है। इसमें वे सभी चीजें शामिल हैं जिन्हें आप छू सकते हैं, जैसे:

- मॉनिटर (स्क्रीन)
- कीबोर्ड
- माउस
- सीपीयू (सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट) कैबिनेट
- प्रिंटर
- और कंप्यूटर के अंदर के हिस्से जैसे मदरबोर्ड, ग्राफिक्स कार्ड, रैम (RAM) और हार्ड ड्राइव।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण

आइए देखें कि अन्य विकल्प क्यों सही नहीं हैं:

सॉफ्टवेयर:

सॉफ्टवेयर निर्देशों, डेटा और प्रोग्रामों का एक सेट है जो हार्डवेयर को बताता है कि क्या करना है और कैसे करना है। उदाहरण के लिए, ऑपरेटिंग सिस्टम (जैसे विंडोज या मैकओएस) और एप्लिकेशन (जैसे वेब ब्राउज़र या वर्ड प्रोसेसर) सॉफ्टवेयर हैं। आप सॉफ्टवेयर को स्क्रीन पर देख सकते हैं, लेकिन उसे छू नहीं सकते।

हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर:

हालांकि एक कार्यशील कंप्यूटर के लिए हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर दोनों आवश्यक हैं, यह शब्द केवल भौतिक भागों को संदर्भित नहीं करता है। प्रश्न विशेष रूप से केवल भौतिक भागों के बारे में पूछ रहा है।

ऑपरेटिंग सिस्टम:

ऑपरेटिंग सिस्टम एक महत्वपूर्ण प्रकार का सॉफ्टवेयर है, न कि भौतिक भाग। यह कंप्यूटर के संचालन का प्रबंधन करता है।

निष्कर्ष

प्रश्न के अनुसार, कंप्यूटर के केवल भौतिक भागों, जिन्हें देखा और छुआ जा सकता है, को हार्डवेयर के रूप में परिभाषित किया गया है।

75. Answer: b

Explanation:

राजस्थान राज्य महिला आयोग अधिनियम: पारित होने का वर्ष

यह प्रश्न राजस्थान राज्य में महिला आयोग अधिनियम के पारित होने के वर्ष के बारे में पूछता है। इस अधिनियम का उद्देश्य राजस्थान की महिलाओं के अधिकारों और हितों की रक्षा करना है।

अधिनियम का इतिहास और पारित होने का वर्ष

राजस्थान राज्य महिला आयोग की स्थापना एक विशेष अधिनियम के माध्यम से की गई थी। इस अधिनियम को विधायी प्रक्रिया के तहत पारित किया गया था ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि राज्य में महिलाओं से संबंधित मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित किया जा सके।

- **मुख्य उद्देश्य:** महिलाओं के संवैधानिक और कानूनी अधिकारों की रक्षा करना।
- **कार्यक्षेत्र:** राज्य में महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों और भेदभाव की जांच करना, नीतियों पर सलाह देना आदि।
- **पारित वर्ष:** राजस्थान राज्य महिला आयोग अधिनियम, 1999 में पारित किया गया था।

निष्कर्ष

इसलिए, राजस्थान राज्य महिला आयोग अधिनियम 1999 में पारित हुआ था। यह अधिनियम राजस्थान में महिला सशक्तिकरण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

76. Answer: b

Explanation:

स्थायी मेमोरी का विश्लेषण

यह प्रश्न कंप्यूटर मेमोरी के एक महत्वपूर्ण पहलू, **स्थायी मेमोरी** (Persistent Memory) के बारे में पूछता है। स्थायी मेमोरी, जिसे गैर-वाष्पशील मेमोरी (non-volatile memory) भी कहा जाता है, वह मेमोरी होती है जो बिजली की आपूर्ति बंद होने पर भी अपने डेटा को बनाए रखती है। आइए विकल्पों का विश्लेषण करें:

विकल्पों का विश्लेषण

1. रैम (RAM - Random Access Memory)

रैम (RAM) एक **वाष्पशील मेमोरी** (volatile memory) है। इसका मतलब है कि जब कंप्यूटर बंद हो जाता है या बिजली चली जाती है, तो रैम में संग्रहीत सारा डेटा मिट जाता है। रैम का उपयोग कंप्यूटर द्वारा वर्तमान में चल रहे कार्यक्रमों और डेटा को अस्थायी रूप से संग्रहीत करने के लिए किया जाता है ताकि प्रोसेसर उन तक तेज़ी से पहुँच सके। इसलिए, रैम **स्थायी मेमोरी** नहीं है।

2. रोम (ROM - Read-Only Memory)

रोम (ROM) एक **गैर-वाष्पशील मेमोरी** (non-volatile memory) है। इसमें स्थायी रूप से डेटा संग्रहीत होता है जिसे बदला या हटाया नहीं जा सकता, या जिसे बदलने के लिए विशेष प्रक्रियाओं की आवश्यकता होती है। रोम में आमतौर पर वे निर्देश होते हैं जो कंप्यूटर को बूट करने (चालू करने) के

लिए आवश्यक होते हैं, जैसे कि BIOS (Basic Input/Output System)। चूँकि बिजली बंद होने पर भी रोम अपना डेटा नहीं खोता है, यह एक **स्थायी मेमोरी** का एक प्रमुख उदाहरण है।

3. कैशे (Cache)

कैशे मेमोरी, रैम की तरह ही, एक **वाष्पशील मेमोरी** (volatile memory) है। यह प्रोसेसर के बहुत करीब स्थित एक छोटी, तेज़ मेमोरी होती है जो अक्सर उपयोग किए जाने वाले डेटा को संग्रहीत करती है ताकि एक्सेस समय कम हो सके। रैम की तरह, कैशे में संग्रहीत डेटा भी बिजली बंद होने पर खो जाता है। इसलिए, कैशे **स्थायी मेमोरी** नहीं है।

4. डेटा (Data)

डेटा (Data) स्वयं एक मेमोरी का प्रकार नहीं है, बल्कि वह जानकारी है जिसे कंप्यूटर संग्रहीत, संसाधित और प्रसारित करता है। डेटा को विभिन्न प्रकार की मेमोरी (जैसे रैम, रोम, हार्ड ड्राइव) में संग्रहीत किया जा सकता है। यह एक सामान्य शब्द है, न कि किसी विशेष प्रकार की मेमोरी का।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, रोम (ROM) वह मेमोरी है जो बिजली बंद होने पर भी डेटा को बनाए रखती है, इसलिए यह **स्थायी मेमोरी** है।

सही उत्तर: रोम (ROM)

Your Personal Exams Guide

77. Answer: d

Explanation:

पानी का क्वथनांक समझना

यह प्रश्न पानी के क्वथनांक (Boiling Point) के बारे में पूछता है। क्वथनांक वह निश्चित तापमान होता है जिस पर कोई तरल उबलना शुरू कर देता है और गैस में बदलना शुरू कर देता है। यह दबाव पर निर्भर करता है।

क्वथनांक का निर्धारण

सामान्य वायुमंडलीय दबाव (Standard Atmospheric Pressure) पर, जिसे समुद्र तल पर मापा जाता है (लगभग 1 atm या 101.325 kPa), शुद्ध पानी का क्वथनांक एक मानक मान है।

मानक परिस्थितियों में पानी का क्वथनांक

मानक परिस्थितियों के तहत, पानी निम्नलिखित तापमान पर उबलता है:

- तापमान: 100°C (सेल्सियस)
- या 373.15K (केल्विन)

दिए गए विकल्पों का विश्लेषण

आइए दिए गए विकल्पों को देखें:

विकल्प और पानी का क्वथनांक

विकल्प	तापमान	क्या यह पानी का क्वथनांक है?
1	50°C	नहीं
2	75°C	नहीं
3	150°C	नहीं
4	100°C	हाँ

जैसा कि ऊपर तालिका में दिखाया गया है, केवल 100°C ही वह तापमान है जिस पर पानी सामान्य वायुमंडलीय दबाव पर उबलता है।

निष्कर्ष

इसलिए, सामान्य परिस्थितियों में पानी का क्वथनांक 100°C होता है। यह एक मौलिक वैज्ञानिक तथ्य है जो रसायन विज्ञान और भौतिकी में महत्वपूर्ण है।

78. Answer: c

Explanation:

भिन्न को आरोही क्रम में समझना

इस प्रश्न में हमें दिए गए भिन्नों की सूची में से उस सूची को पहचानना है जो आरोही क्रम (ascending order) में है। आरोही क्रम का मतलब होता है संख्याओं को सबसे छोटे से सबसे बड़े की ओर व्यवस्थित करना।

आरोही क्रम का अर्थ

किसी भी संख्याओं के समूह को आरोही क्रम में रखने का मतलब है कि पहली संख्या दूसरी से छोटी या बराबर होगी, दूसरी संख्या तीसरी से छोटी या बराबर होगी, और इसी तरह यह क्रम आगे बढ़ेगा।

गणितीय रूप में, यदि हमारे पास संख्याएँ $a_1, a_2, a_3, \dots, a_n$ हैं, तो वे आरोही क्रम में तब कहलाती हैं जब:

$$a_1 \leq a_2 \leq a_3 \leq \dots \leq a_n$$

इस प्रश्न में, हमें यह जाँचना है कि कौन से विकल्प में भिन्न सबसे छोटे से सबसे बड़े के क्रम में व्यवस्थित हैं।

भिन्नों को दशमलव में बदलना

भिन्नों की तुलना करने और उन्हें क्रम में व्यवस्थित करने का एक आसान तरीका उन्हें दशमलव (decimal) रूप में बदलना है। आइए दिए गए भिन्नों को दशमलव में बदलें:

- $\frac{3}{5}$

$$\frac{3}{5} = 3 \div 5 = 0.6$$

- $\frac{2}{3}$

$$\frac{2}{3} = 2 \div 3 \approx 0.6667$$

- $\frac{7}{9}$

$$\frac{7}{9} = 7 \div 9 \approx 0.7778$$

- $\frac{9}{11}$

$$\frac{9}{11} = 9 \div 11 \approx 0.8182$$

अब हमारे पास इन भिन्नों के दशमलव मान हैं: 0.6, 0.6667, 0.7778, 0.8182.

इन दशमलव मानों को आरोही क्रम में व्यवस्थित करने पर हमें मिलता है:

$$0.6 < 0.6667 < 0.7778 < 0.8182$$

यह क्रम मूल भिन्नों के रूप में इस प्रकार है:

$$\frac{3}{5} < \frac{2}{3} < \frac{7}{9} < \frac{9}{11}$$

विभिन्न विकल्पों का विश्लेषण

अब हम प्रत्येक विकल्प की जाँच करेंगे कि क्या वह इस क्रम से मेल खाता है:

- **विकल्प 1:** $\frac{3}{5}, \frac{2}{3}, \frac{9}{11}, \frac{7}{9}$

दशमलव में: 0.6, 0.6667, 0.8182, 0.7778. यहाँ 0.8182 के बाद 0.7778 है, जो कि घटते क्रम में है। इसलिए, यह आरोही क्रम नहीं है।

- **विकल्प 2:** $\frac{2}{3}, \frac{3}{5}, \frac{7}{9}, \frac{9}{11}$

दशमलव में: 0.6667, 0.6, 0.7778, 0.8182. यहाँ पहली संख्या (0.6667) दूसरी संख्या (0.6) से बड़ी है। इसलिए, यह आरोही क्रम नहीं है।

- **विकल्प 3:** $\frac{3}{5}, \frac{2}{3}, \frac{7}{9}, \frac{9}{11}$

दशमलव में: 0.6, 0.6667, 0.7778, 0.8182. यह क्रम $0.6 < 0.6667 < 0.7778 < 0.8182$ से मेल खाता है। अतः, यह आरोही क्रम में है।

- **विकल्प 4:** $\frac{9}{11}, \frac{7}{9}, \frac{2}{3}, \frac{3}{5}$

दशमलव में: 0.8182, 0.7778, 0.6667, 0.6. यह क्रम सबसे बड़े से सबसे छोटे की ओर है, यानी अवरोही क्रम (descending order) में है। इसलिए, यह आरोही क्रम नहीं है।

सभी विकल्पों का विश्लेषण करने पर, हम पाते हैं कि केवल विकल्प 3 में भिन्न आरोही क्रम में व्यवस्थित हैं।

79. Answer: c

Explanation:

तर्क और कथन विश्लेषण: बच्चों के लिंग और बालों का रंग

इस प्रश्न में, हमें अमन के चार बच्चों के बारे में कुछ तथ्य दिए गए हैं और यह पता लगाना है कि कौन सा निष्कर्ष निश्चित रूप से सत्य होगा। आइए दिए गए तथ्यों और कथनों का विश्लेषण करें:

दिए गए तथ्य

- **तथ्य 1:** अमन के कुल 4 बच्चे हैं।
- **तथ्य 2:** 4 बच्चों में से 2 के बाल भूरे (brown) हैं और 2 के बाल काले (black) हैं।
- **तथ्य 3:** कुल बच्चों में से आधे (half) लड़कियाँ (girls) हैं।

कथनों का विश्लेषण

सबसे पहले, आइए तथ्य 3 से बच्चों की संख्या निकालते हैं:

- कुल बच्चे = 4
- लड़कियाँ = कुल बच्चों का आधा = $\frac{4}{2} = 2$
- चूंकि कुल 4 बच्चे हैं और 2 लड़कियाँ हैं, तो लड़के (boys) होंगे: $4 - 2 = 2$

इस प्रकार, हमें पता चलता है कि अमन के 2 लड़के और 2 लड़कियाँ हैं। अब हम प्रत्येक कथन का मूल्यांकन करेंगे:

कथन (a): कम से कम एक लड़की के बाल भूरे हैं।

यह कथन आवश्यक रूप से सत्य नहीं है। यहाँ एक संभावित परिदृश्य है:

- 2 लड़कियाँ हैं, और दोनों के बाल काले हैं।
- 2 लड़के हैं। तथ्य 2 के अनुसार, 2 बच्चों के बाल भूरे हैं, तो वे 2 लड़के हो सकते हैं। (अर्थात्, 2 लड़के भूरे बालों वाले)
- और 2 बच्चों के बाल काले हैं, तो वे 2 लड़कियाँ हो सकती हैं। (अर्थात्, 2 लड़कियाँ काले बालों वाली)

इस परिदृश्य में, सभी तथ्य (4 बच्चे, 2 भूरे बाल, 2 काले बाल, 2 लड़कियाँ) संतुष्ट होते हैं, लेकिन कोई भी लड़की भूरे बालों वाली नहीं है। इसलिए, कथन (a) हमेशा सत्य नहीं होता है।

कथन (b): बच्चों में दो लड़के हैं।

जैसा कि हमने ऊपर गणना की है, तथ्य 3 बताता है कि आधे बच्चे लड़कियाँ हैं। कुल 4 बच्चों में से, इसका मतलब है कि 2 लड़कियाँ हैं। शेष बच्चे लड़के होंगे।

- कुल बच्चे = 4
- लड़कियाँ = 2
- लड़के = कुल बच्चे - लड़कियाँ = $4 - 2 = 2$

यह कथन सीधे तथ्य 3 से निकाला जा सकता है और यह हमेशा सत्य होगा।

कथन (c): दो लड़कों के बाल काले हैं।

यह कथन भी आवश्यक रूप से सत्य नहीं है। यहाँ एक संभावित परिदृश्य है:

- 2 लड़के हैं, और दोनों के बाल भूरे हैं।
- 2 लड़कियाँ हैं। तथ्य 2 के अनुसार, 2 बच्चों के बाल काले हैं, तो वे 2 लड़कियाँ हो सकती हैं। (अर्थात्, 2 लड़कियाँ काले बालों वाली)
- और 2 बच्चों के बाल भूरे हैं, तो वे 2 लड़के हो सकते हैं। (अर्थात्, 2 लड़के भूरे बालों वाले)

इस परिदृश्य में, सभी तथ्य (4 बच्चे, 2 भूरे बाल, 2 काले बाल, 2 लड़के) संतुष्ट होते हैं, लेकिन कोई भी लड़का काले बालों वाला नहीं है। इसलिए, कथन (c) हमेशा सत्य नहीं होता है।

निष्कर्ष

विश्लेषण के आधार पर, केवल कथन (b) ही ऐसा है जो दिए गए तथ्यों के आधार पर निश्चित रूप से सत्य होना चाहिए।

80. Answer: d

Explanation:

वाशिंग सोडा का रासायनिक नाम

वाशिंग सोडा, जिसे सामान्य बोलचाल में कपड़े धोने का सोडा भी कहा जाता है, एक सामान्य घरेलू रासायन है। इसका उपयोग सफाई और कपड़े धोने में किया जाता है। प्रश्न पूछता है कि इस वाशिंग सोडा

का रासायनिक नाम क्या है।

विकल्पों का विश्लेषण

आइए दिए गए विकल्पों पर विचार करें:

- **सोडियम क्लोराइड:** यह सामान्य नमक (table salt) का रासायनिक नाम है, जिसका सूत्र NaCl होता है। यह वाशिंग सोडा नहीं है।
- **सोडियम हाइड्रोजन कार्बोनेट:** यह बेकिंग सोडा (baking soda) या खाने वाला सोडा का रासायनिक नाम है, जिसका सूत्र NaHCO_3 होता है। यह भी वाशिंग सोडा नहीं है, हालांकि दोनों सोडियम यौगिक हैं।
- **सोडियम हाइड्रॉक्साइड:** यह कास्टिक सोडा (caustic soda) का रासायनिक नाम है, जिसका सूत्र NaOH होता है। यह एक बहुत प्रबल क्षार (strong base) है और सफाई में उपयोग होता है, लेकिन यह वाशिंग सोडा नहीं है।
- **सोडियम कार्बोनेट:** यह धावन सोडा या वाशिंग सोडा का सही रासायनिक नाम है। इसका रासायनिक सूत्र Na_2CO_3 होता है। यह पानी में घुलने पर थोड़ा क्षारीय (alkaline) हो जाता है, जो इसे सफाई के लिए प्रभावी बनाता है।

वाशिंग सोडा का सही रासायनिक नाम

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, वाशिंग सोडा का रासायनिक नाम सोडियम कार्बोनेट (Sodium Carbonate) है।

Your Personal Exams Guide

81. Answer: c

Explanation:

समीकरण हल: $3x + 5x = -8$

यह प्रश्न एक सरल रैखिक समीकरण (linear equation) को हल करने और फिर एक व्यंजक (expression) का मान ज्ञात करने के बारे में है। हमें समीकरण $3x + 5x = -8$ दिया गया है और हमें $x + 1$ का मान ज्ञात करना है।

चरण-दर-चरण समाधान

चरण 1: समीकरण को सरल बनाना

सबसे पहले, हम समीकरण के बाईं ओर समान पदों (like terms) को जोड़ेंगे:

$$3x + 5x = (3 + 5)x = 8x$$

अब, समीकरण इस प्रकार बन जाता है:

$$8x = -8$$

चरण 2: x का मान ज्ञात करना

x का मान निकालने के लिए, हम समीकरण के दोनों पक्षों को 8 से विभाजित करेंगे:

$$\frac{8x}{8} = \frac{-8}{8}$$

इससे हमें मिलता है:

$$x = -1$$

चरण 3: $x + 1$ का मान ज्ञात करना

अब जब हमें x का मान पता चल गया है ($x = -1$), हम व्यंजक $x + 1$ में x का मान रखकर इसका मान ज्ञात कर सकते हैं:

$$x + 1 = (-1) + 1$$

यह गणना करने पर:

$$x + 1 = 0$$

निष्कर्ष

इसलिए, दिए गए समीकरण $3x + 5x = -8$ के हल के आधार पर, $x + 1$ का मान 0 है।

82. Answer: a

Explanation:

जन्म स्थल की पहचान: भगवान गौतम बुद्ध

यह प्रश्न भगवान गौतम बुद्ध के **जन्म स्थल** के बारे में पूछता है। भगवान गौतम बुद्ध बौद्ध धर्म के संस्थापक हैं, और उनका जीवन और शिक्षाएँ दुनिया भर में लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उनके जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण स्थानों को जानना इतिहास और धर्म के अध्ययन के लिए आवश्यक है।

विकल्पों का विश्लेषण

आइये प्रश्न में दिए गए विकल्पों का विश्लेषण करें:

- **1. लुम्बिनी:** यह वर्तमान नेपाल में स्थित एक महत्वपूर्ण स्थान है। ऐतिहासिक और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह भगवान गौतम बुद्ध का **जन्म स्थल** है।
- **2. सारनाथ:** यह स्थान वाराणसी, भारत के पास स्थित है। यहीं पर भगवान बुद्ध ने अपना पहला उपदेश दिया था, जिसे धर्मचक्रप्रवर्तन कहा जाता है।
- **3. बोधगया:** यह बिहार, भारत में स्थित है। यह वह स्थान है जहाँ भगवान बुद्ध को एक पीपल के पेड़ के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था, और वे 'बुद्ध' बने।
- **4. वैशाली:** यह बिहार, भारत में स्थित एक प्राचीन गणराज्य था। भगवान बुद्ध ने अपने जीवन का काफी समय यहाँ बिताया और उपदेश दिए, लेकिन यह उनका जन्म स्थान नहीं है।

सही जन्म स्थल का निर्धारण

ऐतिहासिक साक्ष्यों और बौद्ध परंपराओं के अनुसार, भगवान गौतम बुद्ध का जन्म ईसा पूर्व 563 में लुम्बिनी नामक स्थान पर हुआ था। लुम्बिनी, जो अब नेपाल में है, को उनकी माँ, रानी महामाया के मायके जाते समय प्रसव पीड़ा होने पर उनके जन्म का स्थान माना जाता है।

इसलिए, प्रश्न का सही उत्तर **लुम्बिनी** है।

मुख्य बिंदु

- **गौतम बुद्ध:** बौद्ध धर्म के संस्थापक।
- **जन्म स्थल:** लुम्बिनी (वर्तमान नेपाल)।
- **सारनाथ:** पहला उपदेश स्थल।
- **बोधगया:** ज्ञान प्राप्ति स्थल।
- **वैशाली:** जहाँ बुद्ध ने उपदेश दिए और समय बिताया।

83. Answer: a

Explanation:

सार्वभौम वयस्क मताधिकार: अर्थ और व्याख्या

यह प्रश्न 'सार्वभौम वयस्क मताधिकार' के सही अर्थ को पहचानने के लिए कहता है। आइए इस महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक सिद्धांत को समझें और दिए गए विकल्पों का विश्लेषण करें।

'सार्वभौम वयस्क मताधिकार' का सिद्धांत

'सार्वभौम वयस्क मताधिकार' का अर्थ है कि किसी देश के सभी वयस्क नागरिकों को, उनकी पृष्ठभूमि, सामाजिक स्थिति, या व्यक्तिगत विशेषताओं पर ध्यान दिए बिना, वोट देने का अधिकार होना चाहिए। यह सिद्धांत लोकतंत्र का एक मूलभूत स्तंभ है, जो हर नागरिक की आवाज़ को महत्व देता है।

विकल्पों का विश्लेषण

- विकल्प 1: सभी वयस्कों को मतदान का अधिकार

यह विकल्प 'सार्वभौम वयस्क मताधिकार' के सिद्धांत की सटीक व्याख्या करता है। इसका तात्पर्य है कि एक निश्चित आयु (आमतौर पर 18 वर्ष) प्राप्त कर चुका प्रत्येक नागरिक, चाहे वह पुरुष हो या महिला, शिक्षित हो या अशिक्षित, अमीर हो या गरीब, उसे वोट देने का अधिकार है।

- विकल्प 2: केवल शिक्षित वयस्कों का मतदान का अधिकार

यह कथन सार्वभौम मताधिकार के विचार के विपरीत है। सार्वभौम मताधिकार में शिक्षा की योग्यता को मतदान के अधिकार के लिए आवश्यक नहीं माना जाता है। सभी वयस्कों को, उनकी शिक्षा के स्तर के बावजूद, वोट देने का समान अधिकार मिलना चाहिए।

- विकल्प 3: केवल पुरुषों को मतदान का अधिकार

यह विकल्प लैंगिक समानता के सिद्धांत का उल्लंघन करता है। सार्वभौम वयस्क मताधिकार का उद्देश्य लिंग के आधार पर किसी भी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करना है, जिससे महिलाओं को भी पुरुषों के समान मतदान का अधिकार प्राप्त हो।

- विकल्प 4: केवल सम्पत्ति धारकों को मतदान का अधिकार

यह एक प्रतिबंधित मताधिकार का रूप है, जो सार्वभौम मताधिकार के विचार से अलग है। ऐतिहासिक रूप से, सम्पत्ति के आधार पर वोट देने के अधिकार को सीमित किया गया था, लेकिन सार्वभौम वयस्क मताधिकार इस तरह की सभी संपत्ति-आधारित या अन्य योग्यताओं को समाप्त करता है।

निष्कर्ष

सभी वयस्कों को बिना किसी भेदभाव के मतदान का अधिकार प्रदान करना ही 'सार्वभौम वयस्क मताधिकार' का मूल तत्व है। यह सिद्धांत सुनिश्चित करता है कि लोकतंत्र में सभी नागरिकों की भागीदारी हो और शासन में उनकी आवाज़ शामिल हो।

84. Answer: c

Explanation:

संख्या का प्रतिशत अंतर ज्ञात करना

इस प्रश्न में, हमें एक ऐसी संख्या का 8% ज्ञात करना है, जिसका 65% और 35% के बीच का अंतर 336 है। हम इसे चरण-दर-चरण हल करेंगे।

चरण 1: प्रतिशत में अंतर की गणना

सबसे पहले, हम संख्या के दिए गए दो प्रतिशत मानों के बीच का अंतर ज्ञात करते हैं:

दिया गया है:

- संख्या का 65%
- संख्या का 35%

इन दोनों प्रतिशत के बीच का अंतर है:

$$65\% - 35\% = 30\%$$

चरण 2: संख्या का मान ज्ञात करना

प्रश्न के अनुसार, यह 30% का अंतर 336 के बराबर है। मान लीजिए कि वह अज्ञात संख्या ' x ' है। तो, हम समीकरण बना सकते हैं:

$$30\% \text{ of } x = 336$$

इसे गणितीय रूप में लिखने पर:

$$\frac{30}{100} \times x = 336$$

अब, हम संख्या ' x ' का मान ज्ञात करने के लिए समीकरण को हल करते हैं:

$$x = 336 \times \frac{100}{30}$$

$$x = 336 \times \frac{10}{3}$$

$$x = 112 \times 10$$

$$x = 1120$$

तो, वह अज्ञात संख्या 1120 है।

चरण 3: संख्या का 8% ज्ञात करना

अब जब हमें संख्या (1120) पता चल गई है, तो हम उसका 8% ज्ञात कर सकते हैं:

$$8\% \text{ of } 1120 = \frac{8}{100} \times 1120$$

$$= \frac{8 \times 1120}{100}$$

$$= \frac{8960}{100}$$

$$= 89.6$$

निष्कर्ष

इसलिए, उस संख्या का 8% 89.6 है।

85. Answer: b

Explanation:

मत्स्य साम्राज्य की राजधानी: विराटनगर का ऐतिहासिक महत्व

प्राचीन भारत में, कई शक्तिशाली राज्य (जिन्हें 'जनपद' कहा जाता था) मौजूद थे। इनमें से एक था **मत्स्य जनपद**, जो वर्तमान राजस्थान के कुछ हिस्सों में फैला हुआ था। इस क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पहलू इसकी राजधानी का निर्धारण करना है।

मत्स्य जनपद और इसकी राजधानी

मत्स्य जनपद का उल्लेख प्राचीन भारतीय ग्रंथों, जैसे महाभारत में भी मिलता है। यह क्षेत्र मुख्य रूप से आधुनिक जयपुर, अलवर और भरतपुर जिलों के आसपास स्थित था। इस जनपद की सबसे प्रमुख और ऐतिहासिक रूप से स्वीकृत राजधानी **विराटनगर** थी।

विकल्पों का विश्लेषण:

- **विराटनगर:** यह शहर मत्स्य जनपद की राजधानी के रूप में प्रसिद्ध है। इसका उल्लेख महाभारत में पांडवों के अज्ञातवास के स्थल के रूप में भी किया गया है। पुरातात्विक खुदाई से भी इस स्थान के प्राचीन महत्व के प्रमाण मिले हैं।
- **राजसमंद:** यह राजस्थान का एक जिला है, लेकिन प्राचीन मत्स्य साम्राज्य की राजधानी नहीं था।
- **अलवर:** जबकि अलवर शहर मत्स्य जनपद के भौगोलिक क्षेत्र के भीतर आता है, यह स्वयं राजधानी नहीं था। विराटनगर (वर्तमान बैराठ) अलवर के निकट स्थित है और ऐतिहासिक राजधानी मानी जाती है।
- **अजमेर:** अजमेर राजस्थान का एक महत्वपूर्ण शहर है, लेकिन इसका संबंध प्राचीन मत्स्य साम्राज्य से नहीं है।

इसलिए, प्राचीन राजस्थान में **मत्स्य साम्राज्य** की राजधानी **विराटनगर** थी, जो आज जयपुर के पास बैराठ नामक स्थान पर स्थित है।

86. Answer: b

Explanation:

प्रजातंत्र की विशेषताओं का विश्लेषण

यह प्रश्न पूछता है कि दिए गए विकल्पों में से कौन सा प्रजातंत्र (लोकतंत्र) का एक लक्षण या विशेषता नहीं है। प्रजातंत्र एक ऐसी शासन प्रणाली है जहाँ जनता अपनी शक्ति का प्रयोग सीधे या निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से करती है। आइए प्रत्येक विकल्प का विश्लेषण करें:

विकल्पों का मूल्यांकन

- **1. स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव:** प्रजातंत्र की यह एक बुनियादी विशेषता है। इसमें नागरिक नियमित अंतराल पर स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से अपने नेताओं को चुनते हैं। यह सुनिश्चित करता है कि सरकार जनता के प्रति जवाबदेह हो।
- **2. तानाशाही:** तानाशाही, जिसे एक-व्यक्ति या एक-दलीय शासन भी कहा जाता है, प्रजातंत्र के बिल्कुल विपरीत है। इसमें शक्ति कुछ व्यक्तियों के हाथों में केंद्रित होती है, और जनता के पास शासकों को चुनने या हटाने का कोई अधिकार नहीं होता। नागरिक स्वतंत्रताएं भी सीमित होती हैं। इसलिए, तानाशाही प्रजातंत्र की विशेषता नहीं हो सकती।
- **3. विधि द्वारा शासन (Rule of Law):** इसका अर्थ है कि देश का शासन किसी व्यक्ति विशेष द्वारा नहीं, बल्कि कानून के अनुसार चलाया जाता है। कानून सभी के लिए समान होता है, चाहे वह आम नागरिक हो या शासक। यह प्रजातंत्र का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।
- **4. मौलिक अधिकार:** प्रजातंत्र में नागरिकों को कुछ बुनियादी अधिकार और स्वतंत्रताएं दी जाती हैं, जैसे बोलने की आजादी, धर्म की स्वतंत्रता, समानता का अधिकार आदि। ये मौलिक अधिकार नागरिकों के विकास और शासन में उनकी भागीदारी के लिए आवश्यक हैं।

निष्कर्ष

स्पष्ट है कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव, विधि द्वारा शासन, और मौलिक अधिकार प्रजातंत्र के आवश्यक तत्व हैं। इसके विपरीत, **तानाशाही** एक ऐसी व्यवस्था है जो प्रजातंत्र के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है। इसलिए, तानाशाही प्रजातंत्र की विशेषता नहीं है।

87. Answer: b

Explanation:

जोखिम भरे व्यवसायों में बाल श्रम का निषेध

यह प्रश्न पूछता है कि कौन सा कानून भारत में खतरनाक या जोखिम भरे व्यवसायों में बच्चों को काम पर रखने से रोकता है। बच्चों को ऐसे कामों में लगाना उनके स्वास्थ्य, सुरक्षा और विकास के लिए बहुत

हानिकारक हो सकता है। इसलिए, भारत में ऐसे रोजगार को प्रतिबंधित करने के लिए विशेष कानून बनाए गए हैं।

विभिन्न कानूनों का विश्लेषण

आइए दिए गए विकल्पों का विश्लेषण करें:

- **किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015:** यह अधिनियम मुख्य रूप से उन बच्चों की देखभाल और संरक्षण से संबंधित है जो कानूनी समस्याओं में हैं, जैसे कि बाल अपराध या उपेक्षित बच्चे। यह सीधे तौर पर खतरनाक व्यवसायों में रोजगार को प्रतिबंधित नहीं करता है।
- **बाल श्रम (निषेध व नियंत्रण) अधिनियम, 1986:** यह अधिनियम विशेष रूप से भारत में बाल श्रम को नियंत्रित करने और प्रतिबंधित करने के लिए बनाया गया था। यह अधिनियम बच्चों के रोजगार को कुछ व्यवसायों और प्रक्रियाओं में प्रतिबंधित करता है, विशेष रूप से उन व्यवसायों को जो खतरनाक माने जाते हैं। यह अधिनियम समय-समय पर संशोधित भी किया गया है।
- **बाल-विवाह निषेध अधिनियम, 2006:** यह कानून भारत में बाल विवाह को रोकने और ऐसे विवाहों को शून्य घोषित करने के लिए है। इसका बच्चों के रोजगार से कोई सीधा संबंध नहीं है।
- **यौन अपराध से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012:** यह अधिनियम बच्चों को यौन अपराधों से बचाने के लिए बनाया गया है। इसका बच्चों के रोजगार से कोई संबंध नहीं है।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि **बाल श्रम (निषेध व नियंत्रण) अधिनियम, 1986** वह विधान है जो जोखिम भरे व्यवसायों में बच्चों को रोजगार देने से रोकता है। यह अधिनियम बाल श्रम को पूरी तरह से समाप्त करने के उद्देश्य से बनाया गया है, खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन को खतरा हो सकता है।

88. Answer: a

Explanation:

वेब ब्राउज़र को समझना

वेब ब्राउज़र एक सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन है जिसका उपयोग वर्ल्ड वाइड वेब पर जानकारी खोजने और देखने के लिए किया जाता है। यह वेब सर्वर से वेब पेज का अनुरोध करता है और फिर उन पेजों को

उपयोगकर्ता के कंप्यूटर या डिवाइस पर प्रदर्शित करता है।

विकल्पों का विश्लेषण

प्रश्न पूछता है कि दिए गए विकल्पों में से कौन सा एक लोकप्रिय वेब ब्राउज़र है। आइए प्रत्येक विकल्प को देखें:

- **गूगल क्रोम (Google Chrome):** यह गूगल द्वारा विकसित एक बहुत ही लोकप्रिय वेब ब्राउज़र है। इसका उपयोग वेबसाइटों तक पहुँचने के लिए किया जाता है।
- **विंडोज (Windows):** यह माइक्रोसॉफ्ट द्वारा विकसित एक ऑपरेटिंग सिस्टम है। यह कंप्यूटर को चलाने के लिए आधार प्रदान करता है, लेकिन यह स्वयं एक वेब ब्राउज़र नहीं है (हालांकि इसमें माइक्रोसॉफ्ट एज जैसा ब्राउज़र शामिल हो सकता है)।
- **एम एस वर्ड (MS Word):** यह माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस सुइट का हिस्सा है और मुख्य रूप से दस्तावेज़ (documents) बनाने और संपादित करने के लिए उपयोग किया जाने वाला एक वर्ड प्रोसेसर है। यह वेब ब्राउज़र नहीं है।
- **अडोब रीडर (Adobe Reader):** यह एडोबी द्वारा विकसित एक सॉफ्टवेयर है जिसका उपयोग मुख्य रूप से पीडीएफ (PDF) फाइलों को देखने और उनके साथ इंटरैक्ट करने के लिए किया जाता है। यह वेब ब्राउज़र नहीं है।

सही उत्तर का स्पष्टीकरण

ऊपर दिए गए विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि केवल गूगल क्रोम ही एक वेब ब्राउज़र है। विंडोज एक ऑपरेटिंग सिस्टम है, एम एस वर्ड एक वर्ड प्रोसेसर है, और एडोबी रीडर एक पीडीएफ व्यूअर है। इसलिए, गूगल क्रोम प्रश्न का सही उत्तर है क्योंकि यह एक लोकप्रिय वेब ब्राउज़र है जिसका उपयोग इंटरनेट पर वेबसाइटों को सर्फ करने के लिए किया जाता है।

89. Answer: a

Explanation:

टेनिस और स्केटिंग सादृश्यता प्रश्न हल

यह प्रश्न एक सादृश्यता (Analogy) पर आधारित है, जिसमें दो शब्दों के बीच के संबंध को समझना होता है और उसी संबंध को दूसरे शब्दों के जोड़े पर लागू करना होता है।

सादृश्यता को समझें

प्रश्न का प्रारूप है: A, B से जिस प्रकार संबंधित है, उसी प्रकार C, D से संबंधित है।

यहाँ, A = स्केटिंग, B = रिक, C = टेनिस, D = ?

स्केटिंग और रिक का संबंध

स्केटिंग एक खेल या गतिविधि है जिसे आमतौर पर एक विशेष स्थान पर किया जाता है, जिसे 'रिनक' (Rink) कहा जाता है। रिनक वह सतह है जिस पर स्केटिंग की जाती है।

टेनिस और सही स्थान का संबंध

हमें अब इसी प्रकार का संबंध टेनिस के लिए खोजना है। टेनिस एक खेल है जिसे एक विशेष प्रकार के खेल के मैदान पर खेला जाता है।

विकल्पों का विश्लेषण

- **कोर्ट (Court):** यह टेनिस खेलने के लिए इस्तेमाल होने वाले आयताकार मैदान का सही नाम है।
- **अरेना (Arena):** यह एक बड़ा स्थान होता है जहाँ खेल या कार्यक्रम होते हैं, लेकिन यह टेनिस के लिए विशिष्ट शब्द नहीं है।
- **पिच (Pitch):** पिच का उपयोग आमतौर पर क्रिकेट, फुटबॉल या हॉकी जैसे खेलों के लिए किया जाता है, न कि टेनिस के लिए।
- **रैकेट (Racket):** रैकेट टेनिस खेलने के लिए इस्तेमाल होने वाला एक उपकरण है, न कि वह स्थान जहाँ खेल खेला जाता है।

निष्कर्ष

इसलिए, जिस प्रकार स्केटिंग 'रिनक' से संबंधित है (खेल और उसके स्थान का संबंध), उसी प्रकार टेनिस 'कोर्ट' से संबंधित है।

सही उत्तर विकल्प 1 है: कोर्ट।

90. Answer: a

Explanation:

राजस्थान में आरंभिक मानव बस्ती का विश्लेषण

यह प्रश्न राजस्थान राज्य में मानव के सबसे प्राचीन ज्ञात निवास स्थल के बारे में जानकारी मांगता है। पुरातात्विक खोजों के आधार पर, राजस्थान में मानव बस्तियों के विकास को समझना महत्वपूर्ण है। आइए दिए गए विकल्पों का विस्तार से विश्लेषण करें ताकि सही उत्तर निर्धारित किया जा सके।

बागोर: सबसे पुरानी ज्ञात बस्ती

बागोर, जो राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में कोठारी नदी के तट पर स्थित है, एक अत्यंत महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल है। इसे राजस्थान में खोजे गए सबसे पुराने मानव आवासों में से एक माना जाता है। यहाँ से प्राप्त साक्ष्य यह दर्शाते हैं कि यह स्थल मध्यपाषाण काल (Mesolithic period) का है और उस काल के सबसे बड़े तथा सुनियोजित स्थलों में से एक है। बागोर में अनुमानतः 5000 ईसा पूर्व से लेकर 800 ईसा पूर्व तक निरंतर मानव बसाव के प्रमाण मिले हैं। यह लंबी अवधि इसे राजस्थान में आरंभिक मानव बस्तियों के अध्ययन के लिए एक प्रमुख स्थल बनाती है।

कालीबंगन: सिंधु घाटी सभ्यता का स्थल

कालीबंगन, हनुमानगढ़ जिले में घग्गर नदी के किनारे स्थित है और यह सिंधु घाटी सभ्यता (Indus Valley Civilization) का एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल है। यह स्थल अपने पूर्व-हड़प्पा और हड़प्पाकालीन अवशेषों के लिए विख्यात है, जिनमें जुते हुए खेत के सबसे पुराने प्रमाण, अलंकृत ईंटों का प्रयोग और अग्निवेदी (fire altars) शामिल हैं। हालांकि कालीबंगन एक बहुत महत्वपूर्ण स्थल है, पर यह बागोर की तरह आरंभिक मानव बसाव के सबसे प्राचीनतम प्रमाण प्रस्तुत नहीं करता है।

आहड़: ताम्रपाषाण संस्कृति का केंद्र

आहड़, जो उदयपुर शहर के पास स्थित है, आहड़-बनास संस्कृति (Ahar-Banas culture) से संबंधित एक प्रमुख ताम्रपाषाण (Chalcolithic) काल का पुरातात्विक स्थल है। यह स्थल विशेष प्रकार के 'काले और लाल मृदभांड' (black and red pottery) के लिए जाना जाता है। आहड़ में बसाव का काल लगभग 3000 ईसा पूर्व से शुरू होता है। यह इसे एक प्राचीन स्थल बनाता है, परन्तु यह भी बागोर के मध्यपाषाण कालीन बसाव के समय से पुराना नहीं है।

बैराठ: प्राचीन विराट नगरी

बैराठ, जयपुर जिले में स्थित है और यह एक ऐतिहासिक तथा पुरातात्विक रूप से बहुत समृद्ध क्षेत्र है। यह मौर्य साम्राज्य, शुंग वंश और गुप्त काल के दौरान एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित हुआ था। यहाँ से बौद्ध विहार (monasteries), सम्राट अशोक के शिलालेख और पांडुशिला जैसे महत्वपूर्ण अवशेष प्राप्त

हुए हैं। बैराठ का महत्व मुख्य रूप से ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टिकोण से है, न कि सबसे आरंभिक मानव बस्ती के रूप में।

निष्कर्ष

उपरोक्त पुरातात्विक साक्ष्यों और विश्लेषण के आधार पर, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि राजस्थान में आरंभिक मानव बस्ती के सबसे पुराने और महत्वपूर्ण प्रमाण 'बागोर' नामक स्थल पर पाए गए हैं, जो मध्यपाषाण काल से संबंधित हैं।

91. Answer: c

Explanation:

ऑपरेटिंग सिस्टम की पहचान

यह प्रश्न कंप्यूटर के एक महत्वपूर्ण हिस्से, ऑपरेटिंग सिस्टम, के बारे में है। ऑपरेटिंग सिस्टम (OS) वह मुख्य सॉफ्टवेयर होता है जो कंप्यूटर के हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर संसाधनों का प्रबंधन करता है और कंप्यूटर प्रोग्राम के लिए सामान्य सेवाएं प्रदान करता है।

विकल्पों का विश्लेषण

आइए दिए गए विकल्पों का विश्लेषण करें:

- **गूगल क्रोम (Google Chrome):** यह एक वेब ब्राउज़र है, जिसका उपयोग इंटरनेट पर वेबसाइटों को देखने के लिए किया जाता है। यह ऑपरेटिंग सिस्टम नहीं है।
- **अडोब फोटोशॉप (Adobe Photoshop):** यह एक ग्राफिक्स और इमेज एडिटिंग सॉफ्टवेयर है। इसका उपयोग डिजिटल इमेज बनाने और उनमें बदलाव करने के लिए होता है। यह एक एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर है, ऑपरेटिंग सिस्टम नहीं।
- **माइक्रोसॉफ्ट विंडोज (Microsoft Windows):** यह एक बहुत ही लोकप्रिय ऑपरेटिंग सिस्टम है। यह कंप्यूटर के सभी कार्यों को प्रबंधित करता है, जैसे कि फाइलों को सहेजना, एप्लीकेशन चलाना और हार्डवेयर को नियंत्रित करना।
- **MySQL:** यह एक डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम (DBMS) है। इसका उपयोग डेटा को स्टोर करने, प्रबंधित करने और पुनर्प्राप्त करने के लिए किया जाता है। यह ऑपरेटिंग सिस्टम नहीं है।

सही ऑपरेटिंग सिस्टम का चुनाव

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, केवल **माइक्रोसॉफ्ट विंडोज** ही एक ऑपरेटिंग सिस्टम है। अन्य विकल्प या तो एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर हैं या सिस्टम यूटिलिटीज।

निष्कर्ष

इसलिए, दिए गए विकल्पों में से माइक्रोसॉफ्ट विंडोज सही ऑपरेटिंग सिस्टम है।

विकल्प सारांश

विकल्प	प्रकार	क्या यह ऑपरेटिंग सिस्टम है?
गूगल क्रोम	वेब ब्राउज़र	नहीं
अडोब फोटोशॉप	एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर (ग्राफिक्स एडिटर)	नहीं
माइक्रोसॉफ्ट विंडोज	ऑपरेटिंग सिस्टम	हाँ
MySQL	डेटाबेस मैनेजमेंट सिस्टम	नहीं

92. Answer: d

Explanation:

राजस्थान में घग्घर नदी का प्रवेश मार्ग

घग्घर नदी, जिसे एक प्राचीन धारा माना जाता है, उत्तरी भारत की एक प्रमुख मौसमी नदी है। यह नदी राजस्थान में प्रवेश करने से पहले किन पड़ोसी राज्यों से होकर गुजरती है, यह समझना महत्वपूर्ण है।

घग्घर नदी का उद्गम और प्रवाह

- **उद्गम:** घग्घर नदी का उद्गम हिमाचल प्रदेश की शिवालिक पहाड़ियों से होता है।
- **प्रवाह मार्ग:** यह नदी हिमाचल प्रदेश से निकलकर पंजाब और हरियाणा राज्यों से होकर बहती है।
- **राजस्थान में प्रवेश:** हरियाणा से बहने के बाद, घग्घर नदी राजस्थान राज्य में प्रवेश करती है। यह मुख्य रूप से राजस्थान के उत्तरी भाग, विशेषकर हनुमानगढ़ जिले को प्रभावित करती है।
- **अंतिम गंतव्य:** अंततः यह नदी राजस्थान के थार मरुस्थल में जाकर विलुप्त हो जाती है।

पड़ोसी राज्य जिससे प्रवेश होता है

प्रश्न के अनुसार, घग्घर नदी राजस्थान में प्रवेश करने से ठीक पहले जिस पड़ोसी राज्य से होकर आती है, वह हरियाणा है। नदी हरियाणा के सिरसा जिले से राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में प्रवेश करती है।

मुख्य बिंदु

- घग्घर नदी एक मौसमी नदी है, जो वर्षा पर निर्भर करती है।
- इसका राजस्थान में प्रवेश हरियाणा राज्य की सीमा से होता है।
- यह नदी राजस्थान के जल संसाधनों में योगदान देती है, खासकर उत्तरी जिलों में।

93. Answer: b

Explanation:

श्रेणी को पूरा करना: Z, X, V, T, ?

यह प्रश्न एक अक्षर श्रेणी (letter series) को पूरा करने के बारे में है। हमें दिए गए अक्षरों Z, X, V, T के बीच के पैटर्न को पहचानना है और अगले अक्षर का पता लगाना है।

पैटर्न को समझना

आइए दिए गए अक्षरों और वर्णमाला में उनकी स्थिति को देखें:

- Z वर्णमाला का 26वाँ अक्षर है।
- X वर्णमाला का 24वाँ अक्षर है।
- V वर्णमाला का 22वाँ अक्षर है।
- T वर्णमाला का 20वाँ अक्षर है।

इन अक्षरों के बीच के अंतर को देखें:

- Z से X तक: 2 स्थान पीछे ($26 - 2 = 24$)
- X से V तक: 2 स्थान पीछे ($24 - 2 = 22$)
- V से T तक: 2 स्थान पीछे ($22 - 2 = 20$)

यह स्पष्ट है कि श्रेणी में प्रत्येक अगला अक्षर पिछले अक्षर से 2 स्थान पहले आता है।

अगले अक्षर का निर्धारण

इस पैटर्न का अनुसरण करते हुए, T के बाद अगला अक्षर ज्ञात करने के लिए, हमें T (जो 20वाँ अक्षर है) से 2 स्थान पीछे जाना होगा:

$$20 - 2 = 18$$

वर्णमाला का 18वाँ अक्षर R है।

निष्कर्ष

इसलिए, दी गई अक्षर श्रेणी Z, X, V, T, ? को पूरा करने वाला अगला अक्षर R है।

94. Answer: b

Explanation:

धनात्मक संख्या को ऋणात्मक संख्या से घटाना

जब हम एक ऋणात्मक संख्या से एक धनात्मक संख्या घटाते हैं, तो हम वास्तव में दो ऋणात्मक संख्याओं को जोड़ रहे होते हैं। इसे समझने के लिए, आइए गणितीय रूप से देखें।

मान लीजिए हमारे पास एक ऋणात्मक संख्या है, जिसे हम $-a$ से दर्शाते हैं, जहाँ a एक धनात्मक मान है (जैसे, -5 में, $a = 5$)।

मान लीजिए हमारे पास एक धनात्मक संख्या है, जिसे हम b से दर्शाते हैं (जैसे, 3)।

प्रश्न के अनुसार, हमें $-a$ में से b घटाना है। गणितीय रूप से, यह इस प्रकार लिखा जाता है:

$$-a - b$$

घटाने का नियम यह है कि किसी संख्या को घटाना उस संख्या के ऋणात्मक मान को जोड़ने के बराबर होता है। इसलिए, हम इसे इस प्रकार लिख सकते हैं:

$$-a + (-b)$$

यहाँ, $-a$ एक ऋणात्मक संख्या है और $-b$ भी एक ऋणात्मक संख्या है (क्योंकि b धनात्मक है)। जब हम दो ऋणात्मक संख्याओं को जोड़ते हैं, तो परिणाम हमेशा एक ऋणात्मक संख्या होती है।

उदाहरण

आइए कुछ उदाहरणों से इसे स्पष्ट करें:

- **उदाहरण 1:** मान लीजिए ऋणात्मक संख्या -7 है और धनात्मक संख्या 4 है।

गणना: $-7 - 4$

इसे इस प्रकार भी लिखा जा सकता है: $-7 + (-4)$

$$-7 - 4 = -11$$

परिणाम -11 है, जो एक ऋणात्मक संख्या है।

- **उदाहरण 2:** मान लीजिए ऋणात्मक संख्या -15 है और धनात्मक संख्या 10 है।

गणना: $-15 - 10$

इसे इस प्रकार भी लिखा जा सकता है: $-15 + (-10)$

$$-15 - 10 = -25$$

परिणाम -25 है, जो एक ऋणात्मक संख्या है।

निष्कर्ष

इन उदाहरणों से यह स्पष्ट होता है कि जब भी हम किसी ऋणात्मक संख्या से एक धनात्मक संख्या घटाते हैं, तो परिणाम हमेशा एक ऋणात्मक संख्या ही होता है।

इसलिए, सही विकल्प है कि परिणाम हमेशा ऋणात्मक होगा।

95. Answer: c

Explanation:

इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना का मुख्य उद्देश्य

इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना का मुख्य लक्ष्य शहरी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए आजीविका के अवसर पैदा करना है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जिन्हें आर्थिक सहायता की आवश्यकता है।

योजना के उद्देश्यों का विश्लेषण

आइए दिए गए विकल्पों का विश्लेषण करें और समझें कि कौन सा इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना के मुख्य उद्देश्य को सबसे सटीक रूप से दर्शाता है:

- **विकल्प 1: मुफ्त खाद्य वितरण** - यह योजना का मुख्य उद्देश्य नहीं है। यद्यपि सरकारी योजनाओं का उद्देश्य नागरिकों का कल्याण करना होता है, इस विशेष योजना का प्राथमिक ध्यान खाद्य वितरण पर नहीं है।
- **विकल्प 2: शहरी आवास विकास** - शहरी आवास विकास एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, लेकिन यह इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना का केंद्रीय उद्देश्य नहीं है। इस योजना का फोकस सीधे तौर पर रोजगार प्रदान करना है।
- **विकल्प 3: शहरी क्षेत्र में रोजगार गारंटी** - यह विकल्प योजना के नाम और मंशा के साथ पूरी तरह मेल खाता है। "शहरी रोजगार गारंटी" स्पष्ट रूप से बताता है कि योजना का उद्देश्य शहरी निवासियों को काम की गारंटी देना है, जिससे उनकी आय सुनिश्चित हो सके।
- **विकल्प 4: शहरी गरीबों के लिए मुफ्त शिक्षा** - शिक्षा एक मौलिक अधिकार है और इसके लिए भी विभिन्न सरकारी कार्यक्रम मौजूद हैं, लेकिन इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना का मुख्य उद्देश्य शिक्षा प्रदान करना नहीं, बल्कि रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना का प्राथमिक और मुख्य उद्देश्य **शहरी क्षेत्र में रोजगार गारंटी** प्रदान करना है। यह योजना शहरी अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और शहरी निवासियों की आय सुरक्षा सुनिश्चित करने में मदद करती है।

96. Answer: c

Explanation:

पैसिफिक यू वृक्ष और टैक्सॉल: एक विस्तृत विश्लेषण

यह परिच्छेद पैसिफिक यू (Pacific Yew) नामक एक सदाबहार वृक्ष के बारे में जानकारी देता है, जो पैसिफिक उत्तर-पूर्व क्षेत्र में पाया जाता है। इसमें वृक्ष की कुछ विशेषताओं का उल्लेख किया गया है, जैसे कि उसका फल जो गुद्देदार और विषाक्त होता है, और हाल ही में उसकी छाल से 'टैक्सॉल' नामक एक महत्वपूर्ण पदार्थ की खोज हुई है, जिसे कैंसर के उपचार में एक नई और आशाजनक दवा माना जा रहा है।

कथनों का विश्लेषण

आइए, दिए गए कथनों का परिच्छेद के आधार पर विश्लेषण करें:

- **कथन 1: स्वस्थ व्यक्ति के द्वारा टैक्सॉल का उपयोग जहरीला होता है।**

परिच्छेद में यह बताया गया है कि टैक्सॉल का उपयोग 'कैंसर के विरुद्ध' किया जाने वाला एक औषध है। इसमें इस बात का कोई उल्लेख नहीं है कि स्वस्थ व्यक्तियों द्वारा इसका उपयोग जहरीला होता है या नहीं। इसलिए, यह कथन परिच्छेद द्वारा समर्थित नहीं है।

- **कथन 2: टैक्सॉल से लोगों को अनेक बीमारियों से बचाया गया है।**

परिच्छेद टैक्सॉल को कैंसर के विरुद्ध एक 'नया एवं उत्साही औषध' बताता है, जिसका अर्थ है कि यह एक संभावित उपचार है। हालांकि, यह नहीं कहा गया है कि इससे लोगों को 'अनेक बीमारियों' से बचाया जा चुका है। यह एक अतिशयोक्ति होगी और सीधे तौर पर परिच्छेद से समर्थित नहीं है।

- **कथन 3: पैसिफिक यू का फल लोगों को नहीं खाना चाहिए।**

परिच्छेद स्पष्ट रूप से उल्लेख करता है कि पैसिफिक यू वृक्ष का 'फल गुद्देदार एवं विषाक्त होता है'। किसी भी विषाक्त पदार्थ का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। इसलिए, यह निष्कर्ष निकालना कि इसके फल को नहीं खाना चाहिए, परिच्छेद में दी गई जानकारी से सीधे तौर पर समर्थित होता है।

- **कथन 4: टैक्सॉल के खोज के पूर्व इस वृक्ष को बेकार माना जाता था।**

परिच्छेद में टैक्सॉल की खोज से पहले इस वृक्ष के महत्व या उसके बेकार माने जाने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। यह केवल वृक्ष की वर्तमान में ज्ञात उपयोगिता (टैक्सॉल का स्रोत) पर केंद्रित है। इसलिए, यह कथन परिच्छेद द्वारा समर्थित नहीं है।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, केवल कथन 3 ही वह है जिसका समर्थन परिच्छेद में दी गई जानकारी से सीधे तौर पर और स्पष्ट रूप से होता है, क्योंकि इसमें वृक्ष के 'विषाक्त फल' का उल्लेख किया गया है।

97. Answer: a

Explanation:

भील आंदोलन का नेतृत्व

ब्रिटिश शासन के दौरान, दक्षिणी राजस्थान के आदिवासी समुदायों, विशेषकर भील जनजाति, ने अपने अधिकारों और शोषण के विरुद्ध कई आंदोलन किए। इन आंदोलनों में से एक महत्वपूर्ण आंदोलन दक्षिणी राजस्थान (मेवाड़, मालवा और गुजरात से सटे क्षेत्रों) में केंद्रित था।

गोविंद गुरु की भूमिका

इस क्षेत्र में हुए **भील आंदोलन** का नेतृत्व मुख्य रूप से **गोविंद गुरु** ने किया था। गोविंद गुरु एक धार्मिक और सामाजिक सुधारक थे जिन्होंने भील समुदाय को संगठित करने और उन्हें शोषण के खिलाफ आवाज उठाने के लिए प्रेरित किया।

- **सामाजिक और धार्मिक सुधार:** गोविंद गुरु ने भील समुदाय के बीच शराब पीने, मांस खाने और चोरी जैसी बुराइयों को समाप्त करने पर जोर दिया। उन्होंने उन्हें नैतिक और धार्मिक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया, जिसे 'भगत आंदोलन' के रूप में भी जाना जाता है।
- **आर्थिक और राजनीतिक चेतना:** सामाजिक सुधार के साथ-साथ, गोविंद गुरु ने भीलों को ब्रिटिश सरकार और जागीरदारों द्वारा किए जा रहे आर्थिक शोषण, जैसे अत्यधिक लगान और बेगार (बिना मजदूरी के काम) के खिलाफ जागरूक किया।
- **एकत्रित आंदोलन:** उन्होंने '**संप सभा**' की स्थापना की, जिसका उद्देश्य आदिवासियों को एकजुट करना और उनके हितों की रक्षा करना था। संप सभा ने विशेष रूप से '**पीठ**' (एक प्रकार की सभा) आयोजित करके लोगों को संगठित किया।
- **मानगढ़ नरसंहार:** 1913 में मानगढ़ पहाड़ी पर एकत्रित हुए भीलों का गोविंद गुरु के नेतृत्व में ब्रिटिश सेना द्वारा नरसंहार किया गया, जो इस आंदोलन का एक दुखद अध्याय है।

अन्य नेताओं का संदर्भ

प्रश्न में दिए गए अन्य नेता भी स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े थे, लेकिन उनका मुख्य कार्यक्षेत्र और आंदोलन का स्वरूप भिन्न था:

- **विजय सिंह पथिक:** वे बिजोलिया किसान आंदोलन जैसे किसान आंदोलनों के प्रमुख नेता थे।
- **केसरी सिंह बारहथ:** वे मेवाड़ के स्वतंत्रता सेनानी थे और क्रांतिकारी गतिविधियों से जुड़े थे।
- **अर्जुन लाल सेठी:** वे जयपुर से संबंधित थे और उन्होंने क्रांतिकारी गतिविधियों के लिए 'वर्धमान विद्यालय' की स्थापना की थी।

इसलिए, ब्रिटिश शासन के दौरान दक्षिणी राजस्थान में भील आंदोलन का प्रमुख नेतृत्व **गोविंद गुरू** ने किया था।

98. Answer: d

Explanation:

मारवाड़ के शासक अकबर के काल में

यह प्रश्न मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल के दौरान मारवाड़ क्षेत्र के शासक के बारे में पूछता है। मारवाड़, राजस्थान का एक महत्वपूर्ण राज्य था, और इसके शासकों ने उस काल में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चंद्रसेन राठौड़: मारवाड़ के शासक

चंद्रसेन राठौड़ का शासनकाल **अकबर** के शासनकाल के एक बड़े हिस्से के समकालीन था। चंद्रसेन राठौड़ मारवाड़ के शासक थे जिन्होंने मुगल सम्राट अकबर की अधीनता स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। वे अपनी वीरता और अकबर के विरुद्ध अपने लंबे प्रतिरोध के लिए जाने जाते हैं। चंद्रसेन ने अकबर की सेनाओं का कड़ा मुकाबला किया और अपनी स्वतंत्रता को बनाए रखने का प्रयास किया, जिसके कारण उन्हें 'मारवाड़ का प्रताप' भी कहा जाता है।

अन्य विकल्प और ऐतिहासिक संदर्भ

- **राव जोधा:** राव जोधा जोधपुर के संस्थापक थे और उनका शासनकाल चंद्रसेन राठौड़ से काफी पहले था। वे चंद्रसेन के परदादा थे।
- **राव मालदेव:** राव मालदेव चंद्रसेन राठौड़ के पिता थे। उन्होंने अकबर के प्रारंभिक वर्षों के दौरान शासन किया, लेकिन 1562 में उनकी मृत्यु हो गई, जिसके बाद चंद्रसेन ने गद्दी संभाली। अकबर ने बाद के वर्षों में मारवाड़ पर अपना नियंत्रण बढ़ाने का प्रयास किया, जिसका सामना चंद्रसेन ने किया।

- **उदय सिंह:** उदय सिंह (जिन्हें मोटा राजा उदय सिंह भी कहा जाता है) चंद्रसेन राठौड़ के भाई थे। उन्होंने बाद में अकबर की अधीनता स्वीकार कर ली थी और अकबर ने उन्हें मारवाड़ का शासक नियुक्त किया था, लेकिन चंद्रसेन राठौड़ वह शासक थे जिन्होंने अकबर के सीधे प्रभुत्व का विरोध किया था।

इसलिए, अकबर के शासन के दौरान मारवाड़ के उस शासक के रूप में चंद्रसेन राठौड़ का नाम सबसे उपयुक्त है जिन्होंने मुगल सम्राट के विस्तारवादी नीतियों का प्रतिरोध किया।

99. Answer: a

Explanation:

राजस्थान में स्थानीय निकाय चुनावों का संचालन

यह प्रश्न पूछता है कि राजस्थान राज्य में पंचायत संस्थाओं (जैसे ग्राम पंचायत, पंचायत समिति, जिला परिषद) और नगरीय निकायों (जैसे नगर पालिका, नगर निगम) के चुनाव कौन सी संस्था आयोजित करवाती है।

चुनाव निकायों की भूमिका

भारत में, विभिन्न स्तरों पर चुनावों के संचालन के लिए अलग-अलग संस्थाएं जिम्मेदार होती हैं:

- **भारत चुनाव आयोग (Election Commission of India):** यह संस्था भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, संसद (लोकसभा और राज्यसभा) और राज्यों की विधानसभाओं के चुनावों का संचालन करती है।
- **राज्य निर्वाचन आयोग (State Election Commission):** प्रत्येक राज्य का अपना राज्य निर्वाचन आयोग होता है। संविधान के अनुच्छेद 243K और 243ZA के अनुसार, यह आयोग संबंधित राज्य में पंचायतों और नगर पालिकाओं (नगरीय निकायों) के चुनावों को कराने के लिए जिम्मेदार है।
- **मुख्य चुनाव अधिकारी (Chief Electoral Officer):** यह अधिकारी राज्य में भारत चुनाव आयोग के कार्यों का समन्वय करता है, लेकिन यह पंचायत और नगरीय निकाय चुनावों का संचालन सीधे तौर पर नहीं करता।
- **पंचायती राज मंत्रालय (Panchayati Raj Ministry):** यह मंत्रालय पंचायती राज व्यवस्था से संबंधित नीतियों और प्रशासनिक मामलों को देखता है, न कि चुनावों का संचालन करता है।

राजस्थान के संदर्भ में

राजस्थान में, पंचायत संस्थाओं और नगरीय निकायों जैसे स्थानीय स्व-शासन निकायों के चुनावों का संचालन करने की जिम्मेदारी **राज्य निर्वाचन आयोग** की है। यह आयोग स्वतंत्र रूप से और निष्पक्ष रूप से इन चुनावों को संपन्न कराने के लिए उत्तरदायी है।

इसलिए, दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर **राज्य निर्वाचन आयोग** है।

100. Answer: a

Explanation:

भारत सरकार पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री की पहचान

यह प्रश्न भारत सरकार में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्रालय के वर्तमान मंत्री के बारे में पूछता है। यह जानना महत्वपूर्ण है कि कौन व्यक्ति इस महत्वपूर्ण मंत्रालय का नेतृत्व कर रहा है।

विकल्पों का विश्लेषण

आइए दिए गए विकल्पों पर एक नज़र डालें:

- **विकल्प 1: गजेन्द्र सिंह** - यह विकल्प प्रश्न के अनुसार सही उत्तर है।
- **विकल्प 2: अर्जुनराव मेघवाल** - यह एक राजनेता का नाम है, लेकिन वर्तमान में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री नहीं हैं।
- **विकल्प 3: दिया कुमारी** - यह भी एक राजनेता का नाम है, लेकिन पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री के पद पर नहीं हैं।
- **विकल्प 4: भूपेन्द्र यादव** - यह एक केंद्रीय मंत्री हैं, परन्तु उनका मंत्रालय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन है, पर्यटन और संस्कृति नहीं।

सही उत्तर का निर्धारण

उपरोक्त विश्लेषण और दिए गए प्रश्न के अनुसार, भारत सरकार में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री का पद ****गजेन्द्र सिंह**** के पास है। यह जानकारी सरकारी मंत्रालयों और उनके प्रमुखों को समझने में मदद करती है।

101. Answer: b

Explanation:

2025 पुरुषों का विंबल्डन प्रतियोगिता

यह प्रश्न 2025 में होने वाली पुरुषों की विंबल्डन ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता के विजेता के बारे में पूछता है। विंबल्डन, चार सबसे प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंटों (ग्रैंड स्लैम) में से एक है।

खिलाड़ी की पहचान

प्रश्नोत्तर विकल्पों में कई प्रसिद्ध टेनिस खिलाड़ी शामिल हैं:

- जे. सिनर (J. Sinner)
- सी. एकलराज (C. Alcaraz)
- रोजर फेडरर (Roger Federer)
- नडाल (Nadal)

सही उत्तर का विश्लेषण

दिए गए सही उत्तर के अनुसार, **सी. एकलराज** वह पुरुष खिलाड़ी हैं जिन्होंने 2025 की पुरुषों की विंबल्डन ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता जीती है।

विसं. the Wimbledon Tournament

विसं. the Wimbledon Tournament एक वार्षिक घास-कोर्ट टेनिस प्रतियोगिता है जो लंदन, इंग्लैंड में आयोजित की जाती है। यह दुनिया के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंटों में से एक माना जाता है। यह टूर्नामेंट हर साल जून/जुलाई में आयोजित होता है।

निष्कर्ष

प्रश्नोत्तर के आधार पर, 2025 विंबल्डन पुरुषों का खिताब जीतने वाले खिलाड़ी का नाम **सी. एकलराज** है।

102. Answer: d

Explanation:

'मिसाइल मैन' का उपनाम और भारत

भारत में, 'मिसाइल मैन' के रूप में जाने जाने वाले व्यक्ति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम हैं। यह उपाधि उन्हें भारत के मिसाइल और परमाणु हथियार कार्यक्रमों के विकास में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए दी गई थी।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का योगदान

डॉ. अवुल पकिर जैनुलाब्दीन अब्दुल कलाम, जो डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के नाम से प्रसिद्ध हैं, एक भारतीय एयरोस्पेस वैज्ञानिक थे जिन्होंने भारत के राष्ट्रपति के रूप में भी कार्य किया। मिसाइल विकास में उनकी भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण थी:

- उन्होंने भारत के सामरिक मिसाइल कार्यक्रमों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- वह एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम (IGMDP) के प्रमुख थे।
- उनके नेतृत्व में, भारत ने कई मिसाइलों का सफलतापूर्वक परीक्षण किया, जैसे पृथ्वी, अग्नि, त्रिशूल, नाग और ब्रह्मोस।
- उन्हें भारत के नागरिक अंतरिक्ष कार्यक्रम में भी उनके काम के लिए जाना जाता है।

अन्य प्रमुख भारतीय वैज्ञानिक

विकल्पों में उल्लिखित अन्य वैज्ञानिक भी भारत के विकास में महत्वपूर्ण रहे हैं, लेकिन 'मिसाइल मैन' का विशेष खिताब डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से जुड़ा है:

- **होमी भाभा:** इन्हें भारत के परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम का जनक माना जाता है।
- **विक्रम साराभाई:** इन्हें भारत में अंतरिक्ष कार्यक्रम का जनक माना जाता है।
- **सतीश धवन:** ये एक प्रसिद्ध एयरोस्पेस इंजीनियर थे और ISRO के पूर्व अध्यक्ष थे, जिन्होंने भारत के अंतरिक्ष और मिसाइल कार्यक्रमों में योगदान दिया।

इन वैज्ञानिकों ने देश के वैज्ञानिक और तकनीकी विकास की नींव रखी, लेकिन मिसाइलों के क्षेत्र में डॉ. कलाम का योगदान अद्वितीय था, जिससे उन्हें 'मिसाइल मैन' की पहचान मिली।

103. Answer: d

Explanation:

किशोर न्याय अधिनियम का मुख्य लक्ष्य समझना

किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, जिसे अक्सर किशोर न्याय अधिनियम कहा जाता है, भारत में बच्चों से संबंधित कानूनों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह अधिनियम उन बच्चों के साथ व्यवहार करने के लिए एक विशेष कानूनी ढाँचा प्रदान करता है जो कानून के दायरे में आते हैं, यानी जिन्होंने अपराध किया है, या जो देखभाल और संरक्षण की ज़रूरत में हैं।

अधिनियम के लक्ष्यों का विश्लेषण

आइए प्रश्न में दिए गए विकल्पों का विश्लेषण करें ताकि किशोर न्याय अधिनियम के मुख्य लक्ष्य को समझा जा सके:

- विकल्प 1: अपराध करने वाले बच्चों को दंड देना**
 यह अधिनियम का एकमात्र या मुख्य लक्ष्य नहीं है। जबकि बच्चों द्वारा किए गए अपराधों को संबोधित किया जाता है, इसका प्राथमिक ध्यान दंड देने के बजाय सुधार और पुनर्वासि पर होता है। अधिनियम का उद्देश्य बच्चों को मुख्यधारा में वापस लाना है, न कि केवल उन्हें दंडित करना।
- विकल्प 2: बाल-श्रम को प्रोत्साहित करना**
 यह विकल्प अधिनियम के उद्देश्य के पूरी तरह से विपरीत है। किशोर न्याय अधिनियम, अन्य बाल संरक्षण कानूनों के साथ, बाल-श्रम को रोकने और समाप्त करने का प्रयास करता है, न कि इसे प्रोत्साहित करने का।
- विकल्प 3: बच्चों के द्वारा साइबर अपराध की घटना को रोकनी**
 साइबर अपराध सहित अपराधों को रोकना एक व्यापक लक्ष्य हो सकता है, लेकिन यह किशोर न्याय अधिनियम का *मुख्य* या एकमात्र लक्ष्य नहीं है। अधिनियम बच्चों की व्यापक देखभाल और संरक्षण से संबंधित है, जिसमें विभिन्न प्रकार के अपराध और संरक्षण की आवश्यकता वाली स्थितियाँ शामिल हैं। यह विकल्प बहुत संकीर्ण है।
- विकल्प 4: 18 वर्ष से कम आयु वाले अपराधी बच्चों की देखभाल, सुरक्षा एवं पुनर्वासि उपलब्ध कराना**
 यह विकल्प किशोर न्याय अधिनियम के मूल उद्देश्य को सटीक रूप से दर्शाता है। अधिनियम का मुख्य लक्ष्य उन सभी बच्चों की देखभाल, सुरक्षा और पुनर्वासि सुनिश्चित करना है जो 18 वर्ष की आयु पूरी करने से पहले कानून के साथ किसी न किसी तरह के टकराव में आते हैं। यह

उपचारात्मक दृष्टिकोण पर जोर देता है, यह मानते हुए कि बच्चे सुधार कर सकते हैं और समाज का उत्पादक हिस्सा बन सकते हैं।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि किशोर न्याय अधिनियम का सबसे महत्वपूर्ण और व्यापक लक्ष्य **18 वर्ष से कम आयु वाले अपराधी बच्चों की देखभाल, सुरक्षा एवं पुनर्वासि उपलब्ध कराना** है। यह अधिनियम बच्चों के अधिकारों और कल्याण को प्राथमिकता देता है, जिसमें उनके सुधार और समाज में पुनः एकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

104. Answer: b

Explanation:

The solution will be uploaded soon

105. Answer: b

Explanation:

पहली महिला मुख्यमंत्री की पहचान

यह प्रश्न पूछता है कि भारत के किसी भी राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री कौन बनीं। इस प्रश्न का उत्तर देने के लिए, हमें दिए गए विकल्पों में से प्रत्येक व्यक्ति के राजनीतिक योगदान और भूमिका को समझना होगा।

विकल्पों का विश्लेषण

- विकल्प 1: इंदिरा गांधी

इंदिरा गांधी भारत की पहली और एकमात्र महिला प्रधानमंत्री थीं। उन्होंने 1966 से 1977 तक और फिर 1980 से 1984 तक प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। हालाँकि वे एक अत्यंत प्रभावशाली राजनेता थीं, पर वे किसी राज्य की मुख्यमंत्री नहीं रहीं।

- विकल्प 2: सुचेता कृपलानी

सुचेता कृपलानी भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री थीं। उन्होंने 1963 से 1967 तक उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। वे एक स्वतंत्रता सेनानी भी थीं और उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

- विकल्प 3: सरोजिनी नायडु

सरोजिनी नायडु को 'भारत की कोकिला' के रूप में जाना जाता है। वे एक प्रसिद्ध कवयित्री और स्वतंत्रता सेनानी थीं। उन्होंने 1947 से 1949 तक उत्तर प्रदेश की पहली महिला राज्यपाल के रूप में कार्य किया। वे मुख्यमंत्री नहीं थीं।

- विकल्प 4: विजयलक्ष्मी पंडित

विजयलक्ष्मी पंडित भारत की एक प्रमुख राजनेता और राजनयिक थीं। वे भारत की पहली महिला कैबिनेट मंत्री (उत्तर प्रदेश सरकार में) और संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली महिला अध्यक्ष बनीं। वे किसी राज्य की मुख्यमंत्री नहीं रहीं।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि सुचेता कृपलानी वह पहली महिला थीं जिन्होंने किसी भारतीय राज्य (उत्तर प्रदेश) के मुख्यमंत्री का पद संभाला।

106. Answer: d

Explanation:

शी कोहोर्ट 3.0: महिला स्टार्टअप्स के लिए गुजरात की पहल

यह प्रश्न 'शी कोहोर्ट (SHE COHORT) 3.0' नामक एक महत्वपूर्ण पहल के बारे में है, जिसे विशेष रूप से महिला संचालित स्टार्टअप्स (women-led startups) को सशक्त बनाने और बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

'शी कोहोर्ट 3.0' पहल का उद्देश्य

इस पहल का मुख्य लक्ष्य महिला उद्यमियों को उनके व्यवसायों को शुरू करने, विकसित करने और सफल बनाने के लिए आवश्यक सहायता, संसाधन और मार्गदर्शन प्रदान करना है। यह पहल उन्हें नेटवर्किंग के अवसर, मेंटरशिप और वित्तीय सहायता प्राप्त करने में मदद करती है।

किस राज्य सरकार ने की शुरुआत?

गुजरात सरकार ने महिला संचालित स्टार्टअप्स को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 'शी कोहोर्ट (SHE COHORT) 3.0' पहल की शुरुआत की है। गुजरात सरकार नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है, और यह पहल महिला उद्यमियों का समर्थन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अन्य विकल्प क्यों सही नहीं हैं?

हालांकि ओडिशा, हरियाणा और पंजाब जैसी अन्य राज्य सरकारें भी महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाएं चलाती हैं, लेकिन 'शी कोहोर्ट 3.0' पहल विशेष रूप से गुजरात सरकार से जुड़ी हुई है।

निष्कर्ष

इसलिए, 'शी कोहोर्ट 3.0' पहल, जो महिला संचालित स्टार्टअप्स को सशक्त बनाने पर केंद्रित है, गुजरात राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई है।

107. Answer: d

Your Personal Exams Guide

Explanation:

प्रश्न विश्लेषण: AN=14, CAT=60, BEG=?

इस प्रश्न में, हमें अक्षरों के समूह को एक संख्यात्मक मान दिया गया है और उसी पैटर्न का उपयोग करके तीसरे समूह का मान ज्ञात करना है। हमें AN = 14 और CAT = 60 दिया गया है, और हमें BEG का मान पता लगाना है।

पैटर्न की पहचान

आइए दिए गए उदाहरणों से पैटर्न को समझने की कोशिश करें:

- AN = 14

- CAT = 60

हम वर्णमाला में प्रत्येक अक्षर की स्थिति का उपयोग करके पैटर्न का पता लगा सकते हैं:

- A वर्णमाला का 1^{ला} अक्षर है।
- N वर्णमाला का 14^{वाँ} अक्षर है।

यदि हम इन स्थितियों को गुणा करते हैं: $1 \times 14 = 14$. यह AN = 14 से मेल खाता है।

आइए इसे दूसरे उदाहरण पर आजमाएं:

- C वर्णमाला का 3^{रा} अक्षर है।
- A वर्णमाला का 1^{ला} अक्षर है।
- T वर्णमाला का 20^{वाँ} अक्षर है।

इन स्थितियों को गुणा करने पर: $3 \times 1 \times 20 = 60$. यह CAT = 60 से मेल खाता है।

अतः, पैटर्न यह है कि शब्द के अक्षरों की वर्णमाला स्थिति का गुणनफल ही उसका संख्यात्मक मान है।

BEG का मान ज्ञात करना

अब हम इसी पैटर्न का उपयोग करके BEG का मान ज्ञात करेंगे:

- B वर्णमाला का 2^{रा} अक्षर है।
- E वर्णमाला का 5^{वाँ} अक्षर है।
- G वर्णमाला का 7^{वाँ} अक्षर है।

इन स्थितियों को गुणा करने पर:

$$BEG = 2 \times 5 \times 7$$

$$BEG = 10 \times 7$$

$$BEG = 70$$

निष्कर्ष

इसलिए, दिए गए पैटर्न के अनुसार, BEG का मान 70 है।

शब्दों और उनके संख्यात्मक मानों के बीच संबंध			
शब्द	अक्षर स्थिति (A=1, B=2, ...)	गणना	परिणाम
AN	A=1, N=14	1×14	14
CAT	C=3, A=1, T=20	$3 \times 1 \times 20$	60
BEG	B=2, E=5, G=7	$2 \times 5 \times 7$	70

108. Answer: a

Explanation:

सिंधु जल-समझौते का विश्लेषण

यह प्रश्न भारत और एक अन्य देश के बीच हुए सिंधु जल-समझौते (Indus Waters Treaty) के बारे में पूछता है। सिंधु जल-समझौता भारत की प्रमुख नदियों के जल के बंटवारे से संबंधित एक महत्वपूर्ण संधि है।

सिंधु जल-समझौते के बारे में

सिंधु जल-समझौता एक संधि है जिस पर भारत और पाकिस्तान के बीच 19 सितंबर 1960 को हस्ताक्षर किए गए थे। इस समझौते को विश्व बैंक की मध्यस्थता में अंतिम रूप दिया गया था।

इस समझौते के अनुसार:

- पूर्वी नदियों (सतलुज, ब्यास, रावी) का जल मुख्य रूप से भारत द्वारा उपयोग किया जाएगा।
- पश्चिमी नदियों (सिंधु, झेलम, चेनाब) का जल मुख्य रूप से पाकिस्तान द्वारा उपयोग किया जाएगा।
- हालांकि, भारत को पश्चिमी नदियों के जल का निश्चित मात्रा में गैर-उपभोगी उपयोग (जैसे सिंचाई, बिजली उत्पादन) करने की अनुमति है।

प्रश्न का सही उत्तर

प्रश्न पूछता है कि भारत और किस देश के बीच सिंधु जल-समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। उपलब्ध विकल्पों में से:

- पाकिस्तान
- चीन
- बांग्लादेश
- नेपाल

ऊपर दी गई जानकारी के अनुसार, यह स्पष्ट है कि **सिंधु जल-समझौता भारत और पाकिस्तान** के बीच हुआ था।

109. Answer: d

Explanation:

कर्मचारियों की औसत आयु की गणना

इस प्रश्न में, हमें एक कंपनी में कर्मचारियों की औसत आयु की गणना करनी है, जब कुछ कर्मचारी अगले वर्ष सेवा से मुक्त हो जाएंगे। आइए इसे चरण-दर-चरण समझें।

प्रारंभिक कुल आयु का योग

सबसे पहले, हम कंपनी के सभी 30 कर्मचारियों की वर्तमान आयु का कुल योग ज्ञात करते हैं।

- कर्मचारियों की कुल संख्या = 30
- वर्तमान औसत आयु = 48 वर्ष
- वर्तमान कुल आयु का योग = कर्मचारियों की संख्या $\times$ औसत आयु
- वर्तमान कुल आयु का योग = $30 \times 48 = 1440$ वर्ष

अगले वर्ष की स्थिति

अगले वर्ष की स्थिति को समझने के लिए, हमें यह जानना होगा कि कितने कर्मचारी रहेंगे और कौन से कर्मचारी सेवा से मुक्त होंगे।

- सेवा से मुक्त होने वाले कर्मचारियों की संख्या = 8
- अगले वर्ष कंपनी में शेष कर्मचारियों की संख्या = $30 - 8 = 22$
- प्रश्न में दी गई जानकारी के अनुसार, सेवानिवृत्ति की आयु 60 वर्ष है। चूंकि 8 कर्मचारी अगले वर्ष (यानी, अगले वर्ष के अंत तक) सेवा से मुक्त हो जाएंगे, इसका मतलब है कि अगले वर्ष वे 60 वर्ष के हो जाएंगे। इसलिए, उनकी वर्तमान आयु 59 वर्ष मानी जा सकती है।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों की आयु का योग

अब, हम उन 8 कर्मचारियों की आयु का योग निकालते हैं जो अगले वर्ष सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

- सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की वर्तमान औसत आयु (जैसा कि ऊपर अनुमान लगाया गया है) = 59 वर्ष
- सेवानिवृत्त 8 कर्मचारियों की आयु का योग = $8 \times 59 = 472$ वर्ष

शेष कर्मचारियों की आयु में वृद्धि

जो 22 कर्मचारी अगले वर्ष भी कंपनी में काम करना जारी रखेंगे, उनकी आयु भी एक वर्ष बढ़ जाएगी।

- शेष कर्मचारियों की संख्या = 22
- प्रत्येक शेष कर्मचारी की आयु में वृद्धि = 1 वर्ष
- शेष कर्मचारियों की कुल आयु में वृद्धि = $22 \times 1 = 22$ वर्ष

नई कुल आयु का योग

अगले वर्ष के अंत में, कंपनी में शेष 22 कर्मचारियों की कुल आयु का योग निकालने के लिए, हम प्रारंभिक कुल योग से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों की आयु का योग घटाते हैं और शेष कर्मचारियों की आयु में हुई वृद्धि को जोड़ते हैं।

- नई कुल आयु का योग = (प्रारंभिक कुल आयु का योग) - (सेवानिवृत्त कर्मचारियों की आयु का योग) + (शेष कर्मचारियों की आयु में वृद्धि)
- नई कुल आयु का योग = $1440 - 472 + 22$
- नई कुल आयु का योग = $968 + 22 = 990$ वर्ष

नई औसत आयु की गणना

अंत में, हम अगले वर्ष शेष 22 कर्मचारियों की नई औसत आयु की गणना करते हैं।

- नई औसत आयु = (नई कुल आयु का योग) / (शेष कर्मचारियों की संख्या)
- नई औसत आयु = $990/22$
- नई औसत आयु = 45 वर्ष

इसलिए, अगले वर्ष कंपनी में कर्मचारियों की औसत आयु 45 वर्ष होगी।

110. Answer: c

Explanation:

लंबाई की तुलना: A, B, और C में सबसे छोटा कौन?

यह प्रश्न हमें तीन व्यक्तियों, A, B, और C की लम्बाई के बीच संबंध बताता है और सबसे छोटे व्यक्ति की पहचान करने के लिए कहता है।

दी गई जानकारी का विश्लेषण

हमें निम्नलिखित जानकारी दी गई है:

- A, B से लम्बा है।
- B, C से लम्बा है।

तुलनात्मक असमानताओं का निर्धारण

हम दी गई जानकारी को गणितीय रूप में व्यक्त कर सकते हैं:

- A, B से लम्बा है, जिसे हम इस प्रकार लिख सकते हैं: $A > B$
- B, C से लम्बा है, जिसे हम इस प्रकार लिख सकते हैं: $B > C$

निष्कर्ष निकालना

अब हम इन दो असमानताओं को मिलाते हैं:

चूंकि $A > B$ और $B > C$, हम निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि:

$$A > B > C$$

यह श्रृंखला दर्शाती है कि A सबसे लम्बा है, उसके बाद B है, और C सबसे छोटा है।

सबसे छोटे व्यक्ति की पहचान

असमानता $A > B > C$ के अनुसार, C की लम्बाई B से कम है, और B की लम्बाई A से कम है। इसलिए, तीनों में सबसे छोटा व्यक्ति C है।

111. Answer: b

Explanation:

आयु समस्या का हल: कमला के छोटे भाई की उम्र ज्ञात करना

यह प्रश्न एक आयु-संबंधी समस्या (Age Problem) है जिसमें हमें कमला और उसके छोटे भाई की आयु के बीच संबंध का उपयोग करके भाई की वर्तमान आयु का पता लगाना है। प्रश्न में दी गई जानकारी के अनुसार, कमला अपने छोटे भाई से दोगुनी बड़ी है और उनके बीच आयु का अंतर 15 वर्ष है।

समस्या को समझना और चर (Variables) परिभाषित करना

समस्या को हल करने के लिए, हम चर (variables) का उपयोग करेंगे:

- माना कमला की आयु K वर्ष है।
- माना कमला के छोटे भाई की आयु B वर्ष है।

समीकरण बनाना (Formulating Equations)

प्रश्न में दी गई जानकारी के आधार पर, हम निम्नलिखित समीकरण बना सकते हैं:

- कमला अपने छोटे भाई से दो गुना बड़ी है:
इसका मतलब है कि कमला की आयु, भाई की आयु की दोगुनी है।
गणितीय रूप में: $K = 2 \times B$
- उनके बीच के आयु में अंतर 15 वर्ष है:
चूंकि कमला बड़ी है, तो कमला की आयु में से भाई की आयु घटाने पर 15 वर्ष आता है।
गणितीय रूप में: $K - B = 15$

समीकरणों को हल करना (Solving the Equations)

अब हम इन समीकरणों को हल करके भाई की आयु (B) का मान ज्ञात करेंगे।

हम पहले समीकरण ($K = 2B$) से K का मान दूसरे समीकरण ($K - B = 15$) में रखेंगे:

$$(2B) - B = 15$$

इस समीकरण को सरल करने पर:

$$B = 15$$

परिणाम की पुष्टि (Verifying the Result)

हमें भाई की आयु $B = 15$ वर्ष मिली है।

अब हम कमला की आयु (K) ज्ञात कर सकते हैं:

$$K = 2 \times B = 2 \times 15 = 30 \text{ वर्षी}$$

अब आयु के अंतर की जांच करते हैं:

$$K - B = 30 - 15 = 15 \text{ वर्षी}$$

यह अंतर प्रश्न में दी गई जानकारी से मेल खाता है, इसलिए हमारा हल सही है।

निष्कर्ष (Conclusion)

कमला के छोटे भाई की आयु 15 वर्ष है।

112. Answer: d

Explanation:

कथनों और निष्कर्षों का तार्किक विश्लेषण

इस प्रश्न में हमें दिए गए दो कथनों के आधार पर यह तय करना है कि कौन से निष्कर्ष तार्किक रूप से अनुसरण करते हैं। हमें सामान्य ज्ञान को ध्यान में नहीं रखना है, केवल दिए गए कथनों पर ध्यान केंद्रित करना है।

दिए गए कथन

- कथन 1: सभी पेंसिलें कलम हैं।
- कथन 2: सभी कलम स्याही हैं।

दिए गए निष्कर्ष

- निष्कर्ष (i): सभी पेंसिलें स्याही हैं।
- निष्कर्ष (ii): कुछ स्याही पेंसिलें हैं।

तार्किक अनुसरण का विश्लेषण

आइए कथनों के बीच संबंध का विश्लेषण करें:

1. कथनों का संबंध:

- कथन 1 कहता है कि 'पेंसिल' का पूरा समूह 'कलम' के समूह के अंदर आता है। (सभी पेंसिलें कलम हैं)।
- कथन 2 कहता है कि 'कलम' का पूरा समूह 'स्याही' के समूह के अंदर आता है। (सभी कलम स्याही हैं)।

इन दोनों कथनों को मिलाने पर, हम एक श्रृंखला बना सकते हैं: पेंसिलें → कलम → स्याही। इसका मतलब है कि यदि कोई वस्तु पेंसिल है, तो वह निश्चित रूप से कलम है, और यदि वह कलम है, तो वह निश्चित रूप से स्याही है।

2. निष्कर्ष (i) का विश्लेषण:

निष्कर्ष (i) कहता है "सभी पेंसिलें स्याही हैं"। हमारे द्वारा स्थापित श्रृंखला (पेंसिलें → कलम → स्याही) के आधार पर, यह निष्कर्ष सीधे तौर पर अनुसरण करता है। यदि सभी पेंसिलें कलम हैं और सभी कलम स्याही हैं, तो यह तार्किक रूप से सत्य है कि सभी पेंसिलें स्याही होंगी।

3. निष्कर्ष (ii) का विश्लेषण:

निष्कर्ष (ii) कहता है "कुछ स्याही पेंसिलें हैं"। जब हम निष्कर्ष (i) को सत्य मानते हैं (कि सभी पेंसिलें स्याही हैं), तो इसका एक निहितार्थ यह भी होता है कि स्याही के समूह का वह हिस्सा जो पेंसिलें हैं, वह भी मौजूद है। यानी, यदि 'सभी पेंसिलें स्याही हैं', तो यह निश्चित रूप से सत्य है कि 'कुछ स्याही (जो पेंसिलें हैं) पेंसिलें हैं'।

इसे ऐसे समझें: यदि एक बड़ा समूह (स्याही) में एक छोटा समूह (पेंसिलें) पूरी तरह से समाहित है, तो उस बड़े समूह का वह हिस्सा जो छोटे समूह से मेल खाता है, वह निश्चित रूप से मौजूद है।

4. अंतिम निष्कर्ष:

विश्लेषण के अनुसार, दोनों निष्कर्ष (i) और (ii) दिए गए कथनों का तार्किक रूप से अनुसरण करते हैं।

इसलिए, सही विकल्प वह है जो बताता है कि दोनों निष्कर्ष निकलते हैं।

113. Answer: d

Explanation:

हिमालय में पीर पंजाल पर्वतमाला का स्थान

यह प्रश्न हिमालय पर्वतमाला के अंतर्गत पीर पंजाल पर्वतमाला की स्थिति के बारे में पूछता है। हिमालय पर्वतमाला को मुख्य रूप से तीन समानांतर श्रेणियों में बांटा गया है:

- **ग्रेट हिमालय (Himadri):** यह सबसे उत्तरी और सबसे ऊंची श्रृंखला है।
- **लेसर हिमालय (Himachal):** यह मध्यवर्ती श्रृंखला है, जो ग्रेट हिमालय के दक्षिण में स्थित है।
- **शिवालिक (Outer Himalayas):** यह सबसे दक्षिणी श्रृंखला है।

पीर पंजाल पर्वतमाला हिमालय की एक प्रमुख पर्वतमाला है। यह विशेष रूप से **लेसर (लघु) हिमालय** या हिमाचल श्रेणी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह श्रृंखला जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों में फैली हुई है। पीर पंजाल श्रेणी लेसर हिमालय की सबसे लंबी श्रृंखला है और यह ग्रेट हिमालय के दक्षिण-पश्चिम में स्थित है।

आइए दिए गए विकल्पों का विश्लेषण करें:

- **शिवालिक:** यह हिमालय की सबसे बाहरी और सबसे युवा श्रृंखला है। पीर पंजाल शिवालिक का हिस्सा नहीं है।
- **ट्रांस (पार) हिमालय:** यह हिमालय के उत्तर में स्थित एक अलग भूवैज्ञानिक क्षेत्र है, जिसमें काराकोरम और लद्दाख जैसी श्रृंखलाएँ शामिल हैं। पीर पंजाल ट्रांस हिमालय का हिस्सा नहीं है।
- **सेंट्रल (मध्य) हिमालय:** यह शब्द आमतौर पर हिमालय के मध्य भाग को संदर्भित कर सकता है, लेकिन भूवैज्ञानिक वर्गीकरण में 'लेसर हिमालय' अधिक विशिष्ट और सही शब्द है।
- **लेसर (लघु) हिमालय:** पीर पंजाल पर्वतमाला इसी मध्यवर्ती श्रृंखला का एक अभिन्न अंग है।

इसलिए, हिमालय में पीर पंजाल पर्वतमाला **लेसर (लघु) हिमालय** का एक भाग है।

114. Answer: a

Explanation:

कालबेलिया नृत्य का परिचय

कालबेलिया नृत्य, जिसे 'सांप नर्तकों का नृत्य' भी कहा जाता है, राजस्थान का एक प्रसिद्ध लोक नृत्य है। यह नृत्य मुख्य रूप से 'कालबेलिया' समुदाय द्वारा किया जाता है, जो पारंपरिक रूप से सपेरे होते हैं।

नृत्य की विशेषताएँ

- यह नृत्य कालबेलिया समुदाय की महिलाओं द्वारा किया जाता है।
- इसमें सर्प (सांप) की तरह गति और लचकदार शारीरिक मुद्राओं का प्रदर्शन होता है।
- पारंपरिक वेशभूषा, जिसमें रंगीन घाघरे और मनमोहक आभूषण शामिल हैं, इस नृत्य की सुंदरता को और बढ़ाती है।
- संगीत में पूंगी (एक पारंपरिक वाद्य यंत्र) का प्रयोग विशेष रूप से किया जाता है, जो सपेरों का वाद्य यंत्र है।
- इस नृत्य को यूनेस्को द्वारा मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।

राज्य से संबंध

कालबेलिया नृत्य का संबंध सीधे तौर पर **राजस्थान** राज्य से है। यह राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसे देश-विदेश में ख्याति प्राप्त है। यह नृत्य राजस्थान के थार रेगिस्तान क्षेत्र में विशेष रूप से लोकप्रिय है।

निष्कर्ष

इसलिए, कालबेलिया लोक नृत्य **राजस्थान** राज्य से संबंधित है।

115. Answer: c

Explanation:

त्रिनेत्र 2.0: अपराध निवारण पहल

यह प्रश्न “त्रिनेत्र 2.0” नामक एक महत्वपूर्ण पहल के बारे में है, जिसे **अपराध निवारण** के उद्देश्य से शुरू किया गया था। हमें यह पहचानना है कि किस भारतीय राज्य सरकार ने इस पहल को आरंभ किया।

त्रिनेत्र 2.0 पहल को समझना

“त्रिनेत्र 2.0” एक उन्नत निगरानी प्रणाली या सॉफ्टवेयर का एक हिस्सा है जिसे विशेष रूप से पुलिस और कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा अपराधों को ट्रैक करने, उनका विश्लेषण करने और उन्हें रोकने में सहायता के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस प्रणाली का उद्देश्य प्रौद्योगिकी का उपयोग करके सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना है।

राज्य सरकार की पहल

प्रश्न के अनुसार, “त्रिनेत्र 2.0” को 2025 में अपराध निवारण के लिए एक विशिष्ट भारतीय राज्य सरकार द्वारा शुरू किया गया था। विकल्पों में दिए गए राज्यों में से सही उत्तर की पहचान करनी है:

- पंजाब
- महाराष्ट्र
- उत्तर प्रदेश
- तमिलनाडु

सही उत्तर का स्पष्टीकरण

“त्रिनेत्र 2.0” पहल को **उत्तर प्रदेश** राज्य सरकार द्वारा आरंभ किया गया था। इस पहल का मुख्य उद्देश्य राज्य में अपराधों पर नियंत्रण रखना और कानून व्यवस्था को बेहतर बनाना है। यह प्रणाली एकीकृत अपराध डेटाबेस और खुफिया जानकारी का उपयोग करके पुलिस को अधिक प्रभावी ढंग से काम करने में मदद करती है। उत्तर प्रदेश सरकार ने सुरक्षा को बढ़ाने के लिए इस तरह की पहलों में निवेश किया है, और “त्रिनेत्र 2.0” इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इसलिए, सही विकल्प **उत्तर प्रदेश** है।

116. Answer: b

Explanation:

दर्पण द्वारा वास्तविक छवि का निर्माण

किसी वस्तु की **वास्तविक छवि (Real Image)** वह होती है जिसे पर्दे पर प्रक्षेपित किया जा सकता है। यह तब बनती है जब प्रकाश की किरणों परावर्तन के बाद किसी बिंदु पर वास्तव में मिलती हैं। विभिन्न प्रकार के दर्पणों के गुण निम्नलिखित हैं:

समतल दर्पण (Plane Mirror)

समतल दर्पण हमेशा **आभासी (virtual)**, सीधी (erect), और वस्तु के समान आकार की छवि बनाता है। आभासी छवि को पर्दे पर प्राप्त नहीं किया जा सकता।

उत्तल दर्पण (Convex Mirror)

उत्तल दर्पण भी हमेशा **आभासी (virtual)**, सीधी (erect), और वस्तु से छोटी (diminished) छवि बनाता है। यह दर्पण प्रकाश की किरणों को फैलाता है, जिससे एक आभासी छवि बनती है।

अवतल दर्पण (Concave Mirror)

अवतल दर्पण वस्तु की स्थिति के आधार पर वास्तविक या आभासी दोनों प्रकार की छवियां बना सकता है।

- जब वस्तु अवतल दर्पण के फोकस (F) और ध्रुव (P) के बीच स्थित होती है, तो दर्पण के पीछे एक **आभासी (virtual)**, सीधी और आवर्धित (magnified) छवि बनती है।
- जब वस्तु अवतल दर्पण के फोकस (F) से परे (यानी F, C, या अनंत के बीच) स्थित होती है, तो यह एक **वास्तविक (real)** और उलटी (inverted) छवि बनाता है। वास्तविक छवि को पर्दे पर प्राप्त किया जा सकता है।

उदाहरण के लिए, जब किसी मोमबत्ती को अवतल दर्पण के फोकस से परे रखा जाता है, तो दीवार पर मोमबत्ती का एक उलटा प्रतिबिंब बनता है, जो एक वास्तविक छवि है।

निष्कर्ष

इस प्रकार, किसी वस्तु की **वास्तविक छवि** प्राप्त करने के लिए **अवतल दर्पण** का उपयोग किया जाता है, बशर्ते वस्तु को दर्पण के फोकस बिंदु से परे रखा गया हो।

Explanation:

आयताकार प्लॉट में बजरी रास्ते की लागत

समस्या को समझना

हमें एक आयताकार घास-आच्छादित प्लॉट दिया गया है जिसकी लंबाई (L) 110 मी. और चौड़ाई (W) 60 मी. है। इस प्लॉट के अंदर चारों ओर 2 मी. चौड़ा बजरी का रास्ता बनाना है। हमें इस रास्ते पर बजरी बिछाने की कुल लागत ज्ञात करनी है, जिसकी दर ₹2 प्रति वर्ग मी. है।

मुख्य बिंदु यह है कि बजरी का रास्ता प्लॉट के अंदर बनाया गया है।

रास्ते के क्षेत्रफल की गणना

रास्ते का क्षेत्रफल निकालने के लिए, हमें पहले पूरे प्लॉट का क्षेत्रफल और फिर रास्ते को छोड़कर अंदर के क्षेत्र का क्षेत्रफल निकालना होगा। रास्ते का क्षेत्रफल इन दोनों के अंतर के बराबर होगा।

1. पूरे घास-आच्छादित प्लॉट का क्षेत्रफल निकालें

प्लॉट की लंबाई, $L = 110$ मी.

प्लॉट की चौड़ाई, $W = 60$ मी.

पूरे प्लॉट का क्षेत्रफल = लंबाई $\times$ चौड़ाई

$$\text{क्षेत्रफल} = L \times W$$

$$\text{क्षेत्रफल} = 110 \text{ मी.} \times 60 \text{ मी.} = 6600 \text{ मी.}^2$$

2. आंतरिक क्षेत्र (रास्ते को छोड़कर) के आयाम निकालें

रास्ते की चौड़ाई, $w = 2$ मी.

चूंकि रास्ता प्लॉट के अंदर है, तो अंदर के आयताकार क्षेत्र की लंबाई और चौड़ाई, पूरे प्लॉट के आयामों से $2 \times w$ कम होगी।

$$\text{आंतरिक लंबाई, } l = L - 2w = 110 \text{ मी.} - 2 \times (2 \text{ मी.}) = 110 \text{ मी.} - 4 \text{ मी.} = 106 \text{ मी.}$$

$$\text{आंतरिक चौड़ाई, } b = W - 2w = 60 \text{ मी.} - 2 \times (2 \text{ मी.}) = 60 \text{ मी.} - 4 \text{ मी.} = 56 \text{ मी.}$$

3. आंतरिक क्षेत्र का क्षेत्रफल निकालें

आंतरिक क्षेत्र का क्षेत्रफल = आंतरिक लंबाई $\times$ आंतरिक चौड़ाई

$$\text{आंतरिक क्षेत्र का क्षेत्रफल} = l \times b$$

$$\text{आंतरिक क्षेत्र का क्षेत्रफल} = 106 \text{ मी.} \times 56 \text{ मी.}$$

$$\text{आंतरिक क्षेत्र का क्षेत्रफल} = 5936 \text{ वर्ग मी.}$$

4. बजरी के रास्ते का क्षेत्रफल निकालें

रास्ते का क्षेत्रफल = पूरे प्लॉट का क्षेत्रफल - आंतरिक क्षेत्र का क्षेत्रफल

$$\text{रास्ते का क्षेत्रफल} = \text{पूरे प्लॉट का क्षेत्रफल} - \text{आंतरिक क्षेत्र का क्षेत्रफल}$$

$$\text{रास्ते का क्षेत्रफल} = 6600 \text{ वर्ग मी.} - 5936 \text{ वर्ग मी.}$$

$$\text{रास्ते का क्षेत्रफल} = 664 \text{ वर्ग मी.}$$

कुल लागत की गणना

बजरी बिछाने की दर = ₹2 प्रति वर्ग मी.

कुल लागत = रास्ते का क्षेत्रफल $\times$ दर

$$\text{कुल लागत} = \text{रास्ते का क्षेत्रफल} \times \text{दर}$$

$$\text{कुल लागत} = 664 \text{ वर्ग मी.} \times ₹2/\text{वर्ग मी.}$$

$$\text{कुल लागत} = ₹1328$$

अंतिम उत्तर

इसलिए, 2 मी. चौड़े बजरी के रास्ते पर बजरी बिछाने की कुल लागत ₹1328 है।

118. Answer: c

Explanation:

संविधान की 10वीं अनुसूची और MP/MLA अयोग्यता

यह प्रश्न भारतीय संविधान की अनुसूचियों से संबंधित है, विशेष रूप से सांसदों (MP) और विधायकों (MLA) की अयोग्यता के प्रावधानों के बारे में।

MP और MLA की अयोग्यता का आधार

भारतीय संविधान में, सदस्यों की अयोग्यता से संबंधित महत्वपूर्ण प्रावधानों को विभिन्न अनुसूचियों में शामिल किया गया है। प्रश्न विशेष रूप से दल-बदल (defection) के आधार पर MP और MLA की अयोग्यता के बारे में पूछता है।

10वीं अनुसूची का महत्व

10वीं अनुसूची, जिसे "दल-बदल विरोधी कानून" के रूप में भी जाना जाता है, को 52वें संशोधन अधिनियम, 1985 द्वारा संविधान में जोड़ा गया था। इस अनुसूची का मुख्य उद्देश्य राजनीतिक दल-बदल को रोकना है।

- यह अनुसूची संसद सदस्यों (MP) और राज्य विधानमंडलों के सदस्यों (MLA) को कुछ विशेष आधारों पर अयोग्य घोषित करने के लिए नियम निर्धारित करती है।
- मुख्य आधार जिससे किसी सदस्य को अयोग्य ठहराया जा सकता है, वह है एक राजनीतिक दल से दूसरे राजनीतिक दल में शामिल होना या उस दल के निर्देशों के विरुद्ध मतदान करना (कुछ अपवादों को छोड़कर)।

अन्य अनुसूचियों का संदर्भ

अन्य विकल्प इस संदर्भ में सही क्यों नहीं हैं:

- 8वीं अनुसूची: यह भारत की आधिकारिक भाषाओं से संबंधित है।
- 9वीं अनुसूची: इसमें संसद के ऐसे अधिनियम और आदेश शामिल हैं जिन्हें न्यायिक समीक्षा से छूट प्राप्त है।
- 11वीं अनुसूची: यह पंचायती राज संस्थाओं की शक्तियों, प्राधिकार और जिम्मेदारियों से संबंधित है।

इसलिए, MP और MLA की दल-बदल के आधार पर अयोग्यता से संबंधित प्रावधान भारतीय संविधान की 10वीं अनुसूची में पाए जाते हैं।

Explanation:

विविधता की पहचान: लंबाई बनाम द्रव्यमान इकाइयाँ

इस प्रश्न का उद्देश्य दिए गए विकल्पों में से उस इकाई को पहचानना है जो बाकी इकाइयों से भिन्न है। हमें प्रत्येक विकल्प का विश्लेषण करके यह समझना होगा कि वे क्या मापते हैं।

विकल्पों का विश्लेषण

- **इंच (Inch):** यह लंबाई मापने की एक इकाई है। इसका उपयोग मुख्य रूप से इम्पीरियल और अमेरिकी प्रथागत प्रणालियों में किया जाता है।
- **आउन्स (Ounce):** यह मुख्य रूप से द्रव्यमान (वजन) मापने की एक इकाई है। इसका उपयोग विभिन्न प्रणालियों में होता है, जैसे कि Avoirdupois औंस (लगभग 28.35 ग्राम) या ट्रॉय औंस (लगभग 31.1 ग्राम)। कुछ संदर्भों में, यह तरल मात्रा मापने के लिए भी प्रयोग किया जाता है (fluid ounce), लेकिन इसका प्राथमिक उपयोग द्रव्यमान के लिए है।
- **सेन्टीमीटर (Centimeter):** यह लंबाई मापने की एक मीट्रिक इकाई है। यह मीटर का सौवां हिस्सा है ($1 \text{ cm} = 0.01 \text{ m}$)।
- **यार्ड (Yard):** यह भी लंबाई मापने की एक इम्पीरियल इकाई है। एक यार्ड में 3 फीट या 36 इंच होते हैं।

सही उत्तर का निर्धारण

जब हम विकल्पों का विश्लेषण करते हैं, तो हम पाते हैं कि 'इंच', 'सेन्टीमीटर', और 'यार्ड' सभी लंबाई मापने वाली इकाइयाँ हैं। इसके विपरीत, 'आउन्स' मुख्य रूप से द्रव्यमान (वजन) मापने के लिए प्रयोग की जाने वाली इकाई है।

इसलिए, **आउन्स** वह विकल्प है जो दूसरों से अलग है क्योंकि यह लंबाई के बजाय द्रव्यमान को मापता है।

120. Answer: b

Explanation:

The solution will be uploaded soon

121. Answer: d

Explanation:

उदयपुर: झीलों का शहर - विस्तृत समाधान

यह प्रश्न भारत के एक प्रसिद्ध शहर के उपनाम से संबंधित है। 'झीलों का शहर' वह शहर है जो अपनी प्राकृतिक और कृत्रिम झीलों की अधिकता के लिए जाना जाता है।

विकल्पों का विश्लेषण

प्रश्नोत्तर के विकल्पों पर विचार करते हैं:

- **अजमेर:** अजमेर एक महत्वपूर्ण शहर है, लेकिन यह 'झीलों का शहर' के रूप में प्रसिद्ध नहीं है। यहाँ आना सागर झील जैसी झीलें हैं, पर यह इसकी मुख्य पहचान नहीं है।
- **भरतपुर:** भरतपुर अपने राष्ट्रीय उद्यान (केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान) के लिए प्रसिद्ध है, न कि झीलों के लिए।
- **कोटा:** कोटा मुख्य रूप से शिक्षा के केंद्र के रूप में जाना जाता है और चंबल नदी के किनारे स्थित है, परन्तु यह 'झीलों का शहर' की श्रेणी में नहीं आता।
- **उदयपुर:** उदयपुर, राजस्थान का एक खूबसूरत शहर है, जो अपनी कई सुन्दर झीलों के कारण विश्वभर में 'झीलों का शहर' (City of Lakes) के रूप में विख्यात है।

उदयपुर क्यों कहलाता है 'झीलों का शहर'?

उदयपुर को यह उपनाम इसकी प्राकृतिक सुंदरता और विशेष रूप से यहाँ स्थित अनेक मनमोहक झीलों के कारण मिला है। ये झीलें न केवल शहर की शोभा बढ़ाती हैं, बल्कि पर्यटन का भी एक प्रमुख आकर्षण हैं।

उदयपुर की कुछ प्रमुख झीलें निम्नलिखित हैं:

- पिछोला झील (Pichola Lake)
- फतेह सागर झील (Fateh Sagar Lake)
- स्वरूप सागर झील (Swaroop Sagar Lake)
- रंग सागर झील (Rang Sagar Lake)
- जयसमंद झील (Jaisamand Lake)

इन झीलों के आसपास का मनोरम दृश्य और ऐतिहासिक महत्व उदयपुर को वास्तव में 'झीलों का शहर' बनाते हैं।

122. Answer: c

Explanation:

ई-मेल भेजने हेतु प्रोटोकॉल

यह प्रश्न पूछता है कि कौन सा नेटवर्क प्रोटोकॉल इलेक्ट्रॉनिक मेल (ई-मेल) भेजने के काम आता है। इंटरनेट पर विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग प्रोटोकॉल का उपयोग किया जाता है। हमें दिए गए विकल्पों में से उस प्रोटोकॉल की पहचान करनी है जो विशेष रूप से ई-मेल भेजने से संबंधित है।

प्रोटोकॉल का विश्लेषण

आइए प्रत्येक विकल्प में दिए गए प्रोटोकॉल के कार्य को समझें:

- **FTP (File Transfer Protocol):** इस प्रोटोकॉल का उपयोग नेटवर्क पर एक कंप्यूटर से दूसरे कंप्यूटर में फाइलों को ट्रांसफर करने के लिए किया जाता है। यह ई-मेल भेजने के लिए नहीं है।
- **HTTP (Hypertext Transfer Protocol):** यह प्रोटोकॉल वर्ल्ड वाइड वेब (WWW) पर डेटा संचार का आधार है। इसका उपयोग वेब सर्वर से वेब पेज (HTML डॉक्यूमेंट) जैसे संसाधनों को प्राप्त करने के लिए होता है। यह ई-मेल भेजने के लिए नहीं है।
- **SMTP (Simple Mail Transfer Protocol):** यह प्रोटोकॉल विशेष रूप से ई-मेल भेजने के लिए डिज़ाइन किया गया है। जब आप कोई ई-मेल भेजते हैं, तो आपका ई-मेल क्लाइंट (जैसे जीमेल, आउटलुक) SMTP का उपयोग करके ई-मेल सर्वर को वह संदेश भेजता है। सर्वर भी इसी प्रोटोकॉल का उपयोग करके प्राप्तकर्ता के सर्वर तक ई-मेल पहुंचाते हैं।
- **SSH (Secure Shell):** यह एक क्रिप्टोग्राफिक नेटवर्क प्रोटोकॉल है जिसका उपयोग असुरक्षित नेटवर्क पर सुरक्षित रूप से डेटा और कमांड निष्पादन को सक्षम करने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग आमतौर पर रिमोट लॉगिन और कमांड निष्पादन के लिए होता है, ई-मेल भेजने के लिए नहीं।

सही विकल्प का निर्धारण

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि केवल **SMTP** प्रोटोकॉल ही ई-मेल भेजने के कार्य के लिए उपयोग किया जाता है। अन्य प्रोटोकॉल के कार्य भिन्न हैं।

इसलिए, ई-मेल भेजने में उपयोगी प्रोटोकॉल SMTP है।

123. Answer: b

Explanation:

चम्बल नदी घाटी परियोजना: मुख्य उद्देश्य

चम्बल नदी घाटी परियोजना, भारत की एक प्रमुख नदी घाटी परियोजना है। इसका मुख्य उद्देश्य चम्बल नदी के पानी का बेहतर उपयोग करना है। आइए परियोजना के प्राथमिक लक्ष्यों को समझें:

- **पनबिजली उत्पादन (Hydroelectric Power Generation):** इस परियोजना के तहत कई बांधों का निर्माण किया गया है, जैसे गांधी सागर, राणा प्रताप सागर, और जवाहर सागर। इन बांधों से बड़े पैमाने पर बिजली का उत्पादन होता है, जो आसपास के राज्यों, विशेषकर राजस्थान और मध्य प्रदेश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करती है।
- **सिंचाई (Irrigation):** परियोजना का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करना है। बांधों से छोड़े गए पानी का उपयोग नहरों के माध्यम से खेतों तक पहुंचाया जाता है, जिससे लाखों हेक्टेयर भूमि सिंचित होती है और कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है। यह विशेष रूप से शुष्क क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण है।
- **बाढ़ नियंत्रण (Flood Control):** चम्बल नदी में आने वाली विनाशकारी बाढ़ को नियंत्रित करने में भी यह परियोजना सहायक है। बांध बाढ़ के पानी को रोककर निचले इलाकों को सुरक्षित रखते हैं।
- **मृदा संरक्षण (Soil Conservation):** परियोजना के माध्यम से कटाव को नियंत्रित करने और मृदा संरक्षण के उपाय भी किए जाते हैं।

परियोजना के अन्य संबंधित क्षेत्र

हालांकि परियोजना के मुख्य उद्देश्य पनबिजली और सिंचाई हैं, इसके कुछ अप्रत्यक्ष लाभ भी हैं, लेकिन ये इसके प्राथमिक फोकस नहीं हैं:

- **पर्यटन (Tourism):** गांधी सागर, राणा प्रताप सागर जैसे बांध और चम्बल नदी के किनारे के प्राकृतिक दृश्य कुछ हद तक पर्यटन को आकर्षित करते हैं।
- **खनिज विकास (Mineral Development):** परियोजना का सीधा संबंध खनिज विकास से नहीं है, हालांकि जल संसाधनों की उपलब्धता से औद्योगिक विकास को अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा मिल सकता है।

- शहरी आवास (Urban Housing): परियोजना का शहरी आवास से कोई सीधा संबंध नहीं है।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि चम्बल नदी घाटी परियोजना मुख्य रूप से **पनबिजली** के उत्पादन और बड़े पैमाने पर **सिंचाई** की सुविधा प्रदान करने के लिए ही अभिकल्पित (designed) और कार्यान्वित (implemented) की गई है।

124. Answer: c

Explanation:

अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों को समझना

अर्थव्यवस्था को मुख्य रूप से तीन या चार क्षेत्रों में बांटा जाता है, जो विभिन्न प्रकार की आर्थिक गतिविधियों को दर्शाते हैं। ये क्षेत्रक उत्पादन, वितरण और उपभोग की प्रक्रियाओं में अर्थव्यवस्था की संरचना को समझने में मदद करते हैं।

प्राथमिक क्षेत्रक: प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग

प्राथमिक क्षेत्रक उन सभी आर्थिक गतिविधियों से संबंधित है जो सीधे प्राकृतिक संसाधनों के निष्कर्षण या उत्पादन से जुड़ी होती हैं। इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:

- **कृषि:** फसलों का उगाना और पशुपालन।
- **मछली पकड़ना:** जल निकायों से मछली और अन्य समुद्री जीवों को पकड़ना।
- **वानिकी:** लकड़ी काटना और अन्य वन उत्पाद प्राप्त करना।
- **खनन और उत्खनन:** पृथ्वी से खनिज और अन्य कच्चे माल निकालना।

ये गतिविधियाँ अर्थव्यवस्था का आधार बनती हैं क्योंकि ये अन्य सभी उद्योगों के लिए कच्चा माल प्रदान करती हैं।

द्वितीयक क्षेत्रक: विनिर्माण और उत्पादन

द्वितीयक क्षेत्रक में प्राथमिक क्षेत्रक से प्राप्त कच्चे माल को तैयार माल में बदला जाता है। इस क्षेत्रक में विनिर्माण, प्रसंस्करण और निर्माण उद्योग शामिल हैं। उदाहरण के लिए:

- कपड़ा मिलें
- ऑटोमोबाइल निर्माण
- भवन निर्माण
- इस्पात संयंत्र

तृतीयक क्षेत्रक: सेवाएँ प्रदान करना

तृतीयक क्षेत्रक, जिसे सेवा क्षेत्रक भी कहा जाता है, वस्तुओं के उत्पादन के बजाय सेवाएँ प्रदान करता है। इसमें विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ शामिल हैं, जैसे:

- परिवहन
- बैंकिंग
- शिक्षा
- स्वास्थ्य सेवा
- पर्यटन
- संचार

चतुर्थक क्षेत्रक (वैकल्पिक)

कुछ वर्गीकरणों में, एक चतुर्थक क्षेत्रक भी होता है, जो ज्ञान-आधारित गतिविधियों जैसे अनुसंधान, विकास, सूचना प्रौद्योगिकी और परामर्श पर केंद्रित होता है।

प्रश्न का विश्लेषण

प्रश्न पूछता है कि अर्थव्यवस्था का कौन सा क्षेत्रक **कृषि, मछली पकड़ना और वानिकी** जैसी गतिविधियों को शामिल करता है। जैसा कि ऊपर बताया गया है, ये सभी गतिविधियाँ सीधे प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग से संबंधित हैं। इसलिए, ये गतिविधियाँ **प्राथमिक क्षेत्रक** का हिस्सा हैं।

अन्य विकल्प क्यों सही नहीं हैं:

- **द्वितीयक क्षेत्रक:** यह कच्चे माल को तैयार माल में बदलता है, न कि सीधे प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग करता है।
- **तृतीयक क्षेत्रक:** यह सेवाएँ प्रदान करता है, न कि वस्तुओं का उत्पादन या प्राकृतिक संसाधनों का निष्कर्षण।
- **चतुर्थक क्षेत्रक:** यह ज्ञान और सूचना पर आधारित होता है, जो प्राथमिक गतिविधियों से अलग है।

125. Answer: c

Explanation:

The solution will be uploaded soon

126. Answer: b

Explanation:

राजस्थान में स्टार्ट-अप्स और नवाचार प्रोत्साहन योजना

इस प्रश्न में पूछा गया है कि राजस्थान सरकार द्वारा स्टार्ट-अप्स (नए व्यवसाय) और नवाचार (नई खोज या तरीका) को बढ़ावा देने के लिए कौन सी योजना चलाई जा रही है। यह जानना महत्वपूर्ण है कि राज्य सरकार नई कंपनियों और विचारों को कैसे प्रोत्साहित करती है।

विभिन्न योजनाओं का विश्लेषण

आइए हम दिए गए विकल्पों पर एक नज़र डालें:

- **स्टार्ट-अप इंडिया:** यह भारत सरकार की एक राष्ट्रीय स्तर की पहल है जिसका उद्देश्य पूरे भारत में स्टार्ट-अप इकोसिस्टम को बढ़ावा देना है। हालाँकि राजस्थान सरकार भी इस पहल का समर्थन करती है, लेकिन यह विशेष रूप से राज्य सरकार की अपनी योजना नहीं है।
- **ई-स्टार्ट राजस्थान:** यह राजस्थान सरकार की एक विशिष्ट योजना है जिसे राज्य में स्टार्ट-अप्स और नवाचार को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- **नवाचार मिशन:** यह एक सामान्य शब्द है जो नवाचार को बढ़ावा देने वाले किसी भी कार्यक्रम का वर्णन कर सकता है। हालाँकि, 'ई-स्टार्ट राजस्थान' एक अधिक विशिष्ट और आधिकारिक योजना का नाम है।
- **मुख्यमंत्री स्टार्ट-अप्स योजना:** यह एक संभावित नाम हो सकता है, लेकिन उपलब्ध जानकारी और सही उत्तर के अनुसार, 'ई-स्टार्ट राजस्थान' वह योजना है जिसे राजस्थान सरकार चला रही है।

ई-स्टार्ट राजस्थान योजना पर मुख्य बिंदु

ई-स्टार्ट राजस्थान योजना राजस्थान सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके मुख्य उद्देश्य और विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

- **उद्देश्य:** राज्य में उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा देना और नवीन विचारों को व्यावहारिक व्यवसायों में बदलना।
- **समर्थन:** यह योजना नए उद्यमियों को मार्गदर्शन, धन सहायता, और आवश्यक बुनियादी ढाँचा (जैसे इनक्यूबेशन सेंटर) प्रदान करती है।
- **नवाचार पर ध्यान:** योजना विशेष रूप से उन स्टार्ट-अप्स को प्रोत्साहित करती है जो प्रौद्योगिकी, सामाजिक प्रभाव या अन्य क्षेत्रों में कुछ नया और बेहतर ला रहे हैं।
- **पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण:** इसका लक्ष्य राजस्थान में एक मजबूत स्टार्ट-अप पारिस्थितिकी तंत्र बनाना है, जहाँ नए व्यवसाय फल-फूल सकें।

इस प्रकार, 'ई-स्टार्ट राजस्थान' वह योजना है जिसके माध्यम से राजस्थान सरकार विशेष रूप से स्टार्ट-अप्स और नवाचार को प्रोत्साहित करती है।

127. Answer: a

Explanation:

EFFECTIVE का दर्पण प्रतिबिंब: हल

यह प्रश्न 'EFFECTIVE' शब्द के दर्पण प्रतिबिंब (Mirror Reflection) को खोजने के बारे में है। दर्पण प्रतिबिंब में, किसी शब्द को क्षैतिज रूप से (horizontally) इस तरह से पलटा जाता है जैसे कि वह दर्पण में दिखाई दे रहा हो। इसका मतलब है कि शब्द के अक्षरों का क्रम उलट जाता है और प्रत्येक अक्षर को भी क्षैतिज रूप से पलट दिया जाता है।

दर्पण प्रतिबिंब ज्ञात करने की प्रक्रिया

किसी शब्द का दर्पण प्रतिबिंब ज्ञात करने के लिए, हम निम्नलिखित दो मुख्य चरणों का पालन करते हैं:

1. **अक्षरों के क्रम को उलटें:** सबसे पहले, मूल शब्द के अक्षरों के क्रम को पीछे से आगे की ओर लिखें।
2. **प्रत्येक अक्षर को क्षैतिज रूप से पलटें:** इसके बाद, उल्टे क्रम में लिखे गए प्रत्येक अक्षर को क्षैतिज अक्ष पर पलटें (जैसे कि वे दर्पण में दिखते हैं)।

'EFFECTIVE' शब्द का विश्लेषण

दिया गया शब्द है: EFFECTIVE

चरण 1: अक्षरों का क्रम उलटना

शब्द 'EFFECTIVE' के अक्षरों को उलटने पर हमें प्राप्त होता है:

EVITCEFFE

चरण 2: प्रत्येक अक्षर का क्षैतिज प्रतिबिंब

अब, हम 'EVITCEFFE' के प्रत्येक अक्षर का क्षैतिज प्रतिबिंब ज्ञात करेंगे:

- 'E' का प्रतिबिंब 'E' होता है।
- 'V' का प्रतिबिंब 'V' होता है।
- 'I' का प्रतिबिंब 'I' होता है।
- 'T' का प्रतिबिंब 'T' होता है।
- 'C' का प्रतिबिंब 'C' होता है।
- 'E' का प्रतिबिंब 'E' होता है।
- 'F' का प्रतिबिंब क्षैतिज रूप से पलटा हुआ 'F' होता है।
- 'F' का प्रतिबिंब क्षैतिज रूप से पलटा हुआ 'F' होता है।
- 'E' का प्रतिबिंब 'E' होता है।

इन सभी प्रतिबिंबित अक्षरों को क्रम में रखने पर, 'EFFECTIVE' का अंतिम दर्पण प्रतिबिंब बनता है: EVITCEFFE (यहाँ F अक्षर क्षैतिज रूप से पलटा हुआ दिखाई देगा)।

यह परिणाम विकल्प 1 में प्रदर्शित छवि से मेल खाता है, जो 'EFFECTIVE' का सही दर्पण प्रतिबिंब दर्शाता है।

128. Answer: b

Explanation:

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के अशोक चक्र में तिलियों की संख्या

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज, जिसे तिरंगा भी कहा जाता है, भारत की संप्रभुता और एकता का प्रतीक है। इस ध्वज के सफेद पट्टी के केंद्र में एक चक्र होता है जिसे 'अशोक चक्र' के नाम से जाना जाता है।

अशोक चक्र का परिचय

अशोक चक्र मूल रूप से सम्राट अशोक द्वारा बनवाया गया 'सिंह स्तंभ' के शीर्ष पर स्थापित धर्म चक्र का एक चित्रण है। इसे 'समय का पहिया' भी कहा जाता है और यह निरंतर गति और प्रगति का प्रतीक है।

तिलियों की गिनती

हमारे राष्ट्रीय ध्वज के मध्य भाग में जो अशोक चक्र दर्शाया गया है, उसमें ठीक **24 तिलियाँ** (spokes) होती हैं।

24 तिलियों का महत्व

ये 24 तिलियाँ दिन के 24 घंटों का प्रतीक हैं। यह इस बात का अनुस्मारक है कि भारत राष्ट्र निरंतर प्रगति पर है और कभी भी विकास की गति को धीमा नहीं होने देना चाहिए। यह जीवन की गतिशीलता, शांति और प्रगति को दर्शाता है।

निष्कर्ष

अतः, भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के अशोक चक्र में कुल **24 तिलियाँ** होती हैं।

129. Answer: a

Your Personal Exams Guide

Explanation:

ओज़ोन परत क्षरण और जिम्मेदार गैसों

यह प्रश्न ओज़ोन परत के क्षरण (depletion) के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार गैस के बारे में पूछता है। ओज़ोन परत पृथ्वी के समताप मंडल (stratosphere) में स्थित है और सूर्य की हानिकारक पराबैंगनी (UV) विकिरण से हमारी रक्षा करती है। इस परत का क्षरण एक गंभीर पर्यावरणीय चिंता का विषय है।

मुख्य जिम्मेदार गैसों का विश्लेषण

आइए दिए गए विकल्पों और ओज़ोन परत पर उनके प्रभाव का विश्लेषण करें:

- **क्लोरोफ्लूरोकार्बन्स (CFCs):** ये सिंथेटिक रसायन हैं जिनका उपयोग पहले रेफ्रिजरेट, एयरोसोल स्प्रे और सॉल्वेंट्स में व्यापक रूप से किया जाता था। जब CFCs समताप मंडल तक पहुँचते हैं, तो वे UV विकिरण द्वारा विघटित हो जाते हैं, जिससे क्लोरीन परमाणु निकलते हैं। ये क्लोरीन परमाणु ओज़ोन (O_3) के अणुओं को उत्प्रेरक (catalytically) रूप से नष्ट कर देते हैं, जिससे ओज़ोन परत का क्षरण होता है। एक क्लोरीन परमाणु लाखों ओज़ोन अणुओं को नष्ट कर सकता है।
- **नाइट्रस ऑक्साइड (N_2O):** यह एक ग्रीनहाउस गैस है और ओज़ोन परत के क्षरण में भी योगदान देती है, विशेष रूप से समताप मंडल के ऊपरी हिस्से में। हालाँकि, CFCs की तुलना में इसका प्रभाव कम प्रत्यक्ष और व्यापक माना जाता है, खासकर ओज़ोन छिद्र (ozone hole) के निर्माण के संबंध में।
- **कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2):** यह मुख्य रूप से एक ग्रीनहाउस गैस है जो ग्लोबल वार्मिंग के लिए जिम्मेदार है। जबकि CO_2 वायुमंडल की संरचना को प्रभावित करती है, यह सीधे तौर पर ओज़ोन परत के क्षरण का मुख्य कारण नहीं मानी जाती है। वास्तव में, CO_2 के बढ़ने से समताप मंडल ठंडा हो सकता है, जो कुछ हद तक ओज़ोन के पुनर्जनन में मदद कर सकता है, लेकिन यह CFCs द्वारा होने वाले विनाश की भरपाई नहीं करता है।
- **नाइट्रोजन (N_2):** नाइट्रोजन वायुमंडल का एक प्रमुख घटक है और यह ओज़ोन परत के क्षरण में प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं है। नाइट्रोजन के ऑक्साइड (जैसे NO_x) ओज़ोन क्षरण में भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन शुद्ध नाइट्रोजन गैस नहीं।

निष्कर्ष

वैज्ञानिक सहमति यह है कि **क्लोरोफ्लूरोकार्बन्स (CFCs)** ओज़ोन परत के क्षरण के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार गैस हैं। मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल जैसे अंतरराष्ट्रीय समझौतों ने CFCs के उत्पादन और उपयोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने में मदद की है, जिससे ओज़ोन परत को ठीक होने का मौका मिला है।

सही उत्तर

प्रश्न के अनुसार, ओज़ोन परत के क्षरण (depletion) के लिए मुख्य रूप से **क्लोरोफ्लूरोकार्बन्स** जिम्मेदार हैं।

130. Answer: a

Explanation:

संख्याओं में विषम संख्या की पहचान

इस प्रश्न का उद्देश्य दी गई चार संख्याओं (594, 693, 465, 573) में से उस संख्या को खोजना है जो अन्य तीन से भिन्न है। इसका मतलब है कि तीन संख्याओं में एक समान विशेषता होगी, जबकि एक संख्या में वह विशेषता नहीं होगी।

संख्याओं का विश्लेषण

1. संख्या 594 का विश्लेषण

- यह एक **सम संख्या** है क्योंकि इसका अंतिम अंक 4 है, जो 2 से विभाज्य है।
- इसके अंकों का योग है: $5 + 9 + 4 = 18$.

2. संख्या 693 का विश्लेषण

- यह एक **विषम संख्या** है क्योंकि इसका अंतिम अंक 3 है, जो 2 से विभाज्य नहीं है।
- इसके अंकों का योग है: $6 + 9 + 3 = 18$.

3. संख्या 465 का विश्लेषण

- यह एक **विषम संख्या** है क्योंकि इसका अंतिम अंक 5 है, जो 2 से विभाज्य नहीं है।
- इसके अंकों का योग है: $4 + 6 + 5 = 15$.

4. संख्या 573 का विश्लेषण

- यह एक **विषम संख्या** है क्योंकि इसका अंतिम अंक 3 है, जो 2 से विभाज्य नहीं है।
- इसके अंकों का योग है: $5 + 7 + 3 = 15$.

सामान्य विशेषता की पहचान

ऊपर दिए गए विश्लेषण से, हम देखते हैं कि संख्याएँ 693, 465, और 573 सभी **विषम संख्याएँ** हैं।

विषम संख्या का निर्धारण

संख्या 594 एक **सम संख्या** है, जबकि अन्य तीन संख्याएँ (693, 465, 573) विषम संख्याएँ हैं। इसलिए, 594 वह संख्या है जो दूसरों से भिन्न है।

131. Answer: d

Explanation:

भारत की सबसे बड़ी पर्वत श्रेणी को समझना

यह प्रश्न भारत की भौगोलिक संरचना से संबंधित है और पूछता है कि कौन सी पर्वत श्रृंखला सबसे विशाल या सबसे बड़ी है। भारत में कई प्रमुख पर्वत श्रृंखलाएँ हैं, जिनमें से प्रत्येक की अपनी विशेषताएँ हैं। आइए विकल्पों पर एक नज़र डालें:

पर्वत श्रेणियों का विश्लेषण

- **अरावली की पहाड़ियाँ:** ये भारत की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में से एक हैं, जो गुजरात से लेकर दिल्ली तक फैली हुई हैं। ये अपनी आयु के कारण अब अवशिष्ट पर्वत (residual mountains) की श्रेणी में आती हैं और अपनी मूल ऊँचाई खो चुकी हैं।
- **पश्चिमी घाट की पहाड़ियाँ:** यह एक सतत पर्वत श्रृंखला है जो भारतीय प्रायद्वीप के पश्चिमी तट के समानांतर चलती है। यह यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल भी है और जैव विविधता के लिए महत्वपूर्ण है।
- **विंध्याचल पर्वत श्रेणियाँ:** यह श्रृंखला भारत के मध्य भाग में स्थित है और नर्मदा नदी को गंगा के मैदानों से अलग करती है। यह भी एक पुरानी श्रृंखला है।
- **हिमालय पर्वत श्रेणियाँ:** यह दुनिया की सबसे युवा और सबसे ऊँची पर्वत श्रृंखलाओं में से एक है। यह उत्तर और उत्तर-पूर्व भारत की एक विशाल चाप (arc) के रूप में फैली हुई है, जिसमें दुनिया की सबसे ऊँची चोटियाँ शामिल हैं। इसकी विशालता, ऊँचाई और फैलाव इसे भारत की सबसे बड़ी पर्वत श्रेणी बनाते हैं।

सबसे बड़ी पर्वत श्रेणी का निर्धारण

क्षेत्रफल, ऊँचाई और भूवैज्ञानिक युवावस्था के आधार पर, **हिमालय पर्वत श्रेणियाँ** भारत की **सबसे बड़ी पर्वत श्रेणी** मानी जाती हैं। यह न केवल भारत के लिए बल्कि पूरे एशिया के लिए एक महत्वपूर्ण भौगोलिक विशेषता है, जो जलवायु और जल निकासी पैटर्न को भी प्रभावित करती है।

इसलिए, दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर **हिमालय पर्वत श्रेणियाँ** है।

132. Answer: b

Explanation:

राजस्थान के पारंपरिक लोक नृत्यों को समझना

इस प्रश्न का उद्देश्य यह पहचानना है कि दिए गए विकल्पों में से कौन सा राजस्थान का एक पारंपरिक लोक नृत्य नहीं है। आइए प्रत्येक विकल्प का विश्लेषण करें:

घूमर नृत्य का विश्लेषण

घूमर राजस्थान का एक प्रसिद्ध और पारंपरिक लोक नृत्य है। यह मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा विभिन्न त्योहारों और समारोहों पर प्रस्तुत किया जाता है। इसकी विशेषता घूमते हुए प्रदर्शन और रंगीन पोशाकें हैं।

भांगड़ा नृत्य का विश्लेषण

भांगड़ा पंजाब राज्य का एक बहुत ही ऊर्जावान और प्रसिद्ध लोक नृत्य है। यह आमतौर पर वसंत ऋतु में फसल की कटाई के समय किया जाता है। यह नृत्य राजस्थान की लोक नृत्य परंपरा का हिस्सा नहीं है।

कठपुतली नृत्य का विश्लेषण

कठपुतली (कठपुतली) नृत्य राजस्थान की एक अनूठी कला है। इसमें प्रशिक्षित कलाकार धागों की मदद से कठपुतलियों को नचाते हैं और कहानियाँ सुनाते हैं। यह राजस्थान की एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक अभिव्यक्ति है।

कालबेलिया नृत्य का विश्लेषण

कालबेलिया नृत्य राजस्थान के कालबेलिया समुदाय द्वारा किया जाने वाला एक और महत्वपूर्ण लोक नृत्य है। इसे यूनेस्को द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में भी मान्यता प्राप्त है। यह अपनी लयबद्ध गतिविधियों और संगीत के लिए जाना जाता है।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि घूमर, कठपुतली और कालबेलिया राजस्थान के पारंपरिक लोक नृत्य हैं। **भांगड़ा**, हालांकि एक लोकप्रिय भारतीय लोक नृत्य है, लेकिन यह पंजाब का

है, राजस्थान का नहीं। इसलिए, भांगड़ा राजस्थान का पारंपरिक लोक नृत्य नहीं है।

133. Answer: c

Explanation:

राजस्थान राज्य का संवैधानिक मुखिया

भारत की संघीय व्यवस्था में, प्रत्येक राज्य का एक मुखिया होता है जो राज्य के संवैधानिक प्रमुख के रूप में कार्य करता है। यह पद काफी हद तक औपचारिक होता है, जबकि वास्तविक कार्यकारी शक्तियाँ मुख्यमंत्री और उनकी मंत्रिपरिषद के पास होती हैं। प्रश्न यह पूछता है कि **राजस्थान राज्य का संवैधानिक मुखिया** कौन होता है।

विभिन्न पदों का विश्लेषण

आइए राजस्थान के संदर्भ में दिए गए विभिन्न पदों की भूमिकाओं को समझें:

- **मुख्यमंत्री (Chief Minister):** मुख्यमंत्री राज्य सरकार का वास्तविक कार्यकारी प्रमुख होता है। वे मंत्रिपरिषद के प्रमुख होते हैं और राज्य के प्रशासन के दिन-प्रतिदिन के कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं। हालाँकि, वे मुख्यमंत्री होते हैं, न कि संवैधानिक मुखिया।
- **विधान सभा अध्यक्ष (Speaker of Legislative Assembly):** विधान सभा अध्यक्ष का मुख्य कार्य राज्य की विधान सभा की बैठकों की अध्यक्षता करना और सदन की कार्यवाही का संचालन करना है। वे राज्य के संवैधानिक मुखिया नहीं होते हैं।
- **राज्यपाल (Governor):** भारत के संविधान के अनुसार, राज्यपाल राज्य का प्रमुख होता है। उन्हें भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है। राज्यपाल राज्य के **संवैधानिक मुखिया** माने जाते हैं। वे राष्ट्रपति के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करते हैं और उन्हें कुछ महत्वपूर्ण विवेकाधीन शक्तियाँ भी प्राप्त होती हैं, लेकिन सामान्य परिस्थितियों में वे मंत्रिपरिषद की सलाह पर कार्य करते हैं।
- **मुख्य सचिव (Chief Secretary):** मुख्य सचिव राज्य सरकार का सर्वोच्च पदस्थ अधिकारी होता है। वे भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) के सबसे वरिष्ठ अधिकारी होते हैं और राज्य के प्रशासन के प्रमुख के रूप में कार्य करते हैं। वे मुख्यमंत्री के प्रमुख सलाहकार होते हैं लेकिन संवैधानिक मुखिया नहीं।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि **राज्यपाल** राजस्थान राज्य के **संवैधानिक मुखिया** होते हैं। यद्यपि वास्तविक राजनीतिक शक्ति मुख्यमंत्री के पास होती है, लेकिन संविधानिक रूप से राज्यपाल ही राज्य के प्रमुख होते हैं।

134. Answer: b

Explanation:

प्राचीन संस्कृत ग्रंथ: औषध एवं शल्यचिकित्सा

प्रश्न पूछता है कि कौन सा प्राचीन संस्कृत ग्रंथ औषध (चिकित्सा) और शल्यचिकित्सा (सर्जरी) से संबंधित है। आइए दिए गए विकल्पों का विश्लेषण करें:

- **अर्थशास्त्र**: यह कौटिल्य द्वारा लिखा गया एक ग्रंथ है जो मुख्य रूप से राज्य-प्रशासन, आर्थिक नीति और सैन्य रणनीति जैसे विषयों पर केंद्रित है, न कि चिकित्सा पर।
- **सुश्रुत संहिता**: यह प्राचीन भारत के सबसे महत्वपूर्ण चिकित्सा ग्रंथों में से एक है। इसे महर्षि सुश्रुत को श्रेय दिया जाता है, जिन्हें अक्सर 'शल्यचिकित्सा का जनक' कहा जाता है। इस ग्रंथ में विभिन्न रोगों के निदान, उपचार और विशेष रूप से शल्यचिकित्सा प्रक्रियाओं का विस्तृत वर्णन है।
- **रघुवंशम्**: यह महाकवि कालिदास द्वारा रचित एक महाकाव्य है, जो राजा रघु के वंश का वर्णन करता है। इसका संबंध चिकित्सा या शल्यचिकित्सा से नहीं है।
- **अभिज्ञानशाकुंतलम्**: यह भी कालिदास द्वारा रचित एक प्रसिद्ध नाटक है, जो राजा दुष्यंत और शाकुंतला की प्रेम कहानी पर आधारित है। इसका संबंध भी चिकित्सा से नहीं है।

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि **सुश्रुत संहिता** ही वह प्राचीन संस्कृत ग्रंथ है जो औषध एवं शल्यचिकित्सा पर उपलब्ध है।

सुश्रुत संहिता का महत्व

सुश्रुत संहिता आयुर्वेद के त्रि-स्कंध (तीन प्रमुख ग्रंथ) में से एक मानी जाती है। इसमें लगभग 184 अध्याय हैं जिनमें 1120 रोगों, 7 प्रकार की विकृतियों (डिफॉर्मिटीज़), 700 औषधीय पौधों, 64 औषधियों की तैयारी और 300 शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं का वर्णन है। शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में, इसमें मोतियाबिंद का ऑपरेशन, टूटी हड्डियों को ठीक करना, और प्लास्टिक सर्जरी जैसी उन्नत तकनीकों का उल्लेख मिलता है।

अन्य विकल्पों का खंडन

- **अर्थशास्त्र**: यह ग्रंथ मुख्य रूप से शासन और अर्थनीति से जुड़ा है।
- **रघुवंशम्** और **अभिज्ञानशाकुंतलम्**: ये दोनों कालिदास की उत्कृष्ट कृतियाँ हैं, जो साहित्य और काव्य के क्षेत्र में हैं, न कि चिकित्सा के।

इसलिए, औषध एवं शल्यचिकित्सा पर उपलब्ध प्राचीन संस्कृत ग्रंथ **सुश्रुत संहिता** है।

135. Answer: b

Explanation:

मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना का उद्देश्य

"मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना" एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका मुख्य लक्ष्य राज्य में औद्योगिक विकास को गति देना है। यह योजना विशेष रूप से छोटे व्यवसायों को समर्थन देने पर केंद्रित है।

योजना का विश्लेषण

आइए दिए गए विकल्पों का विश्लेषण करें कि "मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना" का सही उद्देश्य क्या है:

- **विकल्प 1: आई टी क्षेत्र को बढ़ावा देना**

हालांकि आई टी (सूचना प्रौद्योगिकी) क्षेत्र अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, लेकिन "मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना" का नाम सीधे तौर पर केवल आई टी क्षेत्र को लक्षित नहीं करता है। इसका दायरा व्यापक है।

- **विकल्प 2: सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को बढ़ावा देना**

यह विकल्प योजना के नाम और सामान्य औद्योगिक नीति के उद्देश्यों के साथ सबसे अधिक मेल खाता है। "लघु उद्योग" शब्द सीधे तौर पर छोटे पैमाने के उद्यमों को इंगित करता है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य अक्सर नए सूक्ष्म और लघु उद्योगों की स्थापना को प्रोत्साहित करना, मौजूदा उद्योगों का विस्तार करना और उन्हें वित्तीय सहायता, तकनीकी मार्गदर्शन और अन्य आवश्यक संसाधन प्रदान करना होता है।

- विकल्प 3: कृषि निर्यात को बढ़ावा देना

कृषि निर्यात एक विशिष्ट क्षेत्र है। जबकि लघु उद्योग कृषि-आधारित उत्पाद बना सकते हैं, योजना का प्राथमिक और समग्र उद्देश्य केवल कृषि निर्यात को बढ़ावा देना नहीं है।

- विकल्प 4: पर्यटन को बढ़ावा देना

पर्यटन एक सेवा क्षेत्र है और यह आमतौर पर अलग सरकारी योजनाओं के अंतर्गत आता है। "लघु उद्योग" शब्द का पर्यटन से सीधा संबंध नहीं है, इसलिए यह इस योजना का मुख्य उद्देश्य होने की संभावना नहीं है।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि "मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना" का प्रमुख और सीधा उद्देश्य **सूक्ष्म एवं लघु उद्योगों को बढ़ावा देना** है। यह योजना इन उद्योगों के लिए एक सहायक वातावरण बनाने और उनके विकास को सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन की गई है, जिससे रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को बल मिले।

136. Answer: b

Explanation:

सर्च इंजन क्या है?

एक **सर्च इंजन** एक ऐसा सॉफ्टवेयर या वेबसाइट है जो इंटरनेट पर जानकारी खोजने में मदद करता है। यह वेब पेजों को इंडेक्स करता है और उपयोगकर्ताओं को कीवर्ड या वाक्यांशों के आधार पर प्रासंगिक परिणाम दिखाता है।

दिए गए विकल्पों का विश्लेषण

आइए दिए गए विकल्पों पर एक नज़र डालें और समझें कि कौन सा सर्च इंजन है और कौन सा नहीं:

- **याहू (Yahoo):** याहू एक जानी-मानी इंटरनेट कंपनी है जो सर्च इंजन, ईमेल, समाचार और अन्य सेवाएं प्रदान करती है। इसका सर्च इंजन (Yahoo Search) वेब पेजों को खोजने के लिए उपयोग किया जाता है।

- **फेसबुक (Facebook):** फेसबुक एक **सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म** है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को दोस्तों और परिवार से जुड़ने, फोटो और वीडियो साझा करने और ग्रुप्स में भाग लेने की अनुमति देना है। यह सीधे तौर पर वेब पेजों को खोजने के लिए डिज़ाइन नहीं किया गया है।
- **बिंग (Bing):** बिंग माइक्रोसॉफ्ट द्वारा विकसित एक लोकप्रिय **सर्च इंजन** है। यह गूगल की तरह ही वेब, चित्र, वीडियो और अन्य प्रकार की जानकारी खोजने के लिए उपयोग किया जाता है।
- **गूगल (Google):** गूगल दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे लोकप्रिय **सर्च इंजन** है। यह वेब पर जानकारी खोजने के लिए व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है।

निष्कर्ष: कौन सा सर्च इंजन नहीं है?

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि याहू, बिंग और गूगल सभी सर्च इंजन हैं। हालाँकि, **फेसबुक** एक सर्च इंजन नहीं है, बल्कि एक सोशल मीडिया नेटवर्क है। इसलिए, सही उत्तर फेसबुक है क्योंकि यह वेब पर जानकारी खोजने के लिए एक प्राथमिक उपकरण के रूप में कार्य नहीं करता है।

विकल्प	प्रकार	विवरण
याहू	सर्च इंजन/वेब पोर्टल	वेब पेज खोजने के लिए उपयोग किया जाता है।
फेसबुक	सोशल मीडिया नेटवर्क	लोगों को जोड़ने और सामग्री साझा करने के लिए है, सर्च इंजन नहीं।
बिंग	सर्च इंजन	वेब पेज खोजने के लिए उपयोग किया जाता है।
गूगल	सर्च इंजन	वेब पेज खोजने के लिए सबसे लोकप्रिय है।

137. Answer: d

Explanation:

'वन्दे मातरम्' गीत के रचयिता की पहचान

यह प्रश्न 'वन्दे मातरम्' गीत के लेखक के बारे में पूछता है। 'वन्दे मातरम्' भारत का एक प्रसिद्ध राष्ट्रीय गीत है, जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

गीत के रचयिता: बंकिम चन्द्र चटर्जी

'वन्दे मातरम्' गीत के रचयिता **बंकिम चन्द्र चटर्जी** हैं। उन्होंने यह गीत संस्कृत में लिखा था। यह गीत पहली बार उनके द्वारा 1870 के दशक में लिखे गए प्रसिद्ध बंगाली उपन्यास '**आनंदमठ**' में प्रकाशित हुआ था।

'आनंदमठ' उपन्यास 19वीं शताब्दी के अंत में लिखा गया था और यह सन्यासी विद्रोह (1770) की पृष्ठभूमि पर आधारित है। 'वन्दे मातरम्' गीत उपन्यास का एक अभिन्न अंग बन गया और जल्द ही यह देशभक्ति और राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक बन गया।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण

- **रबिन्द्रनाथ टैगोर:** ये एक महान कवि और लेखक थे जिन्होंने भारत का राष्ट्रगान 'जन गण मन' लिखा था, न कि 'वन्दे मातरम्'।
- **दादाभाई नौरोजी:** ये एक प्रमुख राष्ट्रवादी नेता और व्यवसायी थे, जिन्हें 'भारत का ग्रेंड ओल्ड मैन' कहा जाता है। इनका गीत लेखन से कोई संबंध नहीं है।
- **लाल बहादुर शास्त्री:** ये भारत के पूर्व प्रधानमंत्री थे, जो अपने कुशल नेतृत्व के लिए जाने जाते थे। इनका भी 'वन्दे मातरम्' गीत से कोई संबंध नहीं है।

'वन्दे मातरम्' का महत्व

'वन्दे मातरम्' गीत ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ भारत के संघर्ष में लोगों को प्रेरित किया। 1950 में, इसे भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया। यह गीत आज भी भारतीय राष्ट्रवाद और एकता का एक शक्तिशाली प्रतीक है।

138. Answer: d

Explanation: Your Personal Exams Guide

विटामिन K और रक्त का थक्का जमना

यह प्रश्न पूछता है कि दिए गए विटामिनों में से कौन सा विटामिन रक्त का थक्का जमने (Blood Clotting) की प्रक्रिया में सहायता करता है। रक्त का थक्का जमना एक महत्वपूर्ण शारीरिक प्रक्रिया है जो चोट लगने पर अत्यधिक रक्तस्राव को रोकती है।

विभिन्न विटामिनों की भूमिका

आइए हम दिए गए विकल्पों और उनकी भूमिकाओं पर एक नज़र डालें:

- **विटामिन A:** यह मुख्य रूप से दृष्टि, प्रतिरक्षा प्रणाली और त्वचा के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। यह सीधे तौर पर रक्त के थक्के जमने में शामिल नहीं होता है।

- **विटामिन C:** यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है और कोलेजन के उत्पादन के लिए आवश्यक है, जो ऊतकों की मरम्मत और प्रतिरक्षा कार्य में मदद करता है। यह रक्त के थक्के जमने में प्रत्यक्ष भूमिका नहीं निभाता है।
- **विटामिन D:** यह कैल्शियम और फास्फोरस के अवशोषण के लिए महत्वपूर्ण है, जो हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। इसका रक्त के थक्के जमने से सीधा संबंध नहीं है।
- **विटामिन K:** यह विटामिन रक्त का थक्का जमने की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विटामिन K का महत्व

विटामिन K का मुख्य कार्य यकृत (liver) में कुछ विशिष्ट प्रोटीन (जिन्हें क्लॉटिंग फैक्टर कहा जाता है) के संश्लेषण (synthesis) में मदद करना है। ये क्लॉटिंग फैक्टर रक्त के थक्का जमने की प्रक्रिया के लिए आवश्यक होते हैं। विटामिन K के बिना, ये फैक्टर ठीक से काम नहीं कर पाते, जिससे रक्त का थक्का जमने में समस्या हो सकती है और रक्तस्राव का खतरा बढ़ सकता है।

मुख्य क्लॉटिंग फैक्टर जिन्हें विटामिन K की आवश्यकता होती है उनमें शामिल हैं:

- प्रोथ्रोम्बिन (Prothrombin)
- फैक्टर VII
- फैक्टर IX
- फैक्टर X

इसलिए, रक्त का थक्का जमने (Blood Clotting) में सहायता के लिए **विटामिन K** सबसे उपयुक्त उत्तर है।

139. Answer: d

Explanation:

श्रेणी पैटर्न का विश्लेषण

इस प्रश्न में, हमें दी गई संख्या श्रेणी 3, 7, 16, 32, 57 में अगली संख्या का पता लगाना है।

श्रृंखला की संख्याओं के बीच अंतर की गणना

सबसे पहले, आइए हम श्रेणी में लगातार संख्याओं के बीच के अंतर की जांच करें:

- दूसरी संख्या और पहली संख्या के बीच अंतर: $7 - 3 = 4$
- तीसरी संख्या और दूसरी संख्या के बीच अंतर: $16 - 7 = 9$
- चौथी संख्या और तीसरी संख्या के बीच अंतर: $32 - 16 = 16$
- पांचवीं संख्या और चौथी संख्या के बीच अंतर: $57 - 32 = 25$

अंतरों में पैटर्न की पहचान

हमें प्राप्त अंतर हैं: 4, 9, 16, 25।

इन अंतरों को ध्यान से देखने पर, हम पाते हैं कि ये क्रमिक पूर्ण वर्ग संख्याएँ हैं:

- 4 जो कि 2^2 के बराबर है।
- 9 जो कि 3^2 के बराबर है।
- 16 जो कि 4^2 के बराबर है।
- 25 जो कि 5^2 के बराबर है।

इससे पता चलता है कि श्रेणी में प्रत्येक अगली संख्या को पिछली संख्या में एक बढ़ते हुए वर्ग को जोड़कर प्राप्त किया जाता है, जो 2^2 से शुरू होता है।

अगले अंतर का निर्धारण

इस पैटर्न का अनुसरण करते हुए, अगला अंतर 6^2 होना चाहिए।

इसकी गणना इस प्रकार है:

$$6^2 = 36$$

श्रेणी की अगली संख्या ज्ञात करना

श्रेणी में अगली संख्या ज्ञात करने के लिए, हम श्रेणी की अंतिम ज्ञात संख्या (57) में गणना किए गए अगले अंतर (36) को जोड़ देंगे।

$$\text{अगली संख्या} = 57 + 36$$

$$\text{अगली संख्या} = 93$$

निष्कर्ष

इसलिए, दी गई संख्या श्रेणी 3, 7, 16, 32, 57 में अगली संख्या 93 होगी।

140. Answer: d

Explanation:

समस्या का विश्लेषण

यह प्रश्न एक गणितीय पहेली है। हमें एक ऐसी संख्या ज्ञात करनी है जिसे जब 7 से गुणा किया जाता है, तो परिणामी गुणनफल में केवल अंक '3' ही आता है। हमें इस गुणनफल में अंक '3' की न्यूनतम संख्या का पता लगाना है।

मुख्य बिंदु हैं:

- संख्या को 7 से गुणा किया गया है।
- परिणामी गुणनफल में केवल '3' अंक हैं (जैसे 3, 33, 333, आदि)।
- हमें '3' अंकों की न्यूनतम संख्या ज्ञात करनी है।

इसका अर्थ है कि हमें सबसे छोटी संभव संख्या ढूंढनी है जो पूरी तरह से '3' अंकों से बनी हो और 7 से विभाज्य हो।

7 से विभाज्यता की जाँच

आइए हम उन संख्याओं की जाँच करें जो केवल '3' अंकों से बनी हैं और देखें कि कौन सी 7 से विभाज्य हैं। हम सबसे छोटी संख्या से शुरू करते हैं:

गुणनफल (P)	'3' की संख्या	7 से विभाजन का प्रयास	परिणाम
3	1	$3 \div 7$	विभाज्य नहीं (शेषफल 3)
33	2	$33 \div 7$	विभाज्य नहीं (शेषफल 5)
333	3	$333 \div 7$	विभाज्य नहीं (शेषफल 4)
3333	4	$3333 \div 7$	विभाज्य नहीं (शेषफल 1)
33333	5	$33333 \div 7$	विभाज्य नहीं (शेषफल 6)
333333	6	$333333 \div 7$	विभाज्य है (क्योंकि $333333 = 7 \times 47619$)

निष्कर्ष

तालिका से यह स्पष्ट है कि 333333 वह सबसे छोटी संख्या है जो केवल '3' अंकों से बनी है और 7 से पूरी तरह विभाज्य है।

इस संख्या (333333) में अंक '3' कुल 6 बार आता है।

अतः, जब किसी संख्या को 7 से गुणा करने पर प्राप्त गुणनफल में केवल '3' अंक होते हैं, तो उस गुणनफल में '3' की न्यूनतम संख्या 6 होती है।

141. Answer: a

Explanation:

The solution will be uploaded soon

142. Answer: a

Explanation:

बेणेश्वर मेला: इंगरपुर का प्रसिद्ध मेला

बेणेश्वर मेला, जो राजस्थान के इंगरपुर जिले में स्थित बेणेश्वर धाम में लगता है, एक महत्वपूर्ण और प्रसिद्ध मेला है। यह मेला मुख्य रूप से आदिवासियों का सबसे बड़ा मेला माना जाता है और इसका आयोजन विशेष धार्मिक और सांस्कृतिक अवसरों पर होता है।

मेले का अवसर और समय

यह मेला प्रतिवर्ष माघ माह की पूर्णिमा के दिन लगता है। पूर्णिमा, जिसे पूनम भी कहा जाता है, हिंदू चंद्र कैलेंडर के अनुसार महीने का वह दिन होता है जब चंद्रमा पूरा दिखाई देता है।

- **मेले का स्थान:** बेणेश्वर धाम, साबला, इंगरपुर, राजस्थान।
- **मेले का समय:** माघ माह की पूर्णिमा।
- **आयोजन का महत्व:** यह मुख्य रूप से वागड़ क्षेत्र (इंगरपुर और बांसवाड़ा) के आदिवासियों (विशेषकर भील समुदाय) का प्रमुख सांस्कृतिक और धार्मिक पर्व है।

चंद्र तिथियों का स्पष्टीकरण

विकल्पों में विभिन्न चंद्र तिथियों का उल्लेख किया गया है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि मेला कब लगता है:

- **पूर्णिमा (Purnima):** वह तिथि जब चंद्रमा पूर्ण होता है।
- **अमावस्या (Amavasya):** वह तिथि जब चंद्रमा अदृश्य होता है।

बेणेश्वर मेला विशेष रूप से **माघ माह की पूर्णिमा** को आयोजित होता है, जो इस क्षेत्र के लिए एक अत्यंत शुभ अवसर है। इस दौरान, बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक इस अनूठे मेले में भाग लेने के लिए एकत्रित होते हैं।

143. Answer: b

Explanation:

CPU के घटक: जानें क्या CPU का हिस्सा नहीं है

यह प्रश्न सेंट्रल प्रोसेसिंग यूनिट (CPU) के विभिन्न घटकों के बारे में है। CPU कंप्यूटर का 'मस्तिष्क' होता है, जो सभी निर्देशों को प्रोसेस करता है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि CPU के कौन से हिस्से उसके मुख्य कार्य के लिए जिम्मेदार हैं।

CPU के मुख्य भाग

एक मानक CPU में मुख्य रूप से निम्नलिखित घटक होते हैं:

- **कंट्रोल यूनिट (CU):** यह CPU के सभी कार्यों को निर्देशित और नियंत्रित करता है। यह मेमोरी से निर्देशों को प्राप्त करता है, उन्हें डिकोड करता है, और निष्पादन के लिए आवश्यक सिग्नलों को उत्पन्न करता है।
- **अरिथमेटिक लॉजिक यूनिट (ALU):** यह सभी गणितीय (जैसे जोड़, घटाव) और तार्किक (जैसे AND, OR, NOT) ऑपरेशन करता है।
- **रजिस्टर (Registers):** ये CPU के अंदर छोटी, बहुत तेज मेमोरी इकाइयाँ होती हैं जो वर्तमान में प्रोसेस किए जा रहे डेटा और निर्देशों को अस्थायी रूप से संग्रहीत करती हैं। इन्हें CPU की आंतरिक मेमोरी या स्टोरेज यूनिट का हिस्सा माना जा सकता है।

विकल्पों का विश्लेषण

आइए दिए गए विकल्पों को देखें कि कौन सा CPU का घटक नहीं है:

- **कंट्रोल यूनिट:** जैसा कि ऊपर बताया गया है, यह CPU का एक अनिवार्य हिस्सा है।
- **अरिथमेटिक यूनिट:** यह ALU का हिस्सा है, जो गणना और तर्क के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए, यह भी CPU का एक घटक है।
- **मेमोरी अथवा स्टोरेज यूनिट:** CPU में रजिस्ट्रों के रूप में आंतरिक मेमोरी/स्टोरेज होती है। हालाँकि मुख्य मेमोरी (RAM) और सेकेंडरी स्टोरेज (जैसे हार्ड डिस्क) CPU के बाहर होते हैं, रजिस्ट्रों को CPU का हिस्सा माना जाता है।
- **पर्मनेंट यूनिट:** CPU के संदर्भ में 'पर्मनेंट यूनिट' जैसा कोई मानक घटक नहीं होता है। CPU डेटा को स्थायी रूप से संग्रहीत नहीं करता; यह कार्य कंप्यूटर की स्टोरेज डिवाइस (जैसे HDD या SSD) द्वारा किया जाता है, जो CPU के बाहर होते हैं। CPU में केवल अस्थायी स्टोरेज (रजिस्टर और कैश) होती है।

इसलिए, 'पर्मनेंट यूनिट' CPU का एक मान्यता प्राप्त घटक नहीं है।

144. Answer: d

Explanation:

चित्तौड़गढ़ किले का सातवीं सदी में निर्माण

चित्तौड़गढ़ किला, राजस्थान के सबसे प्रसिद्ध किलों में से एक है। इसका निर्माण सातवीं सदी में हुआ था।

किले के संस्थापक

ऐतिहासिक साक्ष्यों के अनुसार, सातवीं सदी में चित्तौड़गढ़ किले की नींव **चित्रांगद मोरी** नामक राजा ने रखी थी। उन्होंने इस किले का निर्माण कार्य शुरू करवाया था।

अन्य शासकों का योगदान

यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि किले का प्रारंभिक निर्माण चित्रांगद मोरी ने किया था, लेकिन बाद के समय में कई शासकों ने इसका जीर्णोद्धार और विस्तार किया।

- **राणा कुंभा:** राणा कुंभा को चित्तौड़गढ़ किले में कई महत्वपूर्ण संरचनाओं, जैसे विजय स्तंभ, के निर्माण के लिए जाना जाता है। उनका शासनकाल 15वीं सदी में था, जो कि किले के मूल निर्माण के काफी बाद का है।
- **राणा सांगा:** राणा सांगा एक वीर योद्धा थे और उनका संबंध भी मेवाड़ के इतिहास से है, लेकिन किले के मूल निर्माता वे नहीं थे।
- **बप्पा रावल:** बप्पा रावल को मेवाड़ के इतिहास में एक महत्वपूर्ण शासक माना जाता है, जिन्होंने बाद में चित्तौड़गढ़ पर शासन किया और किले को सुदृढ़ किया, परन्तु वे इसके संस्थापक नहीं थे।

निष्कर्ष

इसलिए, सातवीं सदी में चित्तौड़गढ़ के प्रसिद्ध किले का मूल निर्माण **चित्रांगद मोरी** ने किया था।

145. Answer: d

Explanation:

ताजे नमीयुक्त प्लास्टर पर चित्रकारी को समझना

प्रश्न पूछता है कि ताजे, नमीयुक्त प्लास्टर की दीवार पर की गई चित्रकारी को क्या कहा जाता है। इस प्रकार की चित्रकारी के लिए एक विशिष्ट तकनीक का उपयोग किया जाता है।

ब्यूऑन फ्रेस्को: सही तकनीक

ताजे नमीयुक्त प्लास्टर की दीवार पर की गई चित्रकारी को **ब्यूऑन फ्रेस्को (Buon fresco)** कहा जाता है।

- **प्रक्रिया:** ब्यूऑन फ्रेस्को में, चित्रकार रंगों को पानी में मिलाकर गीले चूने के प्लास्टर पर लगाते हैं।
- **रासायनिक क्रिया:** जैसे-जैसे प्लास्टर सूखता है, यह दीवारों के साथ एक रासायनिक बंधन बनाता है। रंग प्लास्टर का हिस्सा बन जाते हैं, जिससे एक बहुत टिकाऊ पेंटिंग बनती है।
- **अर्थ:** 'Buon fresco' एक इतालवी शब्द है जिसका अर्थ है 'असली फ्रेस्को'।

अन्य विकल्प क्यों गलत हैं

आइए देखें कि अन्य विकल्प इस संदर्भ में सही क्यों नहीं हैं:

- **तेल चित्रकारी (Oil Painting):** इसमें तेल-आधारित माध्यम का उपयोग करके कैनवास या लकड़ी जैसे सूखे सतहों पर पेंटिंग की जाती है। यह गीले प्लास्टर पर नहीं की जाती है।
- **जल चित्रकारी (Watercolor Painting):** इसमें पानी और गूंद (gum arabic) में मिले पिगमेंट का उपयोग करके कागज पर पेंटिंग की जाती है। यह गीले प्लास्टर पर नहीं की जाती है।
- **सिको चित्रकारी (Siccative Painting):** यह शब्द आमतौर पर उन पेंटिंग माध्यमों के लिए उपयोग किया जाता है जो हवा के संपर्क में आने पर सूखते हैं (जैसे तेल रंग), न कि प्लास्टर की रासायनिक क्रिया पर निर्भर करते हैं।

निष्कर्ष

इसलिए, ताजे नमीयुक्त प्लास्टर पर की गई चित्रकारी के लिए सबसे उपयुक्त शब्द **ब्यूऑन फ्रेस्को** है। यह एक प्राचीन और स्थायी दीवार चित्रकला तकनीक है।

146. Answer: c

Explanation:

राजस्थान वनक्षेत्र का प्रतिशत समझना

यह प्रश्न राजस्थान राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्र में वन क्षेत्र के अनुमानित प्रतिशत के बारे में पूछता है। वन क्षेत्र किसी भी क्षेत्र के पर्यावरण संतुलन और जैव विविधता के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है।

राजस्थान में वनक्षेत्र की स्थिति

राजस्थान, अपने शुष्क और अर्ध-शुष्क जलवायु के कारण, भारत के अन्य राज्यों की तुलना में कम वन क्षेत्र वाला राज्य है। हालाँकि, राज्य सरकार और विभिन्न वन सर्वेक्षण रिपोर्टें समय-समय पर वन क्षेत्र के आँकड़े प्रदान करती हैं।

भारतीय वन रिपोर्ट (India State of Forest Report) जैसे आधिकारिक स्रोतों के अनुसार, राजस्थान का वन क्षेत्र कुल भौगोलिक क्षेत्र का एक निश्चित प्रतिशत है। हाल के वर्षों के आँकड़ों के आधार पर, यह प्रतिशत लगभग **9%** के आसपास बताया गया है।

प्रश्न के विकल्पों का विश्लेषण

प्रश्न में दिए गए विकल्प हैं:

विकल्प	प्रतिशत (%)
1	3%
2	5%
3	9%
4	12%

उपरोक्त विश्लेषण और सामान्यतः उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार, राजस्थान का वनक्षेत्र लगभग **9%** है। यह प्रतिशत वास्तविक वन आवरण (Actual Forest Cover) और वृक्ष आवरण (Tree Cover) को मिलाकर निकाला जाता है, जैसा कि वन सर्वेक्षण रिपोर्टों में परिभाषित किया गया है।

निष्कर्ष

इसलिए, दिए गए विकल्पों में से, **9%** राजस्थान के वनक्षेत्र के प्रतिशत का सबसे निकटतम और स्वीकृत अनुमान है।

147. Answer: b

Explanation:

जवाई बाँध का स्थान

जवाई बाँध, जो राजस्थान के महत्वपूर्ण जल स्रोतों में से एक है, **पाली** जिले में स्थित है।

जिले की जानकारी

- **प्रश्न:** यह प्रश्न पूछता है कि जवाई बाँध किस जिले में स्थित है।
- **विकल्प:** दिए गए विकल्पों में उदयपुर, पाली, बांसवाड़ा और सिरोही शामिल थे।
- **सही उत्तर:** जवाई बाँध विशेष रूप से **पाली** जिले में स्थित है।

जवाई बाँध का महत्व

यह बाँध पाली और जालौर जिलों के लिए सिंचाई और पेयजल का एक प्रमुख स्रोत है। यह लूनी नदी की सहायक नदी जवाई नदी पर बनाया गया है।

अन्य विकल्प क्यों गलत हैं?

- **उदयपुर:** उदयपुर जिले में अन्य प्रसिद्ध बाँध हैं, लेकिन जवाई बाँध यहाँ स्थित नहीं है।
- **बांसवाड़ा:** बांसवाड़ा जिला माही बाँध जैसे अन्य जल परियोजनाओं के लिए जाना जाता है, जवाई बाँध यहाँ से दूर है।
- **सिरोही:** सिरोही जिला भी जवाई बाँध के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है।

इसलिए, जवाई बाँध का सही जिला **पाली** है।

148. Answer: a

Explanation:

राजस्थान में पारंपरिक जूता: जूती और मोजरी की पहचान

इस प्रश्न में राजस्थान के उस पारंपरिक जूते (फुटवियर) के बारे में पूछा गया है जिसे पुरुष और महिलाएं दोनों पहनते हैं। आइए विकल्पों का विश्लेषण करें:

विकल्पों का विश्लेषण

- **जूती अथवा मोजरी:** यह राजस्थान का एक बहुत ही प्रसिद्ध पारंपरिक हस्तनिर्मित चमड़े का जूता है। 'मोजरी' आमतौर पर पुरुषों द्वारा औपचारिक अवसरों पर पहनी जाती है, जबकि 'जूती' शब्द महिलाओं और पुरुषों दोनों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, खासकर जब उन पर सुंदर कढ़ाई या डिजाइन हो। दोनों ही राजस्थान की संस्कृति और पहनावे का अहम हिस्सा हैं और व्यापक रूप से पहने जाते हैं।
- **कोल्हापुरी चप्पल:** यह चप्पल मुख्य रूप से महाराष्ट्र राज्य से संबंधित है, न कि राजस्थान से।
- **बटिक:** यह एक कपड़ा रंगाई तकनीक है, न कि कोई विशेष प्रकार का जूता।
- **इकत:** यह एक बुनाई तकनीक है जिसका उपयोग कपड़ों में पैटर्न बनाने के लिए किया जाता है, यह भी फुटवियर का प्रकार नहीं है।

निष्कर्ष

उपरोक्त विश्लेषण के आधार पर, यह स्पष्ट है कि 'जूती अथवा मोजरी' ही वह पारंपरिक फुटवियर है जो राजस्थान में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए प्रासंगिक है। इसकी विशेषता इसके चमड़े के काम, जटिल कढ़ाई और सांस्कृतिक महत्व में निहित है।

149. Answer: a

Explanation:

समीकरण को समझना

हमें दिए गए समीकरण में 'm' का मान ज्ञात करना है:

$$\frac{(17 \times 2 - 10)}{(2 + m)} = 4$$

यह एक सरल समीकरण है जिसमें हमें एक अज्ञात चर 'm' का मान निकालना है।

समीकरण हल करने के चरण

1. **अंश (Numerator) को सरल करें:** सबसे पहले, समीकरण के ऊपरी हिस्से (अंश) को हल करें।
 $17 \times 2 - 10 \quad 34 - 10 = 24$
2. **सरल किए गए समीकरण को लिखें:** अब अंश के मान को समीकरण में रखें। $\frac{24}{(2+m)} = 4$
3. **'m' वाले पद को अलग करें:** समीकरण के दोनों पक्षों को $(2 + m)$ से गुणा करें। $24 = 4 \times (2 + m)$
4. **'m' के लिए हल करें:** अब समीकरण के दोनों पक्षों को 4 से भाग दें। $\frac{24}{4} = 2 + m \quad 6 = 2 + m$
5. **अंतिम मान ज्ञात करें:** अंत में, समीकरण के दोनों पक्षों से 2 घटाएं। $6 - 2 = m \quad 4 = m$

निष्कर्ष

इसलिए, दिए गए समीकरण को हल करने पर 'm' का मान **4** आता है।

150. Answer: b

Explanation:

विषम संख्या का विश्लेषण

इस प्रश्न में, हमें दी गई संख्याओं 2, 4, 5, और 3 में से उस संख्या को पहचानना है जो दूसरों से अलग (विषम) है। हमें पैटर्न या गुण के आधार पर विषम संख्या का पता लगाना है।

विकल्पों की जाँच

आइए प्रत्येक संख्या के गुणों की जाँच करें:

- **2:** यह एक **अभाज्य संख्या** (Prime Number) है, क्योंकि यह केवल 1 और स्वयं (2) से ही पूरी तरह विभाजित होती है। यह एक **सम संख्या** (Even Number) भी है।
- **4:** यह एक **भाज्य संख्या** (Composite Number) है, क्योंकि यह 1, 2, और 4 से पूरी तरह विभाजित होती है। यह भी एक **सम संख्या** (Even Number) है।
- **5:** यह एक **अभाज्य संख्या** (Prime Number) है, क्योंकि यह केवल 1 और स्वयं (5) से ही पूरी तरह विभाजित होती है। यह एक **विषम संख्या** (Odd Number) है।
- **3:** यह एक **अभाज्य संख्या** (Prime Number) है, क्योंकि यह केवल 1 और स्वयं (3) से ही पूरी तरह विभाजित होती है। यह भी एक **विषम संख्या** (Odd Number) है।

तर्क और निष्कर्ष

संख्याओं के प्रकार के आधार पर विश्लेषण करने पर, हम निम्नलिखित निष्कर्ष निकाल सकते हैं:

- **अभाज्य संख्याएँ** (Prime Numbers): 2, 3, 5
- **भाज्य संख्याएँ** (Composite Numbers): 4

इस विश्लेषण से स्पष्ट होता है कि 2, 3, और 5 अभाज्य संख्याएँ हैं, जबकि 4 एकमात्र भाज्य संख्या है। इस आधार पर, 4 दूसरों से विषम है।

यदि हम सम (Even) और विषम (Odd) संख्याओं के आधार पर देखें:

- **सम संख्याएँ**: 2, 4
- **विषम संख्याएँ**: 3, 5

यह वर्गीकरण संख्याओं को दो समूहों में बाँटता है (2, 4 सम हैं; 3, 5 विषम हैं), लेकिन यह किसी एक संख्या को स्पष्ट रूप से 'विषम' के रूप में अलग नहीं करता है। इसलिए, अभाज्य और भाज्य संख्या के आधार पर किया गया विश्लेषण सबसे उपयुक्त है।

अतः, दी गई संख्याओं में से **4** वह संख्या है जो विषम (अलग) है, क्योंकि यह एकमात्र भाज्य संख्या है।

Your Personal Exams Guide